दैनिक

लखनऊ से प्रकाशित एवं उ.प्र., बिहार ,झारखण्ड, मध्यप्रदेश, राजस्थान, दिल्ली में प्रसारित

RNI-UPHIN/2014/58471

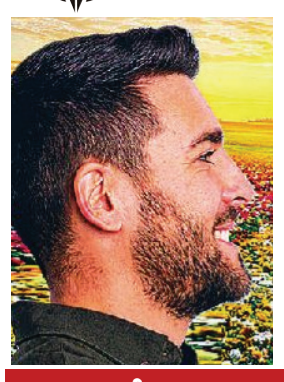

अमन लेखनी

नववर्ष में हम करें नवचेतना .....

प्रेम सौहार्द शांति

वर्ष : 12 | अंक : 07 | लखनऊ, 29 दिसम्बर ,सोमवार 2025 | पृष्ठ : 08 | मूल्य : 2.00 रुपए

मौसम

अधिकतम तापमान 42.c

न्यूनतम तापमान 29.c

बाजार

सोना 7,177/ g

चांदी 96/ g

सेंसेक्स 82,530.74

निफ्टी 25,062.10

खबर संक्षेप

नायडू ने राममंदिर में किया दर्शन-पूजन

अयोध्या। आंध्र प्रदेश के सीएम चंद्रबाबू नायडू रामनगरी अयोध्या पहुंचे। महर्षि वाल्मीकि एयरपोर्ट पर

प्रदेश के कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही, अयोध्या विधायक वेद प्रकाश गुप्त और डीएम निखिल टीकाराम फुंडे ने स्वागत किया। यहां से वह राम मंदिर के लिए रवाना हुए। राम जन्मभूमि मंदिर में रामलला के दर्शन और पूजन किया।

दिल्ली में नितिन को मिला नया आवास

नई दिल्ली। भाजपा के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष नितिन नबीन को दिल्ली में नया आवास मिल गया है। उन्हें

लुटियंस जोन में सरकार द्वारा एक बंगला आवंटित किया गया है। बीन लुटियंस जोन में बंगला नंबर 9, सुनहरी बाग रोड में रहेंगे। मकर संक्रांति के तुरंत बाद ही नितिन नए पते पर शिफ्ट हो जाएंगे। बंगले के रिनोवेशन का काम शुरू हो गया है।

हुमायूं के बेटे को हिरासत में लिया

कोलकाता। बंगाल में बाबरी मस्जिद की नींव रखने को लेकर सुर्खियों में आए हुमायूं कबीर के बेटे को कोलकाता में हिरासत लिया गया है। आजाद परपिता की हिरासत में तैनात एक पुलिसवाले को थप्पड़ मारने का आरोप है। जनता उन्नयन पार्टी के चेयरपरसन कबीर अभी सुर्खियों में हैं।

पीएम मोदी ने की मुख्य सचिवों की बैठक की अध्यक्षता की

प्रशासन सुधार, मानव पूंजी विकास, शिक्षा स्किलिंग,आत्मनिर्भर भारत पर दिया जोर

उद्देश्य-केंद्र और राज्यों को देश की राष्ट्रीय ग्रोथ के लिए प्राथमिकताओं को एक साथ लाना

राज कुमार सिंह चौहान ब्यूरो प्रमुख / नई दिल्ली,

भारत मंडपम में किया गया कार्यक्रम | परफॉर्मेंस और गवर्नेंस पर की चर्चा | नीति आयोग द्वारा किया गया आयोजन

'विकसित भारत के लिए मानव पूंजी' थी थीम

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को नई दिल्ली में मुख्य सचिवों के राष्ट्रीय सम्मेलन की पांचवीं बैठक की। यह कार्यक्रम अभी भारत मंडपम में चला। इस कार्यक्रम का मकसद केंद्र और राज्यों को देश की राष्ट्रीय ग्रोथ के लिए अपनी प्राथमिकताओं को एक साथ लाना है।

सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में प्रधानमंत्री ने कहा कि उन्होंने 'ज्ञानवर्धक' बातचीत की, जिसमें भारत के प्रशासनिक सिस्टम को बेहतर बनाने के लिए सुधार और परफॉर्मेंस के महत्व पर जोर दिया गया।

पीएम मोदी ने कहा कि दिल्ली में हुए मुख्य सचिवों के राष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान गवर्नेंस और सुधारों से जुड़े अलग-अलग मुद्दों पर ज्ञानवर्धक चर्चा हुई। सम्मेलन में मानव पूंजी विकास, शिक्षा, स्किलिंग, टेक्नोलॉजी, आत्मनिर्भर भारत और सुधार परियोजनाओं पर चर्चा हुई। इसके अलावा, राज्यों की कई समस्याओं पर भी सरकार और प्रशासनिक अधिकारियों के बीच विचार विमर्श किया गया।

मानव पूंजी बढ़ाने रोडमैप तैयार किया

इस कार्यक्रम का मकसद भारत की मानव पूंजी की क्षमता को ज्यादा से ज्यादा बढ़ाने के लिए एक कॉमन रोडमैप को अंतिम रूप देना है। बैठक में प्रधानमंत्री मोदी ने मुक्य सचिवों के साथ मानव पूंजी को बढ़ाने के साथ ही संतुलित रखने परप जोर दिया। सम्मेलन का मुख्य विषय ही रखा गया है- विकसित भारत के लिए मानव पूंजी, इसलिए चर्चा के प्रमुख बिंदुओं में प्रारंभिक बाल्यावस्था शिक्षा, स्कूली शिक्षा, कौशल विकास, उच्च शिक्षा, खेल और पाठ्येतर गतिविधियां (एक्स्ट्रा करिकुलम एक्टिविटीज) शामिल हैं।

राज्यों में डीरेगुलेशन, गवर्नेंस में टेक्नोलॉजी पर भी की बात

इस साल का सम्मेलन 'विकसित भारत के लिए मानव पूंजी' थीम पर आधारित है और इसमें शुरुआती बचपन की शिक्षा, स्कूली शिक्षा, स्किलिंग, उच्च शिक्षा और एक्स्ट्रा करिकुलम एक्टिविटीज में विकास पर फोकस करने वाले फोरम शामिल हैं। इस सम्मेलन में राज्यों में डीरेगुलेशन, गवर्नेंस में टेक्नोलॉजी और आत्मनिर्भर भारत के तहत प्रोजेक्ट्स पर भी चर्चा शामिल है। यह कार्यक्रम नीति आयोग द्वारा आयोजित किया गया।

प्रदेशों की बेस्ट प्रेक्टिस और रणनीतियों को भी जाना

केंद्रीय मंत्रालयों, विभागों, राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों सहित विशेषज्ञों के बीच विचार-विमर्श के आधार पर विभिन्न प्रदेशों द्वारा अपनाई जाने वाली बेस्ट प्रेक्टिस और रणनीतियों को प्रदर्शित किया गया।

आत्मनिर्भर भारत पर भी किया मंथन

राज्यों में विनियमन में ढील, शासन में प्रौद्योगिकी, स्मार्ट वैल्यू चेन और एक राज्य-एक विश्व स्तरीय पर्यटन स्थल, आत्मनिर्भर भारत और स्वदेशी तथा पोस्ट-एलडब्ल्यूई भविष्य की योजनाएं जैसे विषयों पर छह विशेष सत्र हुए।

6 विशेष सत्र आयोजित किए गए

सम्मेलन के दौरान 'आत्मनिर्भर भारत', 'स्वदेशी' और 'पोस्ट-एलडब्ल्यूई भविष्य' से जुड़ी योजनाओं जैसे विषयों पर छह विशेष सत्र आयोजित किए गए। इसके अलावा, भोजन सत्रों के दौरान विरासत और पांडुलिपि संरक्षण व डिजिटलीकरण तथा सभी के लिए आयुष-आधारित प्राथमिक स्वास्थ्य सेवा वितरण में ज्ञान के एकीकरण जैसे विषयों पर भी विचार-विमर्श किया। मुख्य सचिवों का राष्ट्रीय सम्मेलन पिछले चार वर्षों से प्रतिवर्ष आयोजित किया जा रहा है।

मंत्री शेखावत की सोनिया से अपील

नेहरू के पत्र और दस्तावेज पीएम संग्रहालय को लौटाएं

अमन लेखनी समाचार/ नई दिल्ली,

केंद्रीय संस्कृति और पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी से अपील की है कि वे देश के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू से जुड़े पत्र और दस्तावेज प्रधानमंत्री संग्रहालय एवं पुस्तकालय (पीएमएमएल) को वापस लौटाएं। उन्होंने कहा कि ये दस्तावेज किसी एक परिवार या व्यक्ति की नहीं, बल्कि पूरे देश की विरासत हैं।

एक साक्षात्कार में मंत्री ने बताया कि प्रधानमंत्री संग्रहालय एवं पुस्तकालय की स्थापना नेहरू जी के निधन के बाद हुई थी। पहले इसे नेहरू मेमोरियल म्यूजियम एंड लाइब्रेरी (एनएमएमएल) कहा जाता था, जिसे 2023 में बदलकर पीएमएमएल कर दिया गया। इस संग्रहालय में सभी प्रधानमंत्रियों से जुड़े दस्तावेज सुरक्षित रखे जाते हैं।

'पीएमएमएल में कुल करीब 2.5 करोड़ दस्तावेज'

उन्होंने कहा कि 1970 से 1990 के बीच नेहरू जी से जुड़े गैर-सरकारी दस्तावेज, निजी पत्र, उन्हें मिले जवाब और उनकी निजी टिप्पणियां संग्रहालय में सुरक्षित रखी गई थीं। पीएमएमएल में कुल करीब 2.5 करोड़ दस्तावेज हैं, जिनमें से लगभग 4 लाख दस्तावेज केवल पंडित नेहरू से जुड़े हैं।

पूर्व पीएम से जुड़े दस्तावेज किसी व्यक्ति की निजी संपत्ति नहीं'

उन्होंने कहा कि 29 अप्रैल 2008 को सोनिया के निर्देश पर उनके प्रतिनिधि एमवी राजन ने पत्र लिखकर नेहरू के निजी पारिवारिक पत्र और नोट्स वापस मांगे थे। संग्रहालय से करीब 57 कार्टन, जिनमें लगभग 26000 दस्तावेज थे, परिवार को लौटा दिए गए। हमने इन दस्तावेजों को वापस लौटाने का अनुरोध किया है। सोनिया ने कहा है कि वह इस पर विचार करेंगी। ये दस्तावेज किसी व्यक्ति की निजी संपत्ति नहीं हो सकते।

डिजिटलीकरण और पांडुलिपियों का संरक्षण

मंत्री ने बताया कि संस्कृति मंत्रालय ने राष्ट्रीय अभिलेखागार में बड़े पैमाने पर डिजिटलीकरण अभियान शुरू किया है। लाखों फाइलों को डिजिटल रूप में सुरक्षित किया गया है, जो दुनिया की सबसे बड़ी डिजिटलीकरण परियोजनाओं में से एक है। उन्होंने कहा कि देश में लाखों प्राचीन पांडुलिपियां हैं, कुछ ताड़ के पत्तों, पेड़ की छाल, रेशम और हस्तलिखित कागज पर लिखी गई हैं। इन्हें संरक्षित करना बेहद जरूरी है। इसी उद्देश्य से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'ज्ञान भारतम्-मिशन' शुरू किया, जिसके तहत इन पांडुलिपियों को डिजिटाइज कर एक पोर्टल पर उपलब्ध कराया जा रहा है।

आंदोलनों को रोकने होगी समीक्षा

केंद्र ने सभी राज्यों से मांगी विरोध-प्रदर्शनों की जानकारी

अमन लेखनी समाचार/ नई दिल्ली,

ब्यूरो ऑफ पुलिस रिसर्च एंड डेवलपमेंट ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के पुलिस प्रमुखों से आजादी के बाद हुए आंदोलनों और विरोध प्रदर्शनों की जानकारी मांगी है। खासतौर से उन आंदोलनों की जानकारी मांगी गई है, जो 1974 के बाद हुए हैं। इनमें आंदोलन का कारण, उसके आयोजक, संरचना और विचारधारा समेत तमाम रिकॉर्ड शामिल हैं। इसका इस्तेमाल आंदोलनों को रोकने के लिए व्यापक स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर बनाने के लिए किया जाएगा। माना जा रहा है कि पड़ोसी देशों में हुए हिंसक आंदोलनों से सबक लेकर भविष्य की योजनाएं तैयार की जाएंगी।

पहाड़ों पर भारी हिमपात, मैदान में कोहरे का कहर

अमन लेखनी समाचार/ नई दिल्ली,

पश्चिमी विक्षोभ की सक्रियता से पश्चिम से लेकर पूर्वोत्तर तक हिमालयी क्षेत्रों में मौसम बदल गया है। कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड की चोटियों पर हिमपात हुआ है। वहीं, मैदान में कोहरे के कहर और शीत लहर ने जनजीवन बुरी तरह प्रभावित किया है। उत्तर प्रदेश के 18 समेत देश के विभिन्न राज्यों में 30 से अधिक जिलों में शनिवार सुबह कई जगह दृश्यता शून्य से 50 मीटर रही। इसका सीधा असर सड़क, रेल और हवाई यातायात पर पड़ा। कई ट्रेनें देरी से चलीं और उड़ानों पर भी असर पड़ा।

शीतलहर-बारिश का अलर्ट

जनजीवन बुरी तरह प्रभावित, आवागमन हो रहा कठिन

दिल्ली में कोहरे से दृश्यता बहुत कम रही

जलियांवाला बाग एक्सप्रेस सहित 6 ट्रेनें 3 मार्च तक रद्द

चक्रधरपुर। दक्षिण पूर्व रेलवे ने घने कोहरे का पूर्वानुमान को लेकर चक्रधरपुर रेल मंडल से गुजरने वाली लंबी दूरी की 6 ट्रेनों को दिसंबर 2025 से लेकर 3 मार्च 2026 तक रद करने की अधिसूचना पत्र जारी कर दिया है। मालूम रहे की टाटा अमृतसर जलियांवाला बाग एक्सप्रेस को रद्द तिथियों में चलाने को लेकर स्थानीय जन प्रतिनिधियों ने रेल मंत्री को पत्र लिखा है।

12 घंटे का सफर 25 घंटे में पूरा

कोहरे के कारण जहां सामान्य तौर पर पटना पहुंचने में 12 घंटे लगते हैं। वहीं यात्रियों को इस बार 25 घंटे का सफर करना पड़ा। सिर्फ संपूर्ण क्रांति ही नहीं, बल्कि कई प्रमुख ट्रेनें घंटों देरी से चलती रहीं।

सड़क हादसे में 70 वर्षीय बुजुर्ग की मौत

सीवान। जिले में घने कोहरे का कहर जारी है। लकड़ी नबीगंज थाना क्षेत्र के माधोपुर गांव में शनिवार सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसे में 70 वर्षीय बुजुर्ग की मौत हो गई। अज्ञात वाहन ने पैदल जा रहे बुजुर्ग को टक्कर मार दी। उत्तर प्रदेश में इन दिनों कड़ाके की ठंड पड़ रही है। शीतलहर को देखते हुए बेसिक शिक्षा विभाग ने 15 दिनों के शीतकालीन अवकाश दिया है।

दिल्ली ने कुछ यूं याद किया छग के नामचीन साहित्यकार स्वर्गीय विनोद शुक्ल को...

अमन लेखनी समाचार/ नई दिल्ली,

देश की राजधानी दिल्ली में आयोजित साहित्यिक परिचर्चा में ज्ञानपीठ पुरस्कार से सम्मानित प्रख्यात साहित्यकार विनोद कुमार शुक्ल के रचना-कर्म और साहित्यिक अवदान को याद किया गया। इस अवसर पर साहित्य उत्सवों की प्रासंगिकता पर भी गहन संवाद स्थापित किया गया।

रायपुर में 23- 25 जनवरी को आयोजित होने वाले साहित्य उत्सव 2026 के परिप्रेक्ष्य में राजधानी दिल्ली के कांस्टीट्यूशन क्लब में साहित्यिक परिचर्चा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में रायपुर साहित्य उत्सव की वैचारिक दिशा को विस्तार देने के साथ साथ साहित्य से जुड़े ज्वलंत प्रश्नों पर सार्थक चर्चा की।

कार्यक्रम में डॉ. सच्चिदानंद जोशी ने विनोद कुमार शुक्ल से अपनी पहली मुलाकात को याद करते हुए कहा कि इतने बड़े साहित्यिक व्यक्तित्व से मिलने की अपेक्षा कुछ और थी, लेकिन जब वे उनसे मिले तो अत्यंत आश्चर्य हुआ कि वे कितने सरल और सहज हैं।

उन्होंने कहा कि उनकी बातचीत आत्मीयता से भरी होती थी, जिसमें कहीं भी कोई अतिरेक नहीं होता। बिना लाग-लपेट के वे सीधे और स्पष्ट शब्दों में अपनी बात कहते यही उनकी व्यक्तित्व और लेखन की सबसे बड़ी विशेषता थी।

छत्तीसगढ़ साहित्य अकादमी के अध्यक्ष शशांक शर्मा ने विनोद कुमार शुक्ल को याद करते हुए कहा कि युवा उनसे गहराई से आकर्षित रहते थे और उनके यहाँ हमेशा युवाओं की भीड़ लगी रहती थी।

शशांक शर्मा ने कहा कि अपनी एक मुलाकात के दौरान उन्होंने उनसे पूछा कि आपने युवावस्था में अत्यंत गंभीर लेखन किया और अब बाल साहित्य की ओर क्यों आए। इस पर विनोद कुमार शुक्ल ने उत्तर दिया कि उन्हें लगता है वे बहुत गंभीर लेखन कर चुके हैं, लेकिन नई पीढ़ी के साथ शायद न्याय नहीं कर पाए। अब उन्हें लगता है कि नई पीढ़ी के साथ न्याय करने का अवसर उन्हें बाल साहित्य के माध्यम से मिला है।

साहित्यकार अलका जोशी ने विनोद कुमार शुक्ल के रचना-कर्म पर बात करते हुए कहा कि उनकी सबसे बड़ी विशेषता यह रही है कि वे मामूली और साधारण स्थितियों में भी सौंदर्य खोज लेते थे।

उन्होंने कहा कि नौकर की कमीज में विनोद कुमार शुक्ल ने अत्यंत सहजता के साथ सत्ता के प्रति रोष को व्यक्त किया है, बिना किसी आडंबर के। उनकी रचनाओं में वह अदृश्य व्यक्ति दिखाई देता है, जो अपने गुम हो जाने से बचने की

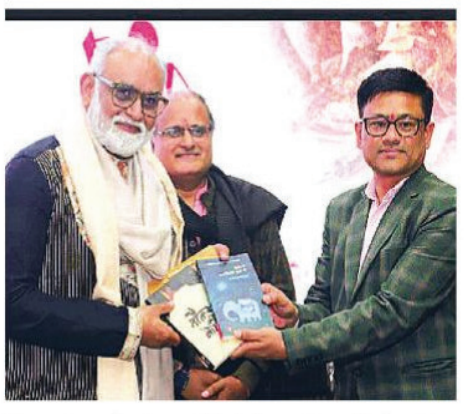

कोशिश करता है। अलका जोशी ने कहा कि चाहे नौकर की कमीज हो या एक दीवार में खिड़की रहती है, उनकी रचनाओं में ऐसे दृश्य आते हैं जहाँ पात्र अपनी सीमित परिस्थितियों के भीतर भी हाथी पर सवारी करने जैसा सपना देखता है। उनकी लेखन-खूबसूरती यह थी कि रचनाओं में दृश्य और परिस्थितियां इतनी जीवंत होती थीं कि पाठक धीरे-धीरे उनसे जुड़ता चला जाता था। पाठक की यह इन्वॉल्वमेंट ही उनकी रचनात्मक सफलता का मूल आधार रही।इसके पहले के सत्र में साहित्य उत्सवों में कितना साहित्य विषय पर अपनी बात रखते हुए लेखक अनंत विजय ने कहा कि साहित्य में गहराई अनिवार्य है। गहराई होगी तभी साहित्य को उसके पाठक मिलेंगे और वही साहित्य समय के साथ अपनी स्थायी छाप छोड़ पाएगा।

उन्होंने साहित्य उत्सवों की संरचना पर जोर देते हुए कहा कि सत्रों की संरचना में ठोस कंटेंट होना चाहिए, तभी श्रोता और पाठक उनसे जुड़ पाएंगे।

अनंत विजय ने यह भी स्पष्ट किया कि रायपुर साहित्य उत्सव पूरी तरह व्यावसायिकता से दूर रहेगा। यदि किसी सत्र में फिल्म जगत से कोई व्यक्ति आमंत्रित किया जाता है, तो उसके साथ मंच पर एक साहित्यकार की उपस्थिति भी सुनिश्चित की जाएगी, ताकि साहित्य केंद्र में बना रहे।

उन्होंने कहा कि सेल्फी संस्कृति साहित्य की दुश्मन है। कई बार साहित्य उत्सवों में फिल्मी हस्तियों को केवल इसलिए बुलाया जाता है ताकि लोग उनके साथ सेल्फी लेने आएं, जबकि इससे साहित्य का मूल उद्देश्य पीछे छूट जाता है।वहीं, साहित्यकार अनिल जोशी ने भी इस विषय पर अपनी राय रखी। उन्होंने कहा कि नई पीढ़ी एक बार फिर किताबों और साहित्य से जुड़ रही है, जो एक सकारात्मक संकेत है। उन्होंने कहा कि साहित्य उत्सवों की उपयोगिता अत्यधिक हो सकती है, बशर्ते उनके उद्देश्य स्पष्ट हों।

अनिल जोशी ने इस बात पर जोर दिया कि किसी भी साहित्य सम्मेलन की शुरुआत से पहले उसकी प्रासंगिकता पर गंभीर विचार किया जाना चाहिए। साथ ही आयोजन के दौरान यह भी सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि साहित्य केंद्र में रहे और आवश्यक सावधानियों व मूल्यों का पालन हो, ताकि ऐसे उत्सव वास्तव में साहित्य-संवाद को समृद्ध कर सकें। विनोद कुमार शुक्ल पर बोलते हुए अनिल जोशी ने कहा उनकी लेखनी एब्स्ट्रैक्ट पेंटिंग की तरह है, जिसे समझने के लिए पाठक को ठहरकर देखना और महसूस करना पड़ता है।

कार्यक्रम में नई शैली के लेखन पर टिप्पणी करते हुए पूर्व संपादक एवं लेखक प्रताप सोमवंशी ने कहा कि समय के साथ लेखन के स्वरूप में बदलाव आया है और आज नई शैली में साहित्य रचा जा रहा है। लेकिन इसके साथ ही पारंपरिक शैली में लेखन भी निरंतर हो रहा है, जिसे पाठक आज भी पसंद कर रहे हैं और वह समान रूप से पढ़ा जा रहा है। इस अवसर पर रायपुर साहित्य उत्सव समिति के सदस्य एवं मुख्यमंत्री के मीडिया सलाहकार पंकज झा, रायपुर साहित्य उत्सव समिति के सदस्य संजीव सिन्हा सहित देशभर के प्रतिष्ठित साहित्यकार और विचारक शामिल हुए।

सड़क हादसे में घायल युवक की मां ने वैन चालक के खिलाफ कराई रिपोर्ट दर्ज

अमन लेखनी समाचार

सरोजनीनगर, लखनऊ। सरोजनीनगर थाना क्षेत्र में बीते दिनों सड़क हादसे में घायल हुए युवक के मामले में उसकी मां ने टक्कर मारने वाली वैन के चालक के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है। सरोजनी नगर के रुस्तम विहार कॉलोनी, बदाली खेड़ा निवासी पीड़िता अफजोन के मुताबिक उसका पुत्र रासिद चिल्लावां बाजार में चूड़ी की दुकान लगाता है। 24 दिसंबर 2025 की शाम करीब सात बजे रासिद अपनी बहन अन्नो खातून के साथ नादरगंज स्थित रुस्तम विहार कॉलोनी से पैदल चिल्लावां जा रहा था। इसी दौरान पीछे से तेज रफ्तार आ रही वैन (यूपी 32 एनआर 5256) ने उसे टक्कर मार दी। हादसे में रासिद की रीढ़ की हड्डी टूट गई, साथ ही सिर, आंखों और शरीर के अन्य हिस्सों में गंभीर चोटें आईं। उसे तत्काल लोकबंधु अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां चिकित्सकों ने हालत गंभीर बताते हुए किसी दूसरे अस्पताल में इलाज कराने की सलाह दी। फिलहाल पीड़िता की तहरीर पर पुलिस ने वैन मालिक के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर आगे की कार्रवाई कर रही है।

हर रविवार समाधान की चौपाल: 149 सप्ताह, हजारों समस्याएँ, एक भरोसेमंद मॉडल

45 बुजुर्गों को चश्में, 4 मेधावियों को साइकिल, 2 नए यूथ क्लब : एक शिविर - अनेक परिणाम

अमन लेखनी समाचार

सरोजनीनगर, लखनऊ। सरोजनीनगर विधानसभा क्षेत्र में डॉ. राजेश्वर सिंह के नेतृत्व में जनसमस्याओं के त्वरित समाधान और जनभागीदारी को सशक्त करने वाला साप्ताहिक अभियान ह्यआपका विधायक – आपके द्वारह्ण निरंतर विश्वास का आधार बनता जा रहा है। इसी क्रम में आज सरोजनीनगर द्वितीय मंडल के अंतर्गत पकरी में इस अभियान का 149वाँ जनसंवाद शिविर आयोजित किया गया। इस शिविर में बड़ी संख्या में उपस्थित क्षेत्रवासियों ने वृद्धावस्था पेंशन, प्रधानमंत्री आवास योजना, आय प्रमाण पत्र, विधवा पेंशन सहित कुल 41 आवश्यकताओं/सुझावों को प्रस्तुत किया। मौके पर ही प्रशासनिक समन्वय के माध्यम से 9 समस्याओं का त्वरित समाधान किया गया, जिससे आमजन को तत्काल राहत मिली और शासन-प्रशासन के प्रति विश्वास और मजबूत हुआ।

स्वास्थ्य ही सेवा का आधार: सन आई हॉस्पिटल के सहयोग से नेत्र शिविर:

जनसंवाद शिविर के साथ सन आई हॉस्पिटल के सहयोग से स्वास्थ्य परीक्षण एवं नेत्र चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। इस दौरान 100 वृद्धजनों की जांच की गई तथा 45 बुजुर्गों को आवश्यकता अनुसार उन्हें निःशुल्क चश्मे उपलब्ध कराए जाएंगे। यह पहल ग्रामीण स्वास्थ्य के प्रति डॉ. सिंह की संवेदनशील सोच को प्रतिबिंबित करती है।

गाँव की शान – मेधावियों का सम्मान:

शिक्षा को सामाजिक परिवर्तन का आधार मानते हुए हाईस्कूल एवं इंटरमीडिएट परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले 4 मेधावी विद्यार्थियों - यश निगम (86%), अंकित सिंह (81%), अनिकेत वर्मा (74%), अवंतिका शर्मा (71%) को साइकिल, घड़ी एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। यह सम्मान ग्रामीण प्रतिभाओं को आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है।

युवाओं के लिए खेल, अनुशासन और आत्मविश्वास:

युवा सशक्तिकरण की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए 163वें यूथ क्लब (बॉयज) तथा 98वें गर्ल्स यूथ क्लब का गठन किया गया। नवगठित क्लबों को क्रिकेट, वॉलीबॉल, फुटबॉल, कैरम सहित खेल किट प्रदान की गई, ताकि गांवों में खेल संस्कृति, अनुशासन और टीम भावना को बढ़ावा मिल सके।

सम्मान, सहभागिता और संवेदना:

कार्यक्रम में उपस्थित सेक्टर संयोजक रमा शंकर दुबे, पार्षद प्रतिनिधि कमलेश सिंह, बूथ अध्यक्ष रवि कश्यप, रेनू दीक्षित, आशा मिश्रा, फूलचंद यादव, पंकज मिश्रा, दिनेश शुक्ला, प्रेम प्रकाश शर्मा, मोहिनी, मंजू, गुड्डू वर्मा, कमल कुमारी, प्रभु दयाल सहित अन्य गणमान्यों को अंगवस्त्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। साथ ही, शिविर में उपस्थित सभी ग्रामीणों को ताराशक्ति निःशुल्क रसोई के माध्यम से ताजा एवं पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराया गया।

विजन: संवाद से समाधान, सेवा से सशक्तिकरण:

डॉ. राजेश्वर सिंह का यह साप्ताहिक अभियान केवल शिकायत निवारण नहीं, बल्कि विश्वास, पारदर्शिता और सहभागी विकास का मॉडल है। विधायक का मानना है इस शिविर के माध्यम से शासन को गांव-गांव तक पहुँचाने, अंतिम व्यक्ति तक लाभ सुनिश्चित करने और सरोजनीनगर को स्वास्थ्य, शिक्षा, युवा शक्ति और सामाजिक सुरक्षा के मजबूत स्तंभों पर खड़ा करने का यह प्रयास अनवरत जारी रहेगा।

माफिया निर्भय होकर चला रहे नशे का कारोबार

अखिलेश का तंज– महिला अपराध में यूपी सबसे आगे

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। पूर्व मुख्यमंत्री और समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने योगी सरकार पर कानून व्यवस्था को लेकर गंभीर आरोप लगाया है। कहा कि देश में सबसे ज्यादा महिला अपराध की घटनाएं उत्तर प्रदेश में हो रही है। जीरो टालरेंस का दावा जीरो साबित हुआ। पुलिस बेलगाम है। भ्रष्टाचार चरम पर है। अपराधी और अराजक तत्व खुलेआम घटनाएं कर रहे हैं। पूर्व सीएम ने कहा कि पुलिस-प्रशासन भाजपा नेताओं के दबाव में है। मुख्यमंत्री के गृह नगर गोरखपुर तक में अपराध नहीं रुक रहा। अखिलेश यादव ने आरोप लगाया कि सत्ता संरक्षण में माफिया निर्भय होकर नशे का जहरीला कारोबार कर रहे हैं। पूर्व सीएम ने कहा कि रामपुर में कार में छात्रा से छेड़छाड़ और दुष्कर्म का प्रयास किया गया। बस्ती में छेड़खानी हुई। पुलिस का महिला अपराध पर नियंत्रण नहीं है। कहा कि समाजवादी पार्टी की सरकार में महिला अपराध पर रोकथाम के लिए 1090 सेवा शुरू की गयी थी जहां एक फोन काल पर पुलिस महिलाओं व बेटियों की मदद करती थी, लेकिन भाजपा सरकार ने इस सेवा को बिगाड़ दिया। पुलिस-प्रशासन मूक दर्शक बनकर अपराध होते देख रहा है।

सड़क हादसे में घायल युवक की मां ने वैन चालक के खिलाफ कराई रिपोर्ट दर्ज

अमन लेखनी समाचार

सरोजनीनगर, लखनऊ। सरोजनीनगर थाना क्षेत्र में बीते दिनों सड़क हादसे में घायल हुए युवक के मामले में उसकी मां ने टक्कर मारने वाली वैन के चालक के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है। सरोजनी नगर के रुस्तम विहार कॉलोनी, बदाली खेड़ा निवासी पीड़िता अफजोन के मुताबिक उसका पुत्र रासिद चिल्लावां बाजार में चूड़ी की दुकान लगाता है। 24 दिसंबर 2025 की शाम करीब सात बजे रासिद अपनी बहन अन्नो खातून के साथ नादरगंज स्थित रुस्तम विहार कॉलोनी से पैदल चिल्लावां जा रहा था। इसी दौरान पीछे से तेज रफ्तार आ रही वैन (यूपी 32 एनआर 5256) ने उसे टक्कर मार दी। हादसे में रासिद की रीढ़ की हड्डी टूट गई, साथ ही सिर, आंखों और शरीर के अन्य हिस्सों में गंभीर चोटें आईं। उसे तत्काल लोकबंधु अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां चिकित्सकों ने हालत गंभीर बताते हुए किसी दूसरे अस्पताल में इलाज कराने की सलाह दी। फिलहाल पीड़िता की तहरीर पर पुलिस ने वैन मालिक के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर आगे की कार्रवाई कर रही है।

पीसीएम टीम पहुची सेमीफाइनल में

अमन लेखनी समाचार

निगोहां। निगोहां के एसएन टी मैदान में चल रहे डॉ पीसी मिश्रा क्रिकेट टूनार्मेंट में दो मैच खेले गए जिसमे एक लीग मैच व एक क्वाटर फाइनल खेला गया दोनों मैच पीसीएम कोचिंग ने जीते इस टीम के नेपाल से आये बंटी बड़वाल की गेंदबाजी और मध्यप्रदेश के शिवा की बैटिंग रोमांचक रही रविवार को छठवां लीग मैच पीसीएम कोचिंग भगवान पुर टीम और उन्नाव की मौरावां इलेवन टीम के बीच हुआ। टूनार्मेंट के आयोजक अंकुर मिश्रा नीशू ने बताया कि टूनार्मेंट में पीसीएम कोचिंग भगवानपुर की टीम ने नेपाल उत्तराखंड मध्यप्रदेश, राजस्थान के खिलाड़ियों को उतारा और टॉस जीतकर छक्के और चौकों की मदद से निर्धारित 12 ओवरों में 130 का लक्ष्य रखा । लक्ष्य का पीछा करने उतरी मौरावां इलेवन की टीम नेपाल के गेंदबाज बंटी बडवाल के आगे नही टिक सकी और 25 रनों से हार का सामना करना पड़ा जीतकर क्वाटर फाइनल में पहुंची पीसीएम की इस टीम के मध्यप्रदेश से आए खिलाड़ी शिव ने 17 बोल पर 42 रन बनाएं जिन्हें मैंन ऑफ द मैच चुना गया। जिसके बाद दूसरे मैच में क्वाटर फाइनल की शुरूआत हुई जहां पहला क्वाटर फाइनल मैच पीसीएम व द क्लासिक के बीच 15 ओवरों का रोमांचक मुकाबला हुआ टॉस जीतकर बल्लेबाजी करने उतरी पीसीएम की टीम के मध्यप्रदेश के शिवा की दमदार बैटिंग से 137 रनों स्कोर खड़ा हो सका इस लक्ष्य का पीछा करने उतरी द क्लासिक की टीम पीसीएम टीम की फील्डिंग और बंटी की गेंदबाजी के आगे नही टिक सकी और 13 ओवरों में 86 रन बनाकर ऑल आउट हो गई और पीसीएम की टीम सेमीफाइनल में पहुंची इस टीम के मैंन ऑफ द मैच मंडेला को मिला इन्होने 28 रन बनाएं और 4 विकेट झटके। मैच के इस अवसर पर वरिष्ठ सपा नेता अमर पाल सिंह कृष्णनगर के पूर्व पार्षद अंकित मिश्रा गुंजन मिश्रा मोहित मिश्रा विकास सिंह योगेश बाजपेयी अंकुर त्रिवेदी अंकित मिश्रा अंशुल त्रिवेदी पंकज मिश्रा साहित काफी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहें।

मकान मालिक और मजदूरों में मामूली कहासुनी के बाद हाथापाई, धक्कामुक्की,

मजदूर ने पीजीआई कोतवाली पुलिस को तहरीर दी।

अमन लेखनी समाचार

पीजीआई। पीजीआई थाना क्षेत्र के एकता नगर कॉलोनी में छत की ढलाई करने के दौरान मकान मालिक और मजदूरों के बीच मामूली कहासुनी के बाद मारपीट हो गई । मजदूरों ने थाने पहुंचकर मकान मालिक के खिलाफ पुलिस को नामजद तहरीर दी है। बाबू खेड़ा रैदास गांव के रहने वाले शुभम रावत ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि वह अन्य मजदूरों के साथ एकता नजर कॉलोनी में अनिल मिश्रा के मकान में छत ढलाई करवा रहा था। काम के दौरान ही अनिल मिश्रा ने अपने बेटे के साथ मिलकर जाति सूचक गालियां दी, और मारा पीटा। आरोप है कि मकान मालिक ने काम खत्म होने के बाद उन्हें गोली मारने की भी धमकी दी। मजदूरों का कहना है कि जब वह थाने पहुंचे तो मकान मालिक अपने साथियों के साथ थाने भी पहुंच गए, और वहां भी उनके साथ मारपीट की। वहीं स्थानीय लोगों ने बताया कि मजदूरों ने पहले एकजुट होकर मकान मालिक से अभद्रता करते हुए, गाली गलौच की थी, और बाहर निकलने के लिए ललकारा था।और उसके बाहर निकलने पर एकजुट होकर मारा भी था। जमीन पर गिरा दिया था।उनकी पत्नी बीच बचाव करने आईं तो उनसे भी अभद्रता की गई। अनिल मिश्रा को भी चोटें आई हैं। वहीं पीड़ित मकान मालिक अनिल मिश्रा ने बताया कि वह 30 वर्ष सेना में अधिकारी रहे हैं, उन्हें सामाजिक जीवन में कोई सरेआम गाली दे, मारे पीटे तो क्या उनको अपने बचाव का भी अधिकार नहीं है। इंस्पेक्टर पीजीआई धीरेन्द्र सिंह ने बताया कि शुभम रावत की तहरीर मिली है, मुकदमा दर्ज कर समुचित विधिक कार्रवाई की जाएगी।

लखनऊ में 6वीं प्रतिभा खोज प्रदर्शनी का भव्य आयोजन, 94 छात्रों ने दिखाया हुनर

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। एनवायरनमेंट केयरिंग आगेर्नाइजेशन की ओर से आयोजित 6वीं प्रतिभा खोज प्रदर्शनी (टैलेंट सर्च एग्जीबिशन) 2025 का आयोजन 28 दिसंबर को सेक्टर-12 बी, वृंदावन योजना, लखनऊ में किया गया। प्रदर्शनी के संयोजक शुभम आचार्य ने बताया कि इस आयोजन का उद्देश्य छात्रों की वैज्ञानिक सोच, रचनात्मकता और नवाचार को मंच प्रदान करना है, ताकि वे अपने विचारों को मॉडल और शिल्प के माध्यम से समाज के सामने प्रस्तुत कर सकें। उन्होंने बताया कि इससे पहले की पाँच प्रदर्शनियां कोलकाता और लखनऊ में सफलतापूर्वक आयोजित हो चुकी हैं, जिनमें छात्रों की प्रतिभा ने सभी को प्रभावित किया। इस वर्ष की प्रदर्शनी में भी पर्यावरण, विज्ञान और तकनीक से जुड़े अनेक अनोखे मॉडल देखने को मिले। कार्यक्रम में 94 प्रतिभागियों ने भाग लेकर अपने-अपने नवाचार प्रस्तुत किए। निर्णायकों द्वारा दो आयु वर्गों में प्रतिभागियों का मूल्यांकन किया गया। ग्रुप-इ (13-18 वर्ष) में रामा राव (14) को प्रदूषण से लड़ने वाले मॉडल के लिए वर्ष का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन (एठ्ठ३ ड्ढ ३ँ ीं१) चुना गया। वहीं आख्या गुप्ता (13) को हाइड्रोलिक पुल मॉडल पर प्रथम, शौर्य बाजपेयी (14) को श्वसन तंत्र मॉडल पर द्वितीय और अभ्युध शुक्ला (14) को सकुर्लेटरी तंत्र मॉडल पर तृतीय पुरस्कार मिला। ग्रुप-अ (7-12 वर्ष) में राधिका मिश्रा (12) को एयर पॉल्यूशन प्यूरिफायर मॉडल पर प्रथम, विवान गुप्ता (8) को वाटर साइकिल मॉडल पर द्वितीय और भाग्यश्री पांडे (11) को चंद्रयान-3 मॉडल पर तृतीय पुरस्कार प्रदान किया गया। मुख्य अतिथि रुशील आईसीएस अकादमी के मेंटर डॉ. राजेश कुमार तिवारी रहे। निर्णायक मंडल में डॉ. प्रेमलता गुप्ता, श्रीमती लक्ष्मी रानी, श्री शिवांक सिंह और श्रीमती सोनी चौरसिया शामिल रहीं। विशिष्ट अतिथियों में डॉ. संदीप साहू, डॉ. धनेश कुमार, डॉ. बिंदू तिवारी, राष्ट्रीय कवि गिरधर खरे, फैशन डिजाइनर दीपा शर्मा और श्री ए.के. सिंह मौजूद रहे। शीर्ष प्रतिभागियों को ट्रॉफी प्रदान की गई, जबकि अन्य प्रतिभागियों को प्रोत्साहन स्वरूप पदक दिए गए। कुछ ऐसे उत्कृष्ट मॉडल भी रहे जो मामूली अंकों से पुरस्कार से चूक गए, जिनमें ड्रोन, सोलर पैनल, मैकेनिकल हैंड, स्मार्ट पार्किंग और ऑटोमेटिक वाटर टैंकर जैसे नवाचार शामिल थे। कार्यक्रम के सफल आयोजन में प्रितेश शर्मा, ए.के. सिंह, लकी पाल, पूर्णिमा मिश्रा, रुशील तिवारी, टाइगर सिंह, सौविक आचार्य सहित पूरी टीम का योगदान रहा। वृंदावन टेंट हाउस और आद्या स्टेशनरी ने भी सहयोग किया। कार्यक्रम के दौरान सभी प्रतिभागियों के लिए नाश्ते की व्यवस्था की गई। वहीं सिटी मोंटेसरी स्कूल के कक्षा-9 के छात्र आरुष केशरी ने अपने कैमरे से इस आयोजन के यादगार पलों को सहेज कर कार्यक्रम को खास बना दिया।

पार्षद निधि से इंटरलॉकिंग व नाली का किया शिलान्यास

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। सरोजनी नगर सेकंड 18 में शमा विहार कॉलोनी के अंतर्गत मोहम्मद इस्लाम के घर से लेकर मतीन अहमद के घर होते हुए मोहम्मद इश्तियाक के घर तक 50 मीटर लंबी 4 मीटर चौड़ी इंटरलॉकिंग व नाली का नवनिर्माण कार्य का शिलान्यास महापौर सुषमा खर्कवाल व विधायक डा.राजेश्वर सिंह के आशीर्वाद से पार्षद रामनरेश रावत एडवोकेट के द्वारा किया गया

इस कार्यक्रम को पूजा कार्य करवा कर मोहम्मद इस्लाम से नारियल फोड़वाकर तथा जहीर खाँन से फाड़वा मरवा कर कार्य का शिलान्यास कराया गया जिसमें पार्षद रामनरेश रावत तथा उनकी भाजपा पार्टी के कार्यकर्ता लोग तथा शमा विहार कॉलोनी तथा मोहल्ले के समस्त निवासी एवं गणमान्यो की उपस्थिति में किया गया।भाजपा कार्यकर्ता संतोष त्रिपाठी ने बताया की यह शमा विहार कॉलोनी कि यह रोड आजीवन से कच्ची पड़ी हुई थी जोकि यहां के घरों का पानी कच्ची पडी रोडो पर भरता था जिससे लोगो के बच्चों व बुजुर्गों को आने-जाने में काफी परेशानी होती थी लेकिन अब नाली और रोड बन जाने से कॉलोनी निवासियों के लिए आवागमन का रास्ता सुगम हो सकेगा जो कि अब महापौर के आशीर्वाद से पार्षद निधि की धनराशि 5 लाख रुपए की लागत से रोड एवं नाली का नवनिर्माण कार्य होने जा रहा है

आज शमा विहार कॉलोनी व मोहल्ले के लोगों ने पार्षद का फूल और माला पहना कर तथा लड्डू खिलाकर स्वागत किया पार्षद रामनरेश रावत ने इस कार्य का श्रेय महापौर और विधायक डॉ.राजेश्वर सिंह को दिया और कहा कि यह सभी विकास कार्य माननीय लोगों के आशीर्वाद से ही होने जा रहे है भाजपा कार्यकर्ता संतोष त्रिपाठी ने शमा बिहार कॉलोनी के निवासियों एवं मंडल के कार्यकताओं की तरफ से आप सभी का आभार व्यक्त किया है जैसे लखनऊ सांसद राजनाथ सिंह रक्षा मंत्री भारत सरकार,विधायक डॉ.राजेश्वर सिंह, व महापौर सुषमा खर्कवाल,भाजपा नेता नीरज सिंह ,महानगर अध्यक्ष आनंद द्विवेदी, नगर आयुक्त गौरव कुमार तथा पार्षद रामनरेश रावत एडवोकेट के सहयोग तथा आशीर्वाद से इस शमा विहार कॉलोनी मे इंटरलॉकिंग एवं नाली का नवनिर्माण कार्य की सौगात देने के लिए आप सभी को कॉलोनी के समस्त निवासियों की तरफ से बहुत-बहुत धन्यवाद एवं आभार शिलान्यास के कार्यक्रम में फूलचंद गौतम, प्रीतम सिंह, जयराम याद,आलोक श्रीवास्तव, रितेश दुबे, प्रिंस तौहीद, शकील अहमद, मोइन अहमद, असलम भाई आदि शमा विहार कॉलोनी एवं आसपास के भाजपा मंडल कार्यकर्ता के लोग उपस्थित रहे।

यूपी के बिजली उपभोक्ताओं को नए साल का तोहफा, जनवरी महीने के बिल पर 2.33% की मिलेगी छूट

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। प्रदेश के बिजली उपभोक्ताओं को जनवरी के बिल में 2.33 प्रतिशत की छूट मिलेगी। उत्तर प्रदेश पावर कापोरेशन लिमिटेड (यूपीपीसीएल) ने ईंधन अधिभार शुल्क (एफसीए) में छूट का आदेश जारी किया है। इसमें अक्टूबर के ईंधन अधिभार का समायोजन जनवरी में किया जाएगा। इससे उपभोक्ताओं के लिए बिजली एक माह के लिए सस्ती हो जाएगी और उन्हें लगभग 141 करोड़ रुपये का सीधा लाभ होगा। इससे पहले सितंबर का ईंधन अधिभार दिसंबर में 5.56 प्रतिशत की दर से वसूला गया था। जिससे उपभोक्ताओं को लगभग 264 करोड़ रुपये का नुकसान उठाना पड़ा था। उत्तर प्रदेश राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद के अध्यक्ष अवधेश कुमार वर्मा ने बताया कि पहले से ही 33,122 करोड़ रुपये का सरप्लस बिजली कंपनियों के पास जमा है। चालू वित्तीय वर्ष में लगभग 18,592 करोड़ रुपये का सरप्लस और जुड़ने की संभावना है। इस तरह विद्युत उपभोक्ताओं का 51 हजार करोड़ रुपये से अधिक का सरप्लस बिजली कंपनियों पर बना हुआ है। उन्होंने कहा कि जब तक सरप्लस उपलब्ध है, तब तक ईंधन अधिभार शुल्क के नाम पर किसी भी प्रकार की वसूली न की जाए। सरप्लस समाप्त होने या कमी की स्थिति में ही उपभोक्ताओं से ईंधन अधिभार शुल्क वसूला जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि वर्तमान में ट्रांसमिशन डिमांड बेस्ड टैरिफ लागू हो चुका है। प्रदेश में नई बिजली दरों के आदेश भी प्रभावी हैं। आने वाले महीनों में भी ईंधन अधिभार शुल्क में कमी जारी रहने की संभावना है।

यूपी में भयंकर शीतलहर के चलते माध्यमिक स्कूलों का बदला समय

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। अत्यधिक ठंड व शीतलहर को देखते हुए माध्यमिक विद्यालयों का संचालन अब सुबह 10 बजे से तीन बजे तक होगा। माध्यमिक शिक्षा निदेशक डॉ. महेन्द्र देव ने सभी जिला विद्यालय निरीक्षकों को इसका आदेश भेजते हुए कहा कि अपने-अपने जिलों में विद्यालयों का संचालन सुबह 10 बजे से तीन बजे तक ही कराया जाए। अभी तक जिलाधिकारियों के निर्देश पर अलग-अलग जिलों में अलग-अलग समय पर विद्यालय संचालित हो रहे थे। ज्यादातर जिलों में सुबह नौ बजे से विद्यालय चल रहे थे। कुछ जिलों में इससे पहले भी विद्यालय खुल रहे थे। अब सुबह 10 बजे से पहले कोई भी कक्षाएं नहीं चलाने के निर्देश दिए गए हैं।

यूपी में कांग्रेस का संविधान संवाद अभियान, प्रदेश भर में अगले 100 दिनों में करेगी 30 रैलियां

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। राज्य में संगठन को मजबूत करने के लिए कांग्रेस राज्य भर में अगले 100 दिनों में 30 रैलियां करेगी। संविधान संवाद अभियान के तहत वाराणसी, अयोध्या, मथुरा, प्रयागराज, गोरखपुर, चित्रकूट सहित विभिन्न जिलों में आयोजित होने वाली इन रैलियों के जरिए कांग्रेस आम नागरिकों को एसआइआर, मनरेगा व वोट चोरी जैसे मुद्दों को लेकर पार्टी के साथ जोड़ेगी। साथ ही चौपालों व महापंचायतों के सम्मेलन में पार्टी अपनी उपस्थिति दर्ज कराएगी। रविवार को प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में पार्टी के प्रदेश प्रभारी अविनाश पांडेय ने कहा कि कार्यकताओं की मंशा के अनुसार पार्टी 2026 के पंचायत व एमएलसी का चुनाव अपने दम पर लड़ेगी। वर्ष 2027 में होने वाले विधानसभा चुनाव के मद्देनजर पार्टी ने सभी सीटों पर अपनी चुनावी तैयारियां शुरू कर दी हैं। उन्होंने कहा कि आज देश जिन चुनौतियों से गुजर रहा है वह बेहद चिंता का विषय है। वर्तमान में आम जनमानस महंगाई, बेरोजगारी, से जूझ रहा है, किसान बदहाल हो चुके हैं। भाजपा देश में आपसी सौहार्द को बिगाड़ने का प्रयास कर रही है। लोकतंत्र और संविधान को लगातार कमजोर करने के प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि मनरेगा रोजगार की योजना नहीं बल्कि ग्रामीणों का अधिकार है। प्रदेश कांग्रेस प्रभारी ने एसआइआर के नाम पर हो रही वोट चोरी को लोकतंत्र के लिए गंभीर खतरा बताया। कहा कि यह कोई साधारण प्रशासनिक प्रक्रिया नहीं, बल्कि चुनावी व्यवस्था को प्रभावित करने का भाजपा एक सुनियोजित प्रयास है। भाजपा सरकार चुनावी प्रक्रियाओं को नियंत्रित करने की कोशिश कर रही है।

स्थापना दिवस पर कांग्रेस नेताओं ने गांधी को किया याद

कांग्रेस के 140वें स्थापना दिवस पर पार्टी मुख्यालय में आयोजित समारोह में प्रदेश प्रभारी अविनाश पांडेय व प्रदेश अध्यक्ष अजय राय सहित तमाम कांग्रेस नेताओं ने महात्मा गांधी, पूर्व प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू, इंदिरा गांधी व राजीव गांधी को याद किया। कांग्रेस अध्यक्ष ने पार्टी का झंडा फहराया और कांग्रेस नेताओं को शपथ दिलाई। साथ ही पार्टी मुख्यालय में फोटो प्रदर्शनी भी लगाई गई। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि आने वाला वर्ष 2027 कांग्रेस का होगा। राज्य के सह प्रभारी प्रदीप नरवाल ने कहा कि कांग्रेस ने आज तक संविधान और लोकतंत्र को महत्व दिया है।

संक्षेप

युवती हुई लापता पिता ने दर्ज कराया मुकदमा

उन्नाव। मांखी थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी युवती बारह दिन पहले अपने पुरुष मित्र के साथ घर से पचास हजार रुपये की नगदी सहित सोने चांदी के आभूषण लेकर रफूचक्कर हो गयी खोज बीन के बाद भी पता नहीं चला तो पिता ने पुलिस को तहरीर दी पुलिस ने तहरीर के आधार पर दो युवकों के खिलाफ अपहरण का मुकदमा दर्ज कर लिया है और मामले की जांच कर रही है।थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी पिता ने पुलिस को दी गयी तहरीर में आरोप लगाया कि 16 दिसंबर की शाम बीस साल की बेटी अचानक घर से लापता हो गयी और बक्से में रखी 50,000 रुपये की नगदी और सोने चांदी के आभूषण साथ ले गयी खोज बीन के दौरान पता चला कि गांव निवासी शिवा और साहिल भी गायब हैं इस सम्बंध में थाना प्रभारी योगेश कुमार सिंह ने बताया कि पिता की तहरीर पर दो युवकों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है।

बहू ने ससुर को लाठी डंडों से पीटा

बीघापुर, उन्नाव। कोतवाली क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम बैजनाथ खेड़ा पोस्ट अमरपुर आंव निवासी दुर्गा प्रसाद पुत्र स्वर्गीय रामदयाल ने थाने में तहरीर देकर कहा कि मेरी आयु लगभग 80 वर्ष है मैं वृद्ध व्यक्ति हूं मेरी बहू पूर्णांक देवी पत्नी चंद्र प्रकाश मेरी जेब से पैसा निकाल रही थी जब मैने विरोध किया तो मेरी बहू व मेरी नातिन महक देवी ने मुझे लाठी डंडों से मारने लगे जिससे मेरे शरीर में काफी छोटे आई तथा सर फट गया और जान से मार देने की धमकी देने लगी तहरीर के आधार पर पुलिस ने सुसंगत धाराओं में मुकदमा पंजीकृत कर जांच पड़ताल प्रारंभ कर दिया।

मौलाना हसरत मोहानी की मनाई जाएगी 150 वीं जयंती

उन्नाव। स्वतंत्रता सेनानी, प्रखर और महान शायर मौलाना हसरत मोहानी की 150 वीं जयंती (1875-2025) पूरे देश में धूमधाम से मनाई जा रही है।इसी क्रम में मौलाना हसरत मोहानी वेलफेयर अकैडमी उन्नाव द्वारा 1 जनवरी 2026 दिन बृहस्पतिवार को दोपहर 1:00 बजे हसरत मोहानी पुस्तकालय धवन रोड उन्नाव में भी मौलाना हसरत मोहानी साहब की 150वीं जयंती मनाई जाएगी। मौलाना हसरत मोहानी वेलफेयर अकैडमी के मंत्री व पत्रकार अबरार हुसैन ने बताया कि इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उच्च न्यायालय खंडपीठ लखनऊ के वरिष्ठ अधिवक्ता तथा यश भारती सम्मान से सम्मानित प्रमुख समाजसेवी फारूक अहमद एडवोकेट, तथा विशिष्ट अतिथि व वक्ता के रूप में कई प्रमुख हस्तियां मौजूद रहेगी।उन्होंने बताया कि यह अवसर हमें उस व्यक्तित्व को याद करने का मौका देता है जिसने न केवल 'इंकलाब जिंदाबाद' का नारा दिया, बल्कि अपनी शायरी से उर्दू अदब को एक नई दिशा भी दी। बहुत कम लोग जानते हैं कि मशहूर नारा इंकलाब जिंदाबादः सबसे पहले मौलाना हसरत मोहानी ने 1921 में दिया था। उन्होंने ही सबसे पहले कांग्रेस के अधिवेशन में 'पूर्ण स्वराज की मांग उठाई थी, जिसे बाद में भगत सिंह और अन्य क्रांतिकारियों ने अपना मुख्य उद्घोष बनाया।

समाजसेवियों ने श्रद्धा सुमन अर्पित कर महानायक को किया याद

अमन लेखनी समाचार

सुमेरपुर, उन्नाव। बैसवारे के महान सपूत 1857 क्रांति के नायक अमर शहीद राव राम बक्स सिंह के 167वें बलिदान दिवस पर रविवार को बक्सर शहीद स्थल पार्क स्थित प्रतिमा पर स्मारक समिति एवं क्षेत्रीय बैसवारा कल्याण समिति द्वारा आयोजित कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों साहित्यकारों समाजसेवियो ने श्रद्धा सुमन अर्पित कर महानायक को याद किया।राव साहब के 167 वें बलिदान दिवस पर बक्सर स्थित पार्क में राव साहब की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम में आए लोगों को संबोधित करते हुए समिति के वरिष्ठ सदस्य व सपा नेता अंकित सिंह परिहार ने कहा कि बैसवारे के अमर सपूत वीर योद्धा राव साहब ने 1857 में ही स्वतंत्रता की नीव रख दी थी। जिससे आगे चलकर 1947 में देश स्वतंत्र हो सका। बैसवारा की यह वह धरती है जिसकी मिट्टी जिसने भी माथे पर लगा लिया वह कहीं कभी भी परिचय का मोहताज नही हो सकता। हम सभी आज के दिन इस स्थान पर मौजूद होकर राव साहब के व्यक्तित्व कृत्तित्व से प्रेरणा लेते है। समिति के अध्यक्ष मुन्ना सिंह अवधूत ने कहा कि राव साहब बैसवारा ही नहीं पूरे राष्ट्र की अमूल्य धरोहर हैं हमें भी राष्ट्र के लिए कुछ करने के लिए उनसे प्रेरणा लेनी चाहिए। पुष्प फाउंडेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष पुष्पेंद्र सिंह ने कहा कि भारत के स्वतंत्रता आंदोलन में राव साहब का अमिट योगदान है। उन्होंने बक्सर के मैदान में अंग्रेजों के छक्के छुड़ा दिए। राव साहब जैसे राष्ट्र भक्तों के चलते ही हमारा देश स्वतंत्र हो सका।हम सभी को गौरव होना चाहिए कि हम राव साहब के ही वंशज है। उन्होंने जनपद मुख्यालय में राव साहब की भव्य प्रतिमा स्थापित कराने में सहयोग करने की बात कही। कार्यक्रम में पहुंचकर हरिओम सिंह, राज बक्श सिंह, वृजेन्द्र सिंह राजू, योगेंद्र सिंह, पवन पासवान, आशू बाजपेयी आदि ने भी श्रद्धा सुमन अर्पित कर उनके व्यक्तित्व व कृतित्व को याद किया।कार्यक्रम की अध्यक्षता डा. एस. पी. सिंह व संचालन वीर प्रताप सिंह ने किया। इस अवसर पर तेजबहादुर सिंह, मुन्ना सिंह बक्सर, इकबाल सिंह, विश्वनाथ सिंह, अवधेश बाजपेयी, मानवेन्द्र सिंह आदि मौजूद रहे।

दो सदस्यीय टीम ने पीएचसी व सीएचसी का किया निरीक्षण

अमन लेखनी समाचार

सफीपुर, उन्नाव। स्वास्थ्य सेवाओं की हकीकत जानने के लिए मंडल स्तरीय दो सदस्यीय टीम ने रविवार को क्षेत्र की तीन पीएससी और सीएचसी निरीक्षण किया।सकहन राजपूतान गांव में स्थित पीएचसी का मार्ग में धूल उड़ती देख चिंता जताई। वहीं सीएचसी के इमरजेंसी वार्ड में ईसीजी के उपयोग की जानकारी की।टीम में आए डाक्टर अविनाश यादव व अजीत सिंह ने अधीक्षक डाक्टर रामसहोदर के साथ पीएचसी बरी खेड़ा पहुचे जहा डाक्टर जकारिया ने सीबीसी जाच मशीन की आवश्यकता बताई।रूपपुर चंदेला में डाक्टर नंदनी व फार्मेसिस्ट प्रमोद उत्तम मिले जिनसे जानकारी ली गई।उसके बाद टीम सकहन राजपूतान पहुची जहा कच्चा रास्ता देख चिंता जताते हुए कहा कि वर्षा के बाद मरीज कैसे पहुच पाते होंगे अस्पताल में मौजूद डाक्टर रजनी सिंह व डाक्टर रिम्मी के अलावा फार्मेसिट राजकुमार मिले। सीएचसी के निरीक्षण के दौरान डाक्टर बृजेश सिंह से आने वाले मरीजो की संख्या व अधिकांश किस समस्या के मरीजो की संख्या पूछी।अल्ट्रासाऊंड मशीन होने के बावजूद टेक्नीशियन न होने की समस्या बताई गई। एक्सरे टेक्नीशियन अदिति सिंह से आने वाले मरीजो की संख्या पूछी। महिला अस्पताल में डाक्टर ऋचा श्रीवास्तव व नर्स सरिता देवी से प्रसव संख्या पूछ रजिस्टर देखा,प्रसव के बाद भर्ती मरीजो से बात की।इमरजेंसी वार्ड में नर्स सरिता से ई सी जी के संबंध में जानकारी ली।दवा भंडारण में चीफ फार्मेसिस्ट ओमनारायण से निकट एक्सपायरी दवा के संबंध में पूछ अलग बनाई गई रैक देखा इसे रजिस्टर में दर्ज करने के भी निर्देश दिए।

अज्ञात वाहन की टक्कर से ई-रिक्शा चालक की मौत एक घायल

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। कस्बा मौरावां से पुरवा रोड पर शनिवार रात करीब 10 बजे एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। मौरावांझपुरवा मार्ग पर ई-रिक्शा संख्या UPX 35 CT 6196 और एक अज्ञात वाहन के बीच आमने-सामने की जोरदार टक्कर हो गई। हादसे में ई-रिक्शा चालक मनीष कुमार (उम्र लगभग 35 वर्ष), पुत्र मदनलाल, निवासी ग्राम तुषरौर थाना पुरवा जिला उन्नाव की मौके पर ही मौत हो गई।

टक्कर इतनी भीषण थी कि ई-रिक्शा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। ई-रिक्शा में सवार एक अन्य व्यक्ति, जिसका नाम और पता फिलहाल ज्ञात नहीं हो सका है, गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल को तत्काल प्राथमिक उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मौरावां ले जाया गया, जहां से हालत गंभीर होने पर जिला चिकित्सालय उन्नाव रेफर कर दिया गया।

सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। मृतक के परिजन भी घटनास्थल पर मौजूद रहे। पुलिस द्वारा ई-रिक्शा को सड़क से हटवाकर यातायात व्यवस्था को सुचारू कराया गया।

मृतक मनीष कुमार के शव को आवश्यक कानूनी कार्यवाही के लिए मर्चरी उन्नाव भेज दिया गया है।

पुलिस द्वारा घायल अज्ञात व्यक्ति की पहचान कराने का प्रयास किया जा रहा है। घटना के बाद क्षेत्र में शोक का माहौल है। पुलिस के अनुसार मौके पर कानून-व्यवस्था की कोई समस्या नहीं है और स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में है।

स्वास्थ्य विभाग की टीम ने सीएचसी व पीएचसी का किया निरीक्षण

अमन लेखनी समाचार

सुमेरपुर, उन्नाव। जिले स्तर पर विभिन्न स्वास्थ्य केंद्रों में चलाये जा रहे आंतरिक निरीक्षण के तहत राज्य स्तरीय दो सदस्यीय टीम ने तहसील बीघापुर के अस्तपतालो का निरीक्षण कर हकीकत जानी।सुमेरपुर,पाटन व भगवंतनगर में रविवार शुबह आयी दो सदस्यीय टीम में औरैया के डिप्टी सीएमओ अवनीश कुमार डॉ सुनील पाल ने समुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पाटन, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र सुमेरपुर, भगवंतनगर आदि का निरीक्षण कर हकीकत जानी। निरीक्षण दौरान स्टाफ,फार्मासिस्ट,लैब टेक्नीशियन, कर्मचारियो की उपलब्धता , औषधि वितरण कक्ष, कोल्ड चेन,ओपीडी रजिस्टर,लेबर रूम,एनम स्टाफ, क्रियाशील उपकरण आदि का गहन निरीक्षण किया गया। डिप्टी सीएमओ अवनीश कुमार ने बताया स्वास्थ्य विभाग द्वारा चलाये जा रहे इंटरनल मुहिम के तहत क्रॉस चेकिंग कर अस्तपतालो में कमियो आदि को दूर करने की रिपोर्ट बना शासन को प्रेषित की जाएगी। साथ ही गौ-गौरैया संरक्षण समिति कानपुर उत्तर प्रदेश के अध्यक्ष मनीष पाण्डेय ने सुमेरपुर स्वास्थ्य केंद्र पर डिप्टी सीएमओ अवनीश कुमार डॉ सुनील पाल व सुमेरपुर प्रभारी डॉ.नरेंद्र कृष्ण को गौरैया घोसला भेंट कर गौरैया सरंक्षण पर प्रोत्साहित किया।इस दौरान सभी ने अभियान की सराहना कीइस मौके पर राजकुमार,उमेश यादव,गौरव चौधरी,राकेश कुमार ,अनिल दिवाकर,शैलेंद्र सिंह,शशी कांत, सरितां गौतम सहित मेडिकल स्टाफ उपस्थित रहा।

पति-पत्नी के 14 विवादित जोड़े आपसी कलह भुलाकर एक साथ रहने को हुए राजी

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। जय प्रकाश सिंह पुलिस अधीक्षक के कुशल निर्देशन में थानों में स्थित महिला हेल्प डेस्क में पति-पत्नी के विवादित जोड़ों को बुलाया गया। परिवार परामर्शदाताओं एवं महिला हेल्पडेस्क की टीम द्वारा उनकी काउंसलिंग करते हुए उनके बीच उपजे विवाद को खत्म कराया गया तथा परिवार को टूटने से बचाया। तदोपरान्त महिला थाना से 06, थाना कोतवाली सदर, थाना फतेहपुर चौरासी से 02, थाना आसीवन, थाना औरास, थाना बांगरमऊ एवं थाना सोहरामऊ से 01-01 जोड़े को बिना विवाद साथ रहने के वादे के साथ विदा किया गया। उपरोक्त पुनीत कार्य में डा0 आशीष श्रीवास्तव प्रभारी परिवार परामर्श समिति एवं सलाहकारों में शिल्पी श्रीवास्तव, डॉ0 सगीर अहमद, डॉ0 अफसार अली, पुलिस टीम से महिला थाना प्रभारी निरीक्षक रेखा सिंह, प्रभारी निरीक्षक कोतवाली सदर चन्द्रकांत मिश्रा,मिशन शक्ति प्रभी महिला उप निरीक्षक रेखा देवी शिखा दुर्गेश, ज्योति, मीनू,सोनम, पूजा चौधरी श्वेता,शकुंतला, सुहावना का विशेष योगदान रहा।

डायल 112 में तैनात पुलिस कर्मी की मार्ग दुर्घटना में मौत

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। डायल 112 में तैनात मुख्य आरक्षी मुकेश कुमार का शनिवार देर रात एक सड़क दुर्घटना में निधन हो गया। इस घटना से पुलिस विभाग में शोक की लहर दौड़ गई। मुख्य आरक्षी मुकेश कुमार पुत्र बलदेव, जनपद महोबा के थाना चरखारी स्थित रोशनपुरा के निवासी थे। उनका पी.एन.ओ. 112612968 था। जानकारी के अनुसार, मुकेश कुमार अपनी ड्यूटी समाप्त कर वापस लौट रहे थे, तभी मार्ग में वह एक दुर्घटना का शिकार हो गए।इस हादसे में वह गंभीर रूप से घायल हो गए और उपचार के दौरान उनकी मृत्यु हो गई। रविवार को दिवंगत मुख्य आरक्षी का पार्थिव शरीर पुलिस लाइन उन्नाव स्थित शहीद स्मारक स्थल पर लाया गया।यहां उन्हें पूरे राजकीय सम्मान के साथ अंतिम श्रद्धांजलि अर्पित की गई। पुलिस गार्द द्वारा शोक सलामी दी गई, जिसमें जिले के वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों, पुलिसकर्मियों और स्टाफ ने भाग लिया।इस दौरान शहीद स्मारक स्थल पर वातावरण अत्यंत भावुक हो गया और उपस्थित सभी अधिकारियों व कर्मचारियों की आंखें नम थीं। श्रद्धांजलि सभा में पुलिस अधीक्षक उन्नाव जय प्रकाश सिंह, अपर पुलिस अधीक्षक उत्तरी अखिलेश सिंह, अपर पुलिस अधीक्षक दक्षिणी प्रेमचंद, सहायक पुलिस अधीक्षक/क्षेत्राधिकारी नगर दीपक यादव सहित जनपद के सभी क्षेत्राधिकारीगण और बड़ी संख्या में पुलिसकर्मी मौजूद रहे। सभी अधिकारियों ने दिवंगत मुख्य आरक्षी के पार्थिव शरीर पर पुष्पचक्र एवं पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक उन्नाव जय प्रकाश सिंह ने गहरी शोक संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि मुख्य आरक्षी मुकेश कुमार एक कर्तव्यनिष्ठ, अनुशासित और जिम्मेदार पुलिसकर्मी थे। उनकी असमय मृत्यु से जनपद उन्नाव पुलिस परिवार को अपूरणीय क्षति हुई है। उन्होंने यह भी कहा कि इस दुःखद घड़ी में संपूर्ण पुलिस परिवार शोकाकुल परिजनों के साथ खड़ा है और उन्हें हर संभव सहायता प्रदान की जाएगी। श्रद्धांजलि कार्यक्रम के उपरांत दिवंगत मुख्य आरक्षी के पार्थिव शरीर को राजकीय वाहन और सलामी गार्द के साथ उनके निज निवास जनपद महोबा के लिए रवाना किया गया। अंतिम विदाई के समय उपस्थित पुलिसकर्मियों ने नम आंखों से अपने साथी को विदा किया। मुख्य आरक्षी मुकेश कुमार का निधन न केवल उनके परिवार के लिए बल्कि पूरे पुलिस विभाग के लिए एक गहरा आघात है।

पुरानी रंजिश को लेकर युवक को कार से मारी टक्कर हालत गंभीर

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। मौरावां थाना क्षेत्र में दूध के मामूली विवाद ने गंभीर रूप ले लिया। आरोप है कि एक युवक ने पुरानी रंजिश के चलते दूसरे युवक को अपनी गाड़ी से कुचलने का प्रयास किया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। मौरावां थाना क्षेत्र के दगपाल गंज निवासी जमुना देवी ने 27 दिसंबर को पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। उन्होंने बताया कि 18 दिसंबर को सुबह करीब 8:30 बजे उनके पति रामस्वरूप पासी गांव के शनि देव मंदिर पर बैठे थे। तभी कटरा चेतराय निवासी मनीष अपनी इको गाड़ी (वढ35डउ6805) में दूध लेकर आया और मंदिर के पास गाड़ी खड़ी कर गांव में किसी से मिलने चला गया। जब मनीष लौटा, तो रामस्वरूप ने उससे दो पैकेट दूध नगद में देने को कहा। इस पर मनीष ने रामस्वरूप से गाली-गलौज शुरू कर दी और जातिसूचक शब्दों का प्रयोग करते हुए दूध देने से इनकार कर दिया। जब रामस्वरूप ने गाली देने का विरोध किया, तो मनीष ने और तेज गालियां दीं। गांव के श्रीराम पासी ने बीच-बचाव किया, जिसके बाद मनीष जान से मारने की धमकी देते हए चला गया।अगले दिन, 19 दिसंबर को सुबह करीब 9 बजे, रामस्वरूप अपनी बेटी रितु के घर करदहा से लौट रहे थे। जब वह ग्राम लउवा में बाजार के सामने पहुंचे, तो मनीष ने अपनी वही इको गाड़ी तेज और लापरवाही से चलाते हुए उन्हें जान से मारने की नीयत से टक्कर मार दी। इस हमले में रामस्वरूप को गंभीर चोटें आईं और उनकी मोटरसाइकिल भी क्षतिग्रस्त हो गई। उनकी चीख-पुकार सुनकर उसी गांव के काली और जनवारन खेड़ा के सुनील पासी मौके पर पहुंचे। उन्होंने घायल रामस्वरूप को उठाया और मदद की। पुलिस ने जमुना देवी की शिकायत पर मनीष के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है।

बड़ी अकीदत के साथ मनाया गया ख्वाजा गरीब नवाज का कुल शरीफ

अमन लेखनी समाचार

बांगरमऊ, उन्नाव। सूफी संत हजरत ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती रहमतुल्लाह अलैह (ख्वाजा गरीब नवाज) के सालाना उर्स के मौके पर बांगरमऊ नगर और ग्रामीण क्षेत्रों में छठी शरीफ और कुल की रस्म पूरी अकीदत और एहतराम के साथ मनाई गई। इस अवसर पर विभिन्न स्थानों पर महफिल-ए-समा (कव्वाली), कुरान खानी और लंगर का विशेष आयोजन किया गया। अजमेर शरीफ में उर्स की छठी के साथ ही बांगरमऊ के मोहल्ला गुलाम मुस्तफा (गोल कुआँ), मुकरियाना, सय्यदवाड़ा और दरगाह शरीफ जैसे प्रमुख स्थलों पर सुबह से ही जायरीनों का तांता लगा रहा। कार्यक्रम की शुरूआत फज्र की नमाज के बाद कुरान खानी और फातिहा ख्वानी से हुई। दोपहर के समय 'कुल शरीफ' की रस्म अदा की गई, जिसमें उलेमाओं ने ख्वाजा साहब की जीवनी और उनकी शिक्षाओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि गरीब नवाज ने हमेशा आपसी भाईचारे और इंसानियत का संदेश दिया। कुल के दौरान देश में अमन-चैन, खुशहाली और तरक्की के लिए खास दुआएं मांगी गईं। नगर व क्षेत्र में अलग-अलग हुए प्रोग्राम में तकरीरों के साथ ही बेहतरीन कलाम भी ख्वाजा की शान में पेश किए गये। जिससे पूरा माहौल रूहानी हो गया। कार्यक्रम के समापन पर बड़े पैमाने पर लंगर (तबर्रुक) का वितरण किया गया। जिसमें सभी धर्मों और समुदायों के लोगों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। नगर की विभिन्न मस्जिदों और खानकाहों को रोशनी से सजाया गया था, जो आकर्षण का केंद्र बनी रहीं। बांगरमऊ में ख्वाजा साहब का यह पर्व सांप्रदायिक सौहार्द की मिसाल के रूप में संपन्न हुआ। जहां लोगों ने एक साथ मिलकर मानवता के कल्याण की कामना की।

कलाकारों द्वारा आयोजित लीलाओं ने दर्शकों को किया अभिभूत

अमन लेखनी समाचार

सफीपुर, उन्नाव। स्थानीय कस्बे के भगवती चरण वर्मा पार्क में चल रहे रासलीला एवं रामलीला महोत्सव में तीसरे दिन भक्तिमय और सांस्कृतिक वातावरण से दर्शकों को अभिभूत कर दिया।महोत्सव में एसडीएम शिवेंद्र कुमार वर्मा सपत्नी शामिल हुए और सीता राम स्वरूप की आरती उतार कर लोक कल्याण की कामना की।

हर वर्ष की तरह इस बार भी महोत्सव में आसपास गाँवों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु और दर्शक शामिल हो रहे हैं। मंच पर कलाकारों द्वारा प्रस्तुत लीलाओं ने जहां पौराणिक घटनाओं को जीवंत कर दिया, वहीं धार्मिक और नैतिक संदेशों को भी प्रभावी ढंग से लोगों तक पहुँचाया।मंचन में परशुराम-लक्ष्मण संवाद और सीता स्वयंवर की लीला का मंचन किया गया। परशुराम और लक्ष्मण के बीच हुए तीखे संवाद को कलाकारों ने इतनी भावपूर्ण अभिव्यक्ति के साथ प्रस्तुत किया कि दर्शक देर तक तालियाँ बजाते रहे। इस प्रसंग के माध्यम से मर्यादा, शौर्य और धर्मपालन जैसे जीवन मूल्यों को बखूबी उजागर किया गया। इसके बाद स्वयंवर का दृश्य साकार किया गया, जहाँ राम द्वारा शिव धनुष तोड़े जाने के साथ ही राम-सीता के दिव्य मिलन का भावपूर्ण मंचन किया गया।प्रभू श्रीराम के वर माला पहनाते ही पुष्पों की वर्षा की गई।उपस्थित श्रद्धालुओं ने भी प्रभु के जयकारों के साथ आरती में सहभागिता की।

वहीं सुबह की पाली में ह्रराम नाम का मूल्यह्व लीला का मंचन किया गया, जिसका उद्देश्य राम नाम के स्मरण के आध्यात्मिक और नैतिक महत्त्व को समझाना था। कलाकारों ने गीत-संगीत और संवाद के माध्यम से बताया कि किस प्रकार राम नाम का जप व्यक्ति के जीवन में शांति, सदाचार और सकारात्मकता का संचार करता है।

नगर के सामाजिक कार्यकताओं गोल्डी गुप्ता,हरिपाल सिंह,प्रेम नारायण तिवारी,गिरीश शुक्ला,श्यामू गुप्ता, राजा गुप्ता,रामजी गुप्ता, वीरपाल सिंह आदि ने महोत्सव में पहुँचकर पूजन अर्चन कर कलाकारों का उत्साहवर्धन किया।श्रीहित राधा भल्लभ रासलीला मंडल के निदेशक स्वामी त्रिलोक चंद्र शर्मा ने कहा कि महोत्सव का उद्देश्य केवल धार्मिक मनोरंजन नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति और परंपराओं को नई पीढ़ी तक पहुँचाना है। परिवारों के साथ आए दर्शक देर रात तक पार्क में मौजूद रहकर लीलाओं का आनंद लेते रहे।

70 वर्षीय पुराने मंदिर का सर्व सनातन समिति द्वारा कराया जा रहा है जीर्णोद्धार

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। जनपद के तौरा में आज भक्ति और सेवा का अनूठा संगम देखने को मिला। यहाँ स्थित लगभग 70 वर्ष पुराने हनुमान जी के मंदिर के पुनर्निर्माण कार्य में 'सर्व सनातन उत्थान सेवा समिति' के पदाधिकारियों को पूजन और श्रमदान करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। सम्मान और सौहार्द मंदिर निर्माण प्रबंधक और विश्व हिंदू परिषद (अवध प्रांत) के मठ मंदिर प्रमुख रामू द्विवेदी ने समिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष सतीश शुक्ला का पुष्प माला पहनाकर भव्य स्वागत किया। इसके साथ ही 'किसान उत्थान सेवा समिति' के प्रदेश अध्यक्ष अजय पांडे को भी सम्मानित किया गया। प्रमुख हस्तियों की उपस्थिति पुनर्निर्माण के इस पावन अवसर पर क्षेत्रीय दिग्गजों और कार्यकताओं का जमावड़ा रहा, जिनमें मुख्य रूप से नीरज गुप्ता (ब्लॉक प्रमुख, बिछिया) दुर्गेश द्विवेदी (एडवोकेट) राजेंद्र द्विवेदी एवं राजू सिंह भोला सिंह एवं विपिन द्विवेदी ज्ञानी मिस्त्री, राम सुमेर यादव, अलोपी यादव बाबूलाल लोधी, मुकेश शुक्ला और जयशंकर श्रद्धालुओं में मंदिर के जीर्णोद्धार को लेकर भारी उत्साह देखा जा रहा है। समिति के अध्यक्ष सतीश शुक्ला ने इस कार्य को सनातन संस्कृति की मजबूती के लिए एक बड़ा कदम बताया देर रात विधायक अनिल सिंह भी मौके पर पहुंचे और इस ग्राम व समिति के सदस्योंसराहना की तथा हर संभव मदद देने का आश्वासन दिया।

हृदय गति रुकने से युवक की मौत

अमन लेखनी समाचार

बांगरमऊ, उन्नाव। अचानक हालत बिगड़ने पर परिजन एक नौजवान को सरकारी अस्पताल लेकर गए जहां पर उसकी मौत हो गई जिसके बाद शव लेकर घर चले गए।एक नौजवान की मौत को लेकर हृदय गति रुकने से मौत होने की बात कही जा रही है। कहा जा रहा है कस्बा गंजमुरादाबाद निवासी 35 वर्षीय आकिब खा पुत्र शहनाज अली शौच क्रिया करके लौटा तथा अचानक गिर पड़ा जिसके बाद आनन फानन में परिजन उसे लेकर बांगरमऊ अस्पताल पहुंचे जहां पर उसकी मौत हो गई अस्पताल डाक्टरों द्वारा हृदयगति रुकने से मौत होने की बात कही जा रही है।वही एक नौजवान की अचानक मौत होने से लोगो में चचाओं का दौर जारी है।उसकी मौत के बाद परिजन शव लेकर घर चले गए।

140वां मनाया गया राष्ट्रीय कांग्रेस का स्थापना दिवस

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का 140वां स्थापना दिवस आज उन्नाव शहर में उत्साह और संगठनात्मक एकजुटता के साथ मनाया गया। इस अवसर पर शहर कांग्रेस कमेटी ने शहर अध्यक्ष फैज फारूकी के नेतृत्व में हनुमान मंदिर परिसर में फल, बिस्कुट और ब्रेड सहित अन्य खाद्य सामग्री का वितरण किया। कार्यक्रम में कांग्रेस कार्यकताओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। इस दौरान कांग्रेस पार्टी की ऐतिहासिक विरासत को याद किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत मंदिर में पूजा-अर्चना से हुई, जिसके बाद जिला एवं शहर कांग्रेस कार्यालय पर महात्मा गांधी की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धासुमन अर्पित किए गए। शहर अध्यक्ष फैज फारूकी ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का स्थापना दिवस पूरे देश में श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया जा रहा है। उन्होंने महात्मा गांधी के सत्य और अहिंसा के सिद्धांतों पर चलने की प्रेरणा युवाओं को दी। इस अवसर पर कांग्रेस विकलांग प्रकोष्ठ के प्रदेश महासचिव एवं प्रवक्ता तन्मय श्रीवास्तव ने कहा कि भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने देश को आजादी दिलाने में निर्णायक भूमिका निभाई है। उन्होंने महात्मा गांधी, पंडित जवाहरलाल नेहरू, सुभाषचंद्र बोस, सरदार वल्लभभाई पटेल, मौलाना अबुल कलाम आजाद और लालबहादुर शास्त्री जैसे महापुरुषों के नेतृत्व में कांग्रेस के संघर्ष को याद किया। श्री श्रीवास्तव ने आगे कहा कि कांग्रेस ने अन्याय, अत्याचार, दमन और हिंसा के विरुद्ध सत्य, अहिंसा, प्रेम और भाईचारे को अपना सबसे बड़ा हथियार बनाया। उन्होंने लोकतंत्र, समानता, सामाजिक न्याय और राष्ट्रीय एकता के लिए पार्टी के निरंतर संघर्ष पर जोर दिया। उन्होंने ऐसी गौरवशाली पार्टी का हिस्सा होने पर गर्व व्यक्त किया और सभी देशवासियों को स्थापना दिवस की शुभकामनाएं दीं। श्रीवास्तव ने आगे कहा कि कांग्रेस ने अन्याय, अत्याचार, दमन और हिंसा के विरुद्ध सत्य, अहिंसा, प्रेम और भाईचारे को अपना सबसे बड़ा हथियार बनाया। उन्होंने लोकतंत्र, समानता, सामाजिक न्याय और राष्ट्रीय एकता के लिए पार्टी के निरंतर संघर्ष पर जोर दिया। उन्होंने ऐसी गौरवशाली पार्टी का हिस्सा होने पर गर्व व्यक्त किया और सभी देशवासियों को स्थापना दिवस की शुभकामनाएं दीं। श्रीवास्तव सहित कई कांग्रेस पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

सम्पादकीय

रहमान की बांग्लादेश वापसी भारत के लिए मिश्रित संकेत

बांग्लादेश की सबसे मजबूत राजनीतिक पार्टी बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) के कार्यवाहक अध्यक्ष एवं पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया के बेटे तारिक रहमान आखिरकार 17 साल के वनवास के बाद स्वदेश लौट आए हैं। उनका लौटना सीधे राजनीति में उनकी वापसी के तौर पर देखा जा रहा है। रहमान 12 फरवरी को बांग्लादेश में होने वाले आम चुनावों में भाग लेंगे। उन्हें बीएनपी में पीएम पद का दावेदार भी माना जा रहा है। बता दें कि रहमान की बांग्लादेश वापसी भारत के लिए एक मिश्रित संकेत माना जा रहा है। एक ओर, उनकी वापसी से बांग्लादेश में लोकतांत्रिक प्रक्रिया को मजबूती मिल सकती है, जो भारत के हित में होगी, क्योंकि उन्होंने वतन लौटते ही कहा कि उनकी विदेश नीति बांग्लादेश के हितों को प्राथमिकता देगी, जो भारत के साथ संबंधों में एक सकारात्मक संकेत हो सकता है। हालांकि संकेत यह भी मिल रहे हैं कि रहमान की वापसी से कट्टरपंथी जमात-ए-इस्लामी के प्रभाव में वृद्धि हो सकती है, जो भारत के लिए बड़ी चुनौती बन सकती है। जमात-ए-इस्लामी के साथ रहमान के गठबंधन से भारत-बांग्लादेश संबंधों में तनाव और बढ़ सकता है। बांग्लादेश में राजनीतिक अस्थिरता बढ़ सकती है, जो भारत के लिए एक गंभीर चिंता का विषय है। हालांकि क्या होगा, यह सब तो फिलहाल भविष्य के गर्भ में है, लेकिन भारत को हर हाल में चौकन्ना रहना होगा और पड़ोसी देश में हो रही हलचलों पर कड़ी नजर रखनी होगी। बता दें कि 2008 में जब रहमान पर भ्रष्टाचार और अन्य आरोप लगे, तो वह लंदन चले गए थे। शेख हसीना सरकार गिरने के बाद अदालतों ने उन्हें बरी कर दिया, जिससे उनकी वापसी का रास्ता साफ हुआ है। इसे भारत के नजरिये से देखें तो बांग्लादेश की सत्ता से शेख हसीना के हटने के बाद अंतरिम सरकार के प्रमुख मुहम्मद यूनुस के कार्यकाल में भारत-बांग्लादेश संबंधों में तनाव बढ़ा है। यूनुस सरकार ने पाकिस्तान से नजदीकियां बढ़ाई हैं, जबकि भारत से दूरी बनाई है। अल्पसंख्यकों, खासकर हिंदुओं पर हमले बढ़े हैं और कट्टरपंथी ताकतें मजबूत हुई हैं। रहमान ने पहले भारत-विरोधी बयान दिए हैं, लेकिन हाल के संकेत सकारात्मक हैं। उन्होंने कहा है, न दिल्ली, न इस्लामाबाद, बांग्लादेश पहले। भारत ने बीएनपी नेतृत्व से बातचीत की है और रहमान की मां खालिदा जिया की बीमारी पर सहानुभूति जताई है। भारत ने उनके इलाज की भी पेशकश की थी। कयास लगाए जा रहे हैं कि बीएनपी सत्ता में आई तो भारत के साथ संतुलित संबंध रखेगी, क्योंकि उनके भाषण में पाकिस्तान से भी दूरी बनाए रखने के संकेत मिल रहे हैं। वहीं, भारत भी चाहता है कि बांग्लादेश में स्थिर और लोकतांत्रिक सरकार आए, जो क्षेत्रीय सुरक्षा और व्यापार के लिए फायदेमंद हो। बीएनपी की जीत से विदेश नीति में बदलाव आ सकता है, जो भारत के हित में होगा। भारत शांतिपूर्ण चुनाव और स्थिर पड़ोसी की उम्मीद कर रहा है। आगे के दिन बांग्लादेश की दिशा तय करेंगे। इस समय परिस्थिति ऐसी है कि भले बीएनपी के भारत के साथ तनावपूर्ण संबंध रहे हों, लेकिन मौजूदा वक्त में बीएनपी को ही भारत अधिक उदार और लोकतांत्रिक विकल्प के रूप में देख रहा है। अवामी लीग का पत्ता पहले ही काटा जा चुका है और ऐसे में भारत को उम्मीद होगी कि रहमान की वापसी से बीएनपी कार्यकर्ताओं में जोश आएगा और पार्टी अगली सरकार बनाएगी। यहां भारत के लिए स्थिति ऐसी है कि उसे दो बुरे में से एक कम बुरा चुनना होगा।

एफटीए
प्रमोद भार्गव

न्यूजीलैंड से निर्यात पर भारत की दृढ़ता

विश्व कारोबार पटल पर भारत की महत्ता की स्वीकार्यता लगातार बढ़ती दिखाई दे रही है। भारत ने न्यूजीलैंड के साथ मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) में किसान हितों का पूरा ख्याल रखते हुए इस समझौते को अंतिम रूप दिया है। दरअसल भारत में किसान और दुग्ध उत्पादक ग्वालों की प्रकृति पर निर्भरता होने के कारण आर्थिक स्थिति अपेक्षाकृत कमजोर है। अतएव अमेरिका हो या न्यूजीलैंड यदि उनके सस्ते उत्पादों को भारत में बेचने की अनुमति मिल जाती है तो इन लोगों को रोटियों के लाले पड़ सकते हैं ? भारत इन उत्पादों की बजाय न्यूजीलैंड से सेब, कीवी, शहद और वाइन आयात करेगा। इनके आयात में टैरिफ में भी बड़ी राहत दी गई है।

विश्व कारोबार पटल पर भारत की महत्ता की स्वीकार्यता लगातार बढ़ती दिखाई दे रही है। भारत ने न्यूजीलैंड के साथ मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) में किसान हितों का पूरा ख्याल रखते हुए इस समझौते को अंतिम रूप दिया है। याद रहे अमेरिकी कृषि उत्पाद निर्यात पर भारत ने दो टूक मना कर दी थी। इस कारण राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की नाराजगी का भारत ने बढ़ाए गए टैरिफ के रूप में सामना किया। इसकी भरपाई के लिए धैर्य से काम लेते हुए ब्रिटेन, ओमान और अब न्यूजीलैंड से अपनी शर्तों पर एफटीए करके किसान हितों को साधते हुए उल्लेखनीय समझौते कर लिए। इसी माह दिसंबर 2025 में भारत ने ओमान के साथ कॉम्प्रेहेन्सिव इकोनॉमिक पार्टनरशिप एग्रीमेंट (सीपा) किया था और अब भारत की न्यूजीलैंड से चली 9 माह की वार्ता में न्यूजीलैंड से इस बात पर सहमति हो गई कि इस समझौते में कृषि और डेयरी उत्पादों को पूरी तरह बाहर रखा जाएगा। यह उपलब्धि इसलिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि भारत से 5000 अभियंता न्यूजीलैंड काम करने के लिए जाते हैं। बावजूद यह समझौता शून्य टैरिफ पर होना भारत के दोनों हाथों में लड्डू होने जैसा है।

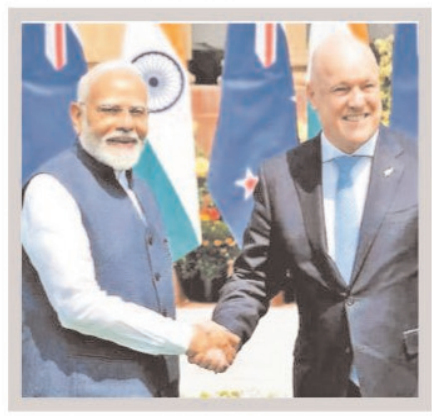

इस समझौते से अमेरिका को इसलिए भी झटका लगा है, क्योंकि पांच साल पहले एशिया-प्रशांत व्यापार क्षेत्र के रूप में उभर रहे 15 देशों के व्यापार पटल आरईसीपी (रिजनल कॉम्प्रेहेन्सिव इकोनॉमिक पार्टनरशिप) का सदस्य बनने से भारत ने इनकार कर दिया था। इसका मुख्य कारण था कि न्यूजीलैंड के सस्ते दूध और कृषि उत्पादों का भारत में निर्यात रोकना। अब भारत ने न्यूजीलैंड से स्वतंत्र रूप में समझौता करके किसान हितों को साध लिया है। दरअसल भारत में किसान और दुग्ध उत्पादक ग्वालों की प्रकृति पर निर्भरता होने के कारण आर्थिक स्थिति अपेक्षाकृत कमजोर है। अतएव अमेरिका हो या न्यूजीलैंड यदि उनके सस्ते उत्पादों को भारत में बेचने की अनुमति मिल जाती है तो इन लोगों को रोटियों के लाले पड़ सकते हैं ? भारत इन उत्पादों की बजाय न्यूजीलैंड से सेब, कीवी, शहद और वाइन आयात करेगा। इनके आयात में टैरिफ में भी बड़ी राहत दी गई है। साथ ही न्यूजीलैंड सेब, कीवी और डेयरी क्षेत्र में भारतीय उत्पादकता को बढ़ाने में अपनी तकनीकि मदद भी देगा। अतएव यह समझौता पूर्ण रूप से भारतीय हितों को साधने वाला है। वे भारतीय ऋषि ही थे, जिन्होंने सबसे पहले जाना था कि गाय के दूध में ऐसे पोषक तत्व हैं, जो शरीर और दिमाग दोनों को ही स्वस्थ रखते हैं। यह दूध ही है, जिससे दही, मठा, मक्खन और घी जैसे सह-उत्पाद निकलते हैं। ये उत्पाद मिठाई की दुकानों से लेकर डेयरी उद्योग के जरिए करोड़ों लोगों के रोजगार का मजबूत माध्यम बने हुए हैं। लंबे समय तक गाय से पैदा बैल पर ही भारतीय कृषि निर्भर रही है। इसी कृषि की जीडीपी में 24 प्रतिशत की भागीदारी है। भारतीय दुग्ध उत्पादन से लेकर दूध पीने में दुनिया में पहले स्थान पर हैं। इसी दूध पर कब्जे के लिए अमेरिका अपने यहां उत्पादित मांसाहारी दूध बेचना चाहता है। अन्य यूरोपीय देशों की निगाह भी इस दूध के व्यापार पर टिकी रही है, जिनमें से एक न्यूजीलैंड भी रहा है। अमेरिका और भारत के बीच 500 बिलियन डॉलर के व्यापार समझौते की बात चली थी। इस समझौते की सूची में अमेरिकन मांसाहारी दूध के उत्पाद शामिल थे। भारत

सरकार ने इस बाबत दो टूक कह दिया था कि अमेरिकी दुग्ध उत्पादों को भारतीय बाजार का हिस्सा नहीं बनाया जा सकता है। यह हमारे दुग्ध उत्पादक किसानों की आजीविका और उनकी संस्कृति की सुरक्षा से जुड़ा बड़ा प्रश्न है, जो स्वीकार योग्य नहीं है। इस मनाही के बाद अमेरिका ने भारत पर अनर्गल टैरिफ संबंधी शर्तें थोपना शुरू कर दी थीं। भारत में 13 जनवरी 1970 को फ्लड ऑपरेशन के साथ दूध का उत्पादन शुरू हुआ था। इसे ही श्वेत क्रांति का नाम दिया गया। यह केवल भारत में ही नहीं विश्व में सबसे बड़े ग्रामीण कार्यक्रमों में से एक है। इसी की बदौलत भारतीय डेयरी उद्योग का चेहरा बदला और लाखों दुग्ध उत्पादक किसानों की आर्थिकी में क्रांतिकारी बदलाव आया। दरअसल, फिरंगी हुकूमत के दौरान पोल्सन नाम की ब्रिटिश कंपनी का इस क्षेत्र का दूध खरीदने पर एकाधिकार था। कंपनी दुग्ध उत्पादकों का लगातार शोषण कर रही थी। इस शोषण की शिकायत किसानों ने सरदार पटेल से की। पटेल गोधन, गोरस और गोदान की हिंदू जीवन शैली के अनुयायी थे। पटेल शोषण की जानकारी से बेचैन हुए और लौहपुरुष के अवतार में आ गए, उन्होंने तत्काल कंपनी को दूध बेचने से मना कर दिया। उनका मानना था कि जब कंपनी को दूध मिलेगा ही नहीं, तो उसे किसानों की शर्तें मानने को मजबूर होना पड़ेगा। साथ ही पटेल ने सभी किसानों को मिलकर सहकारी संस्था बनाकर स्वयं दूध और दूध के उत्पाद बेचने की सलाह दी। पटेल के इस सुझाव से किसान सहमत हो गए और अंग्रेजों को दूध न देने की चुनौती दे दी। बाद में 1946 में पटेल ने अपने भरोसे के साथ ही मोरारजी देसाई और त्रिभुवन दास पटेल की सहायता से भारत की पहली दुग्ध सहकारी संस्था की स्थापना की, इसे ही बाद में जिला सहकारी दुग्ध उत्पादन संघ के नाम से जाना गया। 250 लीटर दूध का प्रतिदिन कारोबार करने वाली इसी संस्था को आज विश्वव्यापी संस्था 'अमूल' के नाम से जाना जाता है।

दूध का 30 फीसदी कारोबार संगठित ढांचा, मसलन डेयरियों के माध्यम से होता है। देश में दूध उत्पादन में 96 हजार सहकारी संस्थाएं जुड़ी हैं। 14 राज्यों की अपनी दुग्ध सहकारी संस्थाएं हैं। देश में कुल कृषि खाद्य उत्पादों व दूध से जुड़ी प्रसंस्करण सुविधाएं महज दो फीसदी हैं, किंतु वह दूध ही है, जिसका सबसे ज्यादा प्रसंस्करण करके दही, मठा, घी, मक्खन, मावा, पनीर आदि बनाए जाते हैं। इस कारोबार की सबसे बड़ी खूबी यह है कि इससे आठ करोड़ से भी ज्यादा लोगों की आजीविका जुड़ी है। करीब 1.5 करोड़ परिवार ही सहकारी दुग्ध उत्पादकता से जुड़े हैं, जबकि 6.5 करोड़ ग्रामीण परिवार आज भी सहकारिता के दायरे से वंचित हैं। दूध उत्पादन में ग्रामीण महिलाओं की अहम भूमिका रहती है। रोजाना दो लाख से भी अधिक गांवों से दूध एकत्रित करके डेयरियों में पहुंचाया जाता है। बड़े पैमाने पर ग्रामीण सीधे शहरी एवं कस्बाई ग्राहकों तक भी दूध बेचने का काम करते हैं। इसी दूध के बाजार पर अमेरिका समेत अनेक दुग्ध उत्पादक पश्चिमी देशों की निगाहें टिकी रहती हैं। हालांकि अब दुग्ध उत्पादकों की आर्थिक स्थिति को मजबूत बनाए रखने के लिए केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कुछ माह पहले ही दस हजार नई कृषि सहकारी समितियों को हरी झंडी दिखाई है। अगले पांच साल में इनकी संख्या दो लाख तक पहुंचाने की है। इन्हीं सहकारी संस्थाओं के जरिए कृषि और दुग्ध उत्पादों को भारत से लेकर एशिया और यूरोप तक बाजार में पहुंचाने की तैयारी है। ऐसे में यदि अमेरिकी या अन्य देशों के लिए दुग्ध उत्पाद बेचने के लिए भारतीय बाजार खोल दिए जाते तो इन समितियों की मुश्किलें तो बढ़ती हीं, दुग्ध उत्पादक आठ करोड़ लोगों की आजीविका पर भी संकट के बादल गहरा जाते।

दिव्य कला मेला
विवेक शुक्ला

दिव्यांगजनों की प्रतिभा व रचनात्मकता का उत्सव

नेताजी सुभाषचंद्र बोस की इंडिया गेट पर जहां आदमकद मूर्ति स्थापित है, उसके आसपास बीते दिनों रोज हजारों लोग पहुंच रहे थे। ये सब नेताजी की मूर्ति को नमन करने के बाद दिव्यांगजनों की प्रति[illegible] हो रहे थे। मौका था दिव्[illegible] के सभी राज्यों में आये[illegible] और उद्यमियों के स्टॉल लगे, जहां वे हस्तशिल्प, चित्रकला, ज्वेलरी, खाद्य उत्पाद और अन्य हस्तनिर्मित वस्तुओं का प्रदर्शन कर रहे थे। यह मेला दिव्यांगों की क्षमताओं को मुख्यधारा में लाने का एक महत्वपूर्ण प्रयास है। ऐसे मेलों का आयोजन न केवल दिव्यांगजनों को आर्थिक अवसर प्रदान करता है, बल्कि समाज में समावेशिता की भावना को मजबूत करता है। इसके साथ ही, अपने पास ही नेताजी सुभाष चंद्र बोस की मूर्ति को देखकर इनमें जोश आता, अवरोधों को पार करने का। दिव्य कला मेला जैसे आयोजनों के लाभ बहुआयामी हैं। सबसे पहले, ये आर्थिक सशक्तिकरण के सशक्त माध्यम हैं। भारत में करोड़ों दिव्यांगजन हैं, जिनमें से कई ग्रामीण क्षेत्रों से आते हैं और रोजगार के अवसरों से वंचित रहते हैं। ऐसे मेलों में स्टॉल लगाने का अवसर मिलने से वे अपने उत्पादों को सीधे उपभोक्ताओं तक पहुंचा सकते हैं।

उदाहरण के लिए, इस वर्ष के मेले में 28वें संस्करण में सैकड़ों दिव्यांग उद्यमी भाग लेने आए, जो अपने हस्तशिल्प को बेचकर आय अर्जित कर रहे हैं। यह न केवल उनकी आर्थिक स्वतंत्रता बढ़ाता है, बल्कि उन्हें बाजार की समझ भी देता है। सरकार द्वारा प्रदान की जाने वाली सहायता, जैसे यात्रा भत्ता और स्टॉल की सुविधा, इन व्यक्तियों को बिना किसी अतिरिक्त बोझ के भाग लेने की अनुमति देती है। इन्हें रहने के लिए प्रतिदिन 2200 रुपये मिले। परिणामस्वरूप, कई दिव्यांगजन छोटे व्यवसाय स्थापित कर आत्मनिर्भर बनते हैं, जो गरीबी उन्मूलन में योगदान देता है। दूसरा प्रमुख लाभ सामाजिक समावेशिता का है। समाज में दिव्यांगजनों के प्रति अक्सर पूर्वाग्रह और दया की भावना रहती है, लेकिन ऐसे मेलों से यह धारणा बदलती है। मेले में एक 'एक्सेसिबिलिटी सिमुलेशन जोन' जैसी सुविधाएं हैं, जहां सामान्य लोग दिव्यांगता की चुनौतियों का अनुभव कर सकते हैं। इससे सहानुभूति और समझ बढ़ती है, जो एक समावेशी समाज की नींव रखती है। दिल्ली जैसे महानगर में इंडिया गेट पर आयोजित होने से यह मेला बहुत बड़ी संख्या में पर्यटकों और स्थानीय निवासियों को आकर्षित करता रहा, जो दिव्यांग कलाकारों की प्रतिभा को देखकर प्रेरित हुए। इससे दिव्यांगजन मुख्यधारा में शामिल महसूस करते हैं और उनका आत्मविश्वास बढ़ता है। ऐसे आयोजन विकलांगता के प्रति जागरूकता फैलाते हैं, जो शिक्षा और रोजगार नीतियों में सुधार लाते हैं। उदाहरणस्वरूप, देश में पिछले दशक में दिव्यांगजनों के लिए आरक्षण और योजनाएं बढ़ी हैं, और मेलों जैसे प्लेटफॉर्म इन योजनाओं का प्रचार करते हैं। दिव्य कला मेला में प्रदर्शित उत्पाद भारतीय संस्कृति की विविधता को भी दर्शाते हैं, राजस्थानी हस्तकला से लेकर पूर्वोत्तर के बांस उत्पाद तक। यह न केवल सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करता है, बल्कि दिव्यांग कलाकारों को अपनी कला को वैश्विक स्तर पर ले जाने का मौका देता है। मेले में सांस्कृतिक कार्यक्रम, नृत्य और संगीत प्रदर्शन होते रहे, जो दिव्यांगजनों की बहुमुखी प्रतिभा को उजागर करते हैं। इससे युवा पीढ़ी प्रेरित होती है और दिव्यांग बच्चे अपने सपनों को साकार करने के लिए उत्साहित होते हैं। पर्यावरणीय दृष्टि से भी ये मेला लाभदायक है, क्योंकि कई उत्पाद पर्यावरण-अनुकूल सामग्रियों से बने होते हैं, जो सतत विकास को बढ़ावा देते हैं। कुल मिलाकर, ऐसे मेलों से समाज का सामूहिक विकास होता है, जहां हर व्यक्ति की क्षमता का सम्मान किया जाता है।

यह मेला सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय के दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग द्वारा आयोजित किया जा रहा है, जो दिव्यांगों की क्षमताओं को मुख्यधारा में लाने का एक महत्वपूर्ण प्रयास है।

पसंद और नापसंद से मुक्त होना जरूरी

संकलित
दर्शन

आपने देखा होगा कि लोग बड़े गर्व से अक्सर कहते हैं, 'मुझे यह पसंद है, इसलिए मैं यह करके रहूंगा और वह मुझे पसंद नहीं है, इसलिए उसे मैं बिल्कुल नहीं करूंगा, क्योंकि मैं स्वाधीन हूं।' क्या आपने कभी ध्यान दिया है कि यह सोच सचमुच आपकी स्वाधीनता से जन्मा है? यह स्वाधीनता नहीं है, यह तो बेबसी है, लाचारी है। पसंद और नापसंद की बेड़ियों में आज लगभग पूरी मानवता जकड़ी हुई है। सभी पारिवारिक झगड़ों की जड़ में लोगों की व्यक्तिगत पसंद और नापसंद ही होती हैं। पसंद और नापसंद को लेकर समाज, राष्ट्र और धर्म तक बंटे हुए हैं। जब हमारे सोच का दायरा बहुत सीमित होता है, हम कई तरह के पूर्वाग्रहों से ग्रस्त हो जाते हैं, फिर हम पर पसंद और नापसंद की सनक सवार हो जाती है। तब हम उसे नहीं देख पाते, जिसकी जरूरत है। हम वही करते हैं, जिसे हम पसंद करते हैं। वह नहीं करते, जिसे किए जाने की आवश्यकता है। फिर शुरू होता है अविराम झंझटों व विवादों का सिलसिला और उसी में उलझकर रह जाता है हमारा लघु-जीवन। योग परंपरा में भीतरी आयाम को बहुत गहराई से देखा गया और भीतरी पराधीनता से मुक्त होने की कई तकनीकों का आविष्कार किया गया, क्योंकि जो भीतरी पराधीनता का शिकार नहीं है, उसे कोई बाहरी शक्ति उस पर नियंत्रण नहीं कर सकती। पसंद और नापसंद की सनक से मुक्त होने के लिए हमें अपनी चेतना पर काम करना होगा। एक जागरूक व्यक्ति ही यह देख पाने में सक्षम होता है कि किसी विशेष परिस्थिति में क्या आवश्यक है और क्या किया जाना चाहिए।

गुरु की कृपा से असंभव काम पूरे हो पाते हैं

संकलित
प्रेरणा

महाभारत और श्रीमद् भागवद् कथा के रचियता महर्षि वेदव्यास भगवान विष्णु के अवतार माने गए हैं। इनका पूरा नाम कृष्णद्वैपायन था। इन्होंने ही वेदों का संपादन किया। इसलिए इनका नाम वेदव्यास पड़ा। इनके पिता महर्षि पाराशर और माता सत्यवती थीं। पैल, जैमिन, वैशम्पायन, सुमन्तु मुनि, रोमहर्षण आदि महर्षि वेदव्यास के महान शिष्य थे। एक बार महर्षि वेदव्यास हस्तिनापुर गए। उस समय गांधारी और धृतराष्ट्र ने उनकी बहुत सेवा की थी। उनकी सेवा से प्रसन्न होकर महर्षि ने सौ पुत्रों की माता होने का वरदान गांधारी को दिया था। कुछ समय बाद जब गांधारी गर्भवती हुईं। जब संतान के जन्म का समय आया तो संतान की जगह एक मांस पिंड प्रकट हुआ। जब ये बात वेदव्यास जी को मालूम हुई तो वे तुरंत गांधारी के पास पहुंचे। वेद व्यास जी ने अपनी विद्या से उस मांस पिंड से सौ पुत्र बना दिए। गुरु की कृपा से गांधारी सौ पुत्रों की माता बन गई। महर्षि के आशीर्वाद से ही गांधारी को सौ पुत्र हुए जो आगे जाकर कौरव कहलाए। जिनके सेनापति दुर्याधन हुए। महाभारत के युद्ध में दुर्याधन ने ही कौरव सेना की कमान संभाली थी। गुरु की कृपा हो जाती है तो असंभव काम भी पूरा हो जाता है। इसी लिए हम गुरु की आराधना सच्चे मन से करनी चाहिए ताकि उसका फल हमें मिले। कहा गया है की बिना गुरु ज्ञान अधूरा है। गुरु ही हमारा विपत्ति के समय मार्ग दर्शन करते हैं।

क्रिसमस सेलिब्रेशन

शिमला में गुरुवार को क्रिसमस सेलिब्रेशन के दौरान सांता क्लॉज की ड्रेस में एक बच्चा फोटो के लिए पोज दे हुए।

आज की पाती

उचित जीवनशैली बचाएगी कैंसर से

राष्ट्रीय कैंसर जागरूकता दिवस पहली बार यह दिवस वर्ष 2014 में मनाया गया था। कहा जाता है कि यह नोबेल पुरस्कार विजेता वैज्ञानिक मैरी क्यूरी के जन्मदिन के दिन मनाया जाता है। मैरी क्यूरी को भौतिक विज्ञान के क्षेत्र में भी नोबेल पुरस्कार दिया गया था, यह रेडियो एक्टिविटी की खोज करने के कारण भी प्रसिद्ध थी। इस दिवस के मनाए जाने का मुख्य कारण लोगों को कैंसर से बचने के तौर तरीकों के प्रति जागरूक करना भी है। दुनिया में ही नहीं, बल्कि हमारे देश में भी इसके मरीजों की संख्या बढ़ी है। यह ऐसी बीमारी है जिसके बारे में लोगों को तब पता चलता है जब यह व्यक्ति को मौत के करीब ले आती है। बहरहाल, उचित जीवनशैली को अपनाकर हम कैंसर से बच सकते हैं। *– प्रकाश ठाकुर, बिलासपुर*

ट्रेंड

गगनयान मिशन

भारत के युवाओं की बदौलत हमारा अंतरिक्ष कार्यक्रम अधिक उन्नत और प्रभावशाली होता जा रहा है। एलवीएम3 की विश्वसनीय भारी भार वहन क्षमता के साथ, हम गगनयान जैसे भविष्य के मिशनों की नींव मजबूत कर रहे हैं।
- नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

सांस्कृतिक परियोजना

महापुरुष श्रीमंत शंकरदेव के जीवन से जुड़ी बटद्रवा सत्र की भूमि को असम सरकार ने अतिक्रमणमुक्त किया। वहां एक सांस्कृतिक परियोजना को साकार रूप दिया है, जहां सनातन परंपरा और असम की समृद्ध संस्कृति को सुंदर रूप में प्रदर्शित किया है।
- हिमंता बिस्वा सरमा, सीएम, असम

नए कॉरिडोर मंजूर

दिल्ली के लिए दीर्घकालिक समाधानों पर स्पष्ट ध्यान केंद्रित करते हुए एक नया मार्ग प्रशस्त किया गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में, केंद्रीय मंत्रिमंडल ने दिल्ली मेट्रो के चरण-5 (ए) के तहत तीन नए कॉरिडोर को मंजूरी दी है।
- रेखा गुप्ता, सीएम, नई दिल्ली

उपेक्षा से तिरस्कार तक

भाजपा राज में 'बाटी-चोखा' भी नहीं केवल 'माटी-धोखा' खाने को मिलता है। अब बात 'हाता नहीं भाता' से बहुत आगे निकल गयी है। जब बात उपेक्षा से तिरस्कार तक पहुँच जाती है तो कोई भी समाज सह नहीं पाता है।
- अखिलेश यादव, सांसद, सपा

करंट अफेयर

वर्ष 2025 में संयुक्त राष्ट्र 80 वर्ष का हुआ

दुनिया के कई इलाकों में जारी संघर्षों, वित्तीय संकट और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की आलोचना के बीच, संयुक्त राष्ट्र ने 2025 में अपनी 80वीं वर्षगांठ मनाई, जबकि भारत ने विश्व निकाय से ''नेतृत्व और आशा'' पर ध्यान केंद्रित करने का आग्रह किया और एक बड़ी भूमिका निभाने की इच्छा व्यक्त की। यूक्रेन और गाजा में संघर्ष, सूडान से लेकर म्यांमा तक दुनिया भर के कई अन्य हिस्सों में युद्ध की स्थिति ने 2025 में भी वैश्विक चुनौतियों से निपटने में संयुक्त राष्ट्र और उसकी शक्तिशाली, लेकिन ध्रुवीकृत, सुरक्षा परिषद की अक्षमता को उजागर किया।

ऑफ बीट

आम पकने के पहले ही क्यों गिर जाते हैं ?

ऑस्ट्रेलिया में हर मौसम में आम उत्पादकों को उस समय भारी नुकसान होता है, जब पेड़ों से बड़ी संख्या में फल पकने से पहले ही गिर जाते हैं। शोध में वैज्ञानिकों ने पाया है कि तनाव के दौरान पेड़ों में हार्मोनल असंतुलन और कार्बोहाइड्रेट की कमी पैदा हो जाती है। फल के विकास के लिए आवश्यक शर्करा की आपूर्ति बाधित होने पर पेड़ अपने अस्तित्व को प्राथमिकता देता है और फल गिर जाता है। शोधकर्ताओं ने इसे एक आणविक किवट सिग्नल बताया है, जो पेड़ को फल का साथ छोड़ने का संदेश देता है। यह संकेत जीन गतिविधि और हार्मोनल संकेतों के जटिल नेटवर्क से जुड़ा है।

संक्षेप

जर्जर दीवार गिरी, एक मजदूर की मौत

हादसे में एक गंभीर घायल, जिला अस्पताल में भर्ती

अमेठी , एक बड़ा हादसा सामने आया है, जहाँ एक जर्जर मकान की दीवार गिरने से एक मजदूर की मौके पर ही मौत हो गई। इस घटना में एक अन्य मजदूर गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसे इलाज के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। यह घटना गौरीगंज कोतवाली क्षेत्र के वार्ड नंबर 24 में हुई। पूर्व सभासद अरुण यादव का लगभग 90 साल पुराना जर्जर मकान गिराया जा रहा था, ताकि उसकी जगह नया मार्केट बनाया जा सके। मकान तोड़ने के दौरान अचानक दशकों पुरानी दीवार मजदूरों पर गिर पड़ी। हादसे में दांदूपुर, थाना मुंशीगंज निवासी परशुराम नामक मजदूर की मौके पर ही मौत हो गई। गौरीगंज थाना प्रभारी श्याम नारायण पांडेय ने बताया कि ठेकेदार रामराज यादव, पुत्र रामअंजोर, निवासी छावनी जंगल रामनगर, अमेठी द्वारा मजदूरों से दीवार गिरवाने का काम कराया जा रहा था। अचानक दीवार गिरने से एक मजदूर की मौत हुई है। थाना प्रभारी ने यह भी बताया कि अभी तक इस मामले में कोई तहरीर प्राप्त नहीं हुई है, लेकिन आवश्यक विधिक कार्रवाई की जा रही है।

रत्नेश हत्याकांड का खुलासा, 5 आरोपी गिरफ्तार

अमेठी में आरोपियों में दो नाबालिग भी, पीटकर मार डाला था

अमेठी , पुलिस ने 23 वर्षीय रत्नेश मिश्रा हत्याकांड का खुलासा कर दिया है। इस मामले में दो नाबालिगों सहित पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने हत्या में प्रयुक्त डंडे को भी बरामद कर लिया है, जबकि एक फरार आरोपी की तलाश जारी है। यह घटना मुसाफिरखाना थाना क्षेत्र के पिंडारा ठाकुर गांव की है। तीन दिन पहले रत्नेश मिश्रा शौच के लिए गए थे, तभी पुरानी रंजिश के चलते पड़ोसियों ने लाठी-डंडों से उन पर हमला कर दिया, जिससे उनकी मौत हो गई। पोस्टमार्टम के बाद जब शव घर पहुंचा, तो परिजनों और ग्रामीणों ने सड़क जाम कर विरोध प्रदर्शन किया। पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों के आश्वासन के बाद परिजनों ने अंतिम संस्कार किया। परिजनों की तहरीर पर पुलिस ने छह नामजद अभियुक्तों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की थी। पुलिस ने इस मामले में 21 वर्षीय अंकित यादव उर्फ लालू यादव, 27 वर्षीय पंकज यादव पुत्र शिवपूजन यादव और शिवपूजन यादव पुत्र रामेश्वर यादव को गिरफ्तार किया है। इनके साथ दो नाबालिग भी पुलिस की गिरफ्त में हैं। आरोपियों की निशानदेही पर हत्या में इस्तेमाल किया गया बांस का डंडा भी बरामद किया गया है। पूछताछ में अभियुक्तों ने बताया कि मृतक से उनकी पुरानी रंजिश थी। इसी कारण 23 दिसंबर की शाम उन्होंने रत्नेश को अकेला पाकर हमला किया, जिससे उसकी मौत हो गई।

कांग्रेस के स्थापना दिवस पर कांग्रेसियों ने बांटा ठंड से ठिठुरते गरीबों को कंबल

धूमधाम से मनाया गया कांग्रेस का 140वां स्थापना दिवस

अमन लेखनी समाचार

संतोष मिश्रा

बहराइच। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस पार्टी का 140वां स्थापना दिवस बाबागंज ब्लॉक मुख्यालय पर सादगी एवं सेवा भाव के साथ मनाया गया। इस अवसर पर कांग्रेस के पूर्व विधानसभा नानपारा प्रत्याशी डॉ. ए.एम. सिद्दीकी के नेतृत्व में भीषण ठंड से जूझ रहे गरीब, असहाय व बेसहारा लोगों को सैकड़ों कंबल वितरित किए गए। कार्यक्रम का शुभारंभ सुबह 10 बजे कांग्रेस कार्यालय पर ध्वजारोहण के साथ हुआ। डॉ. ए.एम. सिद्दीकी ने पार्टी का ध्वज फहराया। इसके पश्चात कांग्रेस सेवादल के ब्लॉक अध्यक्ष बृजेश कुमार पांडे द्वारा विधिवत राष्ट्रीय गान का गायन कराया गया। ध्वजारोहण स्थल पर मिठाइयों का वितरण भी किया गया।कार्यक्रम में मुख्य अतिथि थाना प्रभारी निरीक्षक रुपईडीहा रमेश सिंह रावत एवं विशिष्ट अतिथि पुलिस चौकी बाबागंज प्रभारी शिवेश शुक्ल उपस्थित रहे। आयोजक डॉ. सिद्दीकी द्वारा मुख्य अतिथियों एवं अन्य गणमान्य अतिथियों का माल्यार्पण कर स्वागत किया गया। स्थापना दिवस के अवसर पर आयोजित गोष्ठी को संबोधित करते हुए डॉ. ए.एम. सिद्दीकी, वरिष्ठ कांग्रेसी बद्री सिंह, ब्लाक अध्यक्ष रामदीन गौतम सहित अन्य वक्ताओं ने कांग्रेस पार्टी के संघर्षपूर्ण इतिहास, सामाजिक न्याय एवं जनसेवा की परंपरा पर प्रकाश डाला। इसके उपरांत बैठक आयोजित कर क्षेत्र की निर्बल विधवाओं, बुजुर्गों, दिव्यांगजनों एवं जरूरतमंदों को कंबल वितरित किए गए। कार्यक्रम का संचालन नवाबगंज कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष रामदीन गौतम ने किया। कंबल वितरण कार्यक्रम में वरिष्ठ कांग्रेसी बराती लाल वर्मा, रसूल खान, असगर अली, चंद्रमणि कांत बर्मा, रामसूरत यादव, चंद्र प्रकाश, इरशाद हुसैन, रईस अहमद, संदीप कुमार, उमेश कुमार, जमील अहमद, रज्जब अली, अम्बरलाल वर्मा, शाकिर कुरैशी, मोहम्मद शकील, मोहम्मद आवेश, आदि कांग्रेसी, वरिष्ठ पत्रकारों सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता व आमजन मौजूद रहे।

परोपकार से मनुष्य की जीवन मे होती है सुख की अनुभूत

हिंयुवा ने असहाय व निराश्रित 500 लोगों को वितरित किया कंबल

अमन लेखनी समाचार

फखरपुर, बहराइच। फखरपुर क्षेत्र के चौधरी सियाराम इंटर कॉलेज परिसर में हिंदू युवा वाहिनी के संस्थापक सदस्य सुभाष दिक्षित के नेतृत्व में कंबल वितरण का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि चौधरी सियाराम इंटर कालेज के प्रबंधक एडवोकेट रामछबीले शुक्ल विशिष्ट अतिथि एसओ संजीव सिंह चौहान रहे।संगठन ने लगभग पांच सौ गरीबों व निराश्रितों को कंबल वितरित किया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि ने कहा कि संगठन का प्रमुख उद्देश्य गरीबों व वंचितों की मदद करना है।समाजिक कार्यों से भेदभाव खत्म होते है। जब धरती पर समाज विकसित नही हुआ था तब भी सनातन धर्म था प्राकृतिक समाज का कल्याण करता है। एसओ ने कहा कि ऐसे कार्यक्रम सामाजिक एकता का संदेश देता है इस तरह कार्यक्रम गरीबों को संबल प्रदान करता है। हिंदू युवा वाहिनी के कार्यक्रम सामाजिक एकता अखंडता का संदेश देता है ऐसे कार्यक्रम होना चाहिए। अभयराज सिंह ने कहा कि मनुष्य वही है जो दूसरे के लिए काम आवे तथा उनकी भलाई करें परोपकार वह गुण है जिससे मनुष्य के जीवन में सुख की अनुभूत प्राप्त होती है।कार्यकर्म का संचालन संजय गुप्ता ने किया इस अवसर पर मंडल अध्यक्ष अभिषेक शुक्ल, महामंत्री श्याम जी त्रिपाठी, एडवोकेट अनिल शुक्ला, अभय राज सिंह, सुभाष दीक्षित, राहुल गौढ,महेस सिंह मुकेश पाठक,लल्ला महराज, सुनील शुक्ल, संदीप अवस्थी,महेश त्रिपाठी, आदि मौजूद रहे।

दिनदहाड़े चोरी की वारदात, सीसीटीवी में कैद हुई घटना

अमन लेखनी समाचार

रुपईडीहा, बहराइच। रुपईडीहा सेंट्रल बैंक चौराहा स्थित मुतुर्जा प्रोविजन स्टोर में दिनदहाड़े चोरी की सनसनीखेज वारदात सामने आई है। अज्ञात चोर दुकान में घुसकर गल्ले में रखी नकदी पर हाथ साफ कर फरार हो गया। पूरी घटना दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। दुकान के प्रोपराइटर मुतुर्जा ने बताया कि घटना के समय वह किसी काम से दुकान से बाहर गए हुए थे। दुकान कुछ देर के लिए खाली पड़ी थी, इसी का फायदा उठाकर अज्ञात चोर भीतर घुस आया और गल्ले में रखी नकदी चोरी कर मौके से फरार हो गया। चोरी की जानकारी दुकान लौटने पर हुई, जिसके बाद सीसीटीवी फुटेज खंगाले गए तो पूरी वारदात कैमरे में रिकॉर्ड पाई गई।पीड़ित व्यापारी द्वारा मामले की तहरीर स्थानीय थाने में दी गई है।

सराहनीयः एसडीएम नानपारा मोनालिसा ने रैन बसेरों व अलाव स्थलों का किया निरीक्षण

अमन लेखनी समाचार / संतोष मिश्रा

बहराइच। जिलाधिकारी अक्षय त्रिपाठी के निर्देश पर बढ़ती शीतलहर के दृष्टिगत शनिवार को देर रात उप जिलाधिकारी नानपारा मोनालिसा जौहरी ने नगर पालिका परिषद नानपारा में बने रैन बसेरे का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान पर्याप्त संख्या में बेड, कंबल, स्वच्छ एवं सुरक्षित सोने की व्यवस्था, प्रकाश एवं ताप व्यवस्था, स्वच्छ पेयजल, शौचालय एवं साफ सफाई की स्थिति संतोषजनक पायी गयी। कड़ाके की ठंड व शीतलहर के दौरान किसी भी असहाय, गरीब, परदेसी व जरूरतमन्द व्यवक्तियों को किसी प्रकार की असुविधा न होने पाये इसके लिए उप जिलाधिकारी निरन्तर रैन बसेरों व अलाव स्थलों का निरीक्षण कर सम्बन्धित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दे रही हैं। एसडीएम ने थानाध्यक्ष नानपारा, रुपईडीहा, मटेरा, नवाबगंज, रिसिया व खैरीघाट को भी निर्देशित किया है कि आप लोग भी रात्रि में गश्त के दौरान यह सुनिश्चित करें कि कोई भी व्यक्ति बाहर ठंड में सोता हुआ ना मिले यदि किसी भी पुलिस कर्मी को कोई भी व्यक्ति बाहर सोता हुआ या बैठा हुआ मिले तो सम्मानपूर्वक उनको नजदीकी रैन बसेरा में स्वयं पहुंचाएं और इसकी जानकारी तत्काल संबंधित नगर निकाय के ईओ व तहसील प्रशासन को भी दें। उन्होंने आमजन से भी अपील की है कि यदि उन्हें कोई व्यक्ति रात्रि में खुले स्थानों, सड़कों, बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन अथवा अन्य सार्वजनिक स्थलों पर ठंड से प्रभावित स्थिति में मिले, तो तत्काल इसकी सूचना नगर निकायों, पुलिस कन्ट्रोल रूम अथवा तहसील प्रशासन को दें, ताकि प्रभावित व्यक्ति रैन बसेरे में पहुंचाया जा सके। एसडीएम ने बताया कि शासन व जिला प्रशासन के निर्देश पर शीतलहर में निराश्रित, बेसहारा एवं जरूरतमंद व्यक्तियों को आसरा प्रदान करने के उद्देश्य से रैन बसेरों की पूर्णतः निःशुल्क व्यवस्था की गई है। साथ ही रैन बसेरे में आने वाले व्यक्तियों हेतु चिकित्सीय परीक्षण एवं उपचार की भी निःशुल्क व्यवस्था की गई है। इसके लिए प्रभारी चिकित्सा अधिकारी नानपारा एवं नबाबगंज को आवश्यक दिशा निर्देश निर्गत किये गये हैं। एसडीएम ने बताया कि कड़ाके की ठंड व शीतलहर में निराश्रित व जरूरतमन्द लोगों को किसी प्रकार की समस्या न हो इसके लिए तहसील प्रशासन चौबिसों घण्टे तत्पर है।

करीब पाँच करोड़ के हवाला कारोबार में जनमत पार्टी के नेता गिरफ्तार

अमन लेखनी समाचार

रुपईडीहा, बहराइच। जिला पुलिस कार्यालय बाँके ने हवाला से जुड़े अवैध आर्थिक लेनदेन के मामले में राष्ट्रीय जनमत पार्टी के नेता इरफान अहमद शेख को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उन्हें पार्टी कार्यक्रम में शामिल होने के लिए कपिलवस्तु जाते समय दांग जिले के अमिलिया क्षेत्र से पकड़ा। बाँके पुलिस के अनुसार यह कार्रवाई नेपाल राष्ट्र बैंक की वित्तीय सूचना इकाई से प्राप्त शिकायत के आधार पर की गई है। डुडुवा ग्रामीण पालिका वार्ड नंबर 6 निवासी 40 वर्षीय शेख पर करीब चार करोड़ 92 लाख 84 हजार 296 रुपये के संदिग्ध हवाला लेनदेन में संलिप्त होने का आरोप है। जांच में केवाईसी में दर्शाई गई आय और वास्तविक बैंक लेनदेन में बड़ा अंतर पाया गया है, जिससे मामला हवाला और मनी लॉन्ड्रिंग से जुड़ा होने की आशंका जताई जा रही है। पुलिस ने बताया कि खातों में जमा नकद राशि को तुरंत इलेक्ट्रॉनिक माध्यम से अन्य व्यक्तियों और संस्थाओं को ट्रांसफर किया जाता था। इसी प्रकरण में कोहलपुर नगरपालिका वार्ड नंबर 14 के विष्णु खटिक की भूमिका की भी जांच की जा रही है। पुलिस मामले की गहन छानबीन में जुटी है।

परशुराम सेना प्रकोष्ठ की मासिक समीक्षा बैठक हुई संपन्न

अमन लेखनी समाचार

शिवपुर, बहराइच। जनपद बहराइच के तहसील मिहींपुरवा अंतर्गत आज रविवार को परशुराम सेना प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र नाथ तिवारी के निर्देशन में मासिक समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। यह आयोजन धनागमा सीड भंडार के प्रोपराइटर कौशल पांडेय के द्वारा किया गया। समीक्षा बैठक में परशुराम सेवा प्रकोष्ठ से जुड़े प्रदेश भर के कई जिलों से पदाधिकारी और कार्यकताओं का निश्चित समय अवधि पर आगमन हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ भगवान परशुराम के चित्र पर पुष्पमाला समर्पित करते हुए दीप प्रज्वलित कर किया गया। वहीं संगठन के पदाधिकारियों व नव नियुक्त सदस्यों का फूल मलाओं से भव्य स्वागत संपन्न हुआ। तत्पश्चात संगठन के कार्यों पर विचार विमर्श करते हुए ब्राह्मणों के शोषण पर अपने-अपने विचार प्रकट किये गए। वहीं संगठन के प्रदेश अध्यक्ष ने ब्राह्मण युवाओं से अधिक संख्या में संगठन से जुड़ने का वहन किया तथा ब्राह्मणों के सुख-दुख में सम्मिलित होने का आश्वासन दिया। कार्यक्रम में संगठन के जिला अध्यक्ष भानु प्रताप पांडे, देवीपाटन मंडल अध्यक्ष चंद्रभूषण द्विवेदी, राष्ट्रीय संरक्षक धर्म प्रकाश त्रिपाठी 'पंछी', गृहप्रकाश त्रिपाठी, संदीप तिवारी,स्नेह शुक्ला, दिलीप मिश्रा, अमित चौबे, शिरीष पांडे, विश्वरूप मिश्रा, आशीष चतुर्वेदी, विनोद तिवारी नीरज शुक्ला अंकुर, मोहित मिश्रा विकास पांडे सूरज त्रिवेदी, आर एन तिवारी (पत्रकार), शुभम पाठक, कुलदीप मिश्रा, पंकज मिश्रा, अजय शर्मा, सोमनाथ पांडे, हरि गोविंद पांडेय, पारसनाथ शुक्ला, विनोद शुक्ला, ज्ञानेंद्र तिवारी, अशोक कुमार, विवेक त्रिवेदी, सतीश तिवारी,अशोक मिश्रा, मंगल प्रसाद, अंकुश, शुभम, अरुण मिश्रा, सुरेंद्र शर्मा, विवेक शुक्ला, आत्माराम दीक्षित, किशोर दीक्षित, शिवा पांडे सुग्रीव पांडे ए दीपेंद्र दीक्षित, श्रीकांत बाजपेई विनोद त्रिवेदी हरीश शुक्ला नरमोहन दुबे आनंद सागर मिश्रा सच्चिदानंद तिवारी आदि उपस्थित रहे। उपरोक्त सभी ने संगठन को मजबूत बनाने में अपना अधूतपूर्व योगदान देने का संकल्प लिया।

एग्जामनाथ सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता का हुआ पुरस्कार वितरण

अमन लेखनी समाचार

बहराइच। ब्लॉक सभागार कैसरगंज में एग्जामनाथ सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता 2025 के पुरस्कार वितरण का आयोजन किया गया। एग्जामनाथ सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता की परीक्षा प्रतिभा संरक्षण सेवा न्यास और कोशिश फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में 16 नवम्बर को संपन्न हुई थी।

पुरस्कार वितरण का शुभारम्भ मुख्य अतिथि ब्लॉक प्रमुख कैसरगंज संदीप सिंह विसेन ने मां सरस्वती का दीप प्रज्वलन कर किया। मुख्य अतिथि संदीप सिंह ने कहा ऐसी प्रतियोगिताएं बच्चों के मानसिक विकास को बढ़ाती है साथ ही ऐसी प्रतियोगिताओं के लिए एक्जामनाथ के डायरेक्टर शेखर श्रीवास्तव को शुभकामनाएं भी दिया। विशिष्ट अतिथि उपजिलाधिकारी अखिलेश कुमार सिंह ने बताया कि शेखर श्रीवास्तव एक लेखक और शिक्षक के रूप में बच्चों के हित के लिए हमेशा खड़े रहते है और ऐसे प्रतियोगिताओं का आयोजन करवाने से बच्चों का सर्वांगीण विकास होता है। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे डॉक्टर देवेन्द्र कुमार उपाध्याय ने कहा शिक्षा सबसे शक्तिशाली हथियार है जिसका उपयोग आप दुनिया को बदलने के लिए कर सकते हैं। एग्जामनाथ के डायरेक्टर शेखर श्रीवास्तव ने मुख्य अतिथि ब्लॉक प्रमुख, विशिष्ट अतिथि और अध्यक्ष को अंगवस्त्र और उपहार देकर सम्मानित किया। एक्जामनाथ के डायरेक्टर शेखर श्रीवास्तव ने बताया परीक्षा में तीनों स्तरों प्राइमरी, जूनियर और सीनियर तीनों वर्गों से दस दस बच्चों को सम्मानित किया गया। प्राइमरी स्तर से प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान क्रमशः वीरेंद्र प्रताप शर्मा, अक्षय शुक्ला और सिद्धार्थ मौर्य को मिला, जूनियर स्तर से प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान क्रमशः आभास मौर्य, लकी राजपूत और शिवांशु सिंह विशेन को मिला वहीं सीनियर स्तर से प्रथम द्वितीय और तृतीय स्थान क्रमशः सौरभ चौधरी, सचिन चौधरी और राणा जेबा को मिला। इस मौके पर सभी विद्यालयों के प्रबंधक और प्रधानाचार्य को उपहार देकर सम्मानित किया गया। मंच संचालन शिवनाथ गौतम ने किया, इस मौके पर सुष्मिता चौरसिया, अमरनाथ मिश्रा, इशू,शैलेन्द्र सिंह, पवन सिंह, पंकज सिंह, शिवनाथ गौतम, माधव राम, नायाब अहमद, पार्थ सोनी और जितेंद्र प्रताप सिंह, कुणाल सोनो, सर्वजीत, दुर्गेश, राजेश और मधुकर के साथ साथ कैसरगंज के अन्य गणमान्य और बच्चों के अभिभावकों की उपस्थिति रही।

कोहरे की मोटी चादर मार्ग पर वाहन चलाना हुआ मुश्किल

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। रविवार सुबह घने कोहरे ने जनजीवन को बुरी तरह प्रभावित किया। तड़के से ही पूरे जिले में कोहरे की मोटी चादर छा गई, जिससे दृश्यता घटकर लगभग 20 मीटर रह गई। सड़कों पर चलना जोखिम भरा हो गया और वाहन चालकों को काफी परेशानी हुई। घने कोहरे का सर्वाधिक असर नेशनल हाईवे-27 और आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस-वे पर देखा गया। इन मार्गों पर वाहन बेहद धीमी गति से चले। कई स्थानों पर चालकों ने सुरक्षा के मद्देनजर अपने वाहन किनारे खड़े कर दिए। गंगा पुल पर भी कम दृश्यता के कारण वाहनों की रफ्तार धीमी रही, जिससे यातायात प्रभावित हुआ। सुबह के समय स्कूल जाने वाले बच्चों, दफ्तर जाने वाले कर्मचारियों और यात्रियों को विशेष दिक्कतों का सामना करना पड़ा। कोहरे के कारण ट्रेन और बस यात्राएं भी प्रभावित हुईं। कई बसें और ट्रेनें अपने निर्धारित समय से विलंब से गंतव्य तक पहुंचीं। मौसम विभाग के अनुसार, शनिवार को जिले का न्यूनतम तापमान 9 डिग्री सेल्सियस और अधिकतम तापमान 13 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। 81 प्रतिशत आर्द्रता और लगभग 3 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चल रही ठंडी हवाओं ने ठिठुरन बढ़ा दी। सुबह और शाम के समय ठंड का असर अधिक महसूस किया गया। घने कोहरे को देखते हुए जिला प्रशासन और यातायात पुलिस अलर्ट पर रही। पुलिस ने हाईवे और प्रमुख मार्गों पर गश्त बढ़ा दी है। वाहन चालकों को धीमी गति से वाहन चलाने, फॉग लाइट का उपयोग करने और सुरक्षित दूरी बनाए रखने की सलाह दी गई है। प्रशासन ने अनावश्यक यात्रा से बचने की अपील की है। मौसम विभाग ने आने वाले दिनों में भी सुबह के समय कोहरा बने रहने की संभावना जताई है। ऐसे में प्रशासन ने लोगों से सतर्क रहने और मौसम को देखते हुए अपनी दिनचर्या तय करने की अपील की है। घने कोहरे और ठंड के इस दौर में जनजीवन फिलहाल पूरी तरह प्रभावित नजर आ रहा है।

दहेज न मिलने पर विवाहिता को घर से निकाला

प्रतापगढ़ में पति, सास, ननद समेत चार पर मुकदमा दर्ज

संवाददाता अमन लेखनी समाचार

प्रतापगढ़ , कुंडा कोतवाली क्षेत्र में दहेज की मांग पूरी न होने पर एक विवाहिता को मारपीट कर घर से निकाल दिया गया। ससुरालवालों पर एक लाख रुपये नकद और बाइक की अतिरिक्त मांग करने का आरोप है। पीड़िता की तहरीर पर पति, सास, ननद समेत चार लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। कुंडा कोतवाली के सुजौली गांव निवासी लक्ष्मी मौर्य पुत्री राकेश मौर्या ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उनकी शादी 3 नवंबर 2024 को मानिकपुर थाना क्षेत्र के शाहाबाद गांव निवासी अर्पित मौर्य से हुई थी। आरोप है कि शादी के बाद से ही ससुरालवाले उनसे एक लाख रुपये नकद और बाइक की मांग कर रहे थे। दहेज की यह मांग पूरी न कर पाने पर ससुरालवालों ने 2 दिसंबर को लक्ष्मी को मारपीट कर घर से भगा दिया। उन्हें धमकी दी गई कि वे दहेज लेकर ही घर लौटें।घटना के बाद से लक्ष्मी अपने मायके में रह रही हैं। पीड़िता की तहरीर के आधार पर पुलिस ने पति अर्पित मौर्य, सास कमला देवी, ननद सुधा देवी और रिश्तेदार दशरथ मौर्य निवासी अदलपुर, मानिकपुर के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर ली है।

मेडिकल कॉलेज के बिजली कक्ष में धमाका

मीटर चेंबर ब्लास्ट से अफरा-तफरी, फायर टीम ने स्थिति संभाली

अमन लेखनी समाचार

प्रतापगढ़ शहर के मेडिकल कॉलेज परिसर में आज दोपहर बिजली कक्ष के मीटर चेंबर में जोरदार धमाका हुआ। धमाके के बाद धुआं उठता देख परिसर में अफरा-तफरी मच गई। हालांकि, फायर टीम और अस्पताल कर्मियों की तत्परता से स्थिति को जल्द ही नियंत्रित कर लिया गया। यह घटना दोपहर को हुई, जब मेडिकल कॉलेज के परिसर स्थित बिजली मीटर चेंबर में अचानक ब्लास्ट हो गया। धमाका इतना तेज था कि इसकी आवाज दूर तक सुनाई दी, जिससे आसपास मौजूद लोग घबराकर बाहर भागे। धमाके के कारण बिजली कक्ष के बंद शटर कई जगह से उखड़ गए। ब्लास्ट के बाद कमरे के अंदर से लगातार धुआं निकलता देख मौजूद लोगों ने तुरंत फायर टीम को सूचना दी। सूचना मिलते ही अस्पताल के स्टाफ ने मौके पर लगे अग्निशमन यंत्रों का उपयोग कर आग पर प्रारंभिक नियंत्रण का प्रयास किया। कुछ ही देर बाद फायर ब्रिगेड की टीम घटनास्थल पर पहुंची और पूरे बिजली कक्ष की जांच-पड़ताल कर स्थिति का आकलन किया। फिलहाल, ब्लास्ट के कारणों की जांच जारी है। इस घटना ने मेडिकल कॉलेज परिसर में बिजली कक्ष की सुरक्षा मानकों को लेकर सवाल खड़े कर दिए हैं। कॉलेज प्रशासन ने तकनीकी टीम को घटना की विस्तृत रिपोर्ट तैयार करने के निर्देश दिए हैं।

संक्षेप

हिंदुओं पर अत्याचार, खेकड़ा में प्रदर्शन

अंतरराष्ट्रीय हिन्दू सेना ने अंतरिम सरकार के अध्यक्ष का पुतला फूंका

बागपत , खेकड़ा कस्बे में अंतरराष्ट्रीय हिन्दू सेना ने बांग्लादेश में हिंदुओं पर कथित अत्याचारों के विरोध में प्रदर्शन किया। इस दौरान बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के अध्यक्ष मोहम्मद यूनुस का प्रतीकात्मक पुतला दहन किया गया। यह प्रदर्शन खेकड़ा स्थित काशीराम कॉलोनी में हुआ, जिसका नेतृत्व अंतरराष्ट्रीय हिन्दू सेना के जिला अध्यक्ष सुनील पुंडीर ने किया। इसमें महिला, पुरुष और बच्चों सहित बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लिया। प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि बांग्लादेश में हिंदू समाज के लोगों पर लगातार हमले हो रहे हैं, जबरन उत्पीड़न किया जा रहा है और उनकी धार्मिक स्वतंत्रता का हनन हो रहा है। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से इस मामले का गंभीरता से संज्ञान लेने की अपील की। जिला अध्यक्ष सुनील पुंडीर ने कहा कि बांग्लादेश की अंतरिम सरकार हिंदुओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने में विफल रही है। उन्होंने भारत सरकार से इस मामले में कड़ा रुख अपनाने और अंतरराष्ट्रीय मंचों पर बांग्लादेश सरकार पर दबाव बनाने की मांग की, ताकि वहां रह रहे हिंदुओं के जान-माल और धार्मिक अधिकारों की सुरक्षा हो सके। प्रदर्शन के दौरान कार्यकताओं ने नारेबाजी करते हुए बांग्लादेश सरकार के खिलाफ रोष व्यक्त किया। सुनील पुंडीर के साथ निक्की, सुमित, विकास, ममता, कविता, गुड्डू, सोनिया समेत कई कार्यकर्ता और स्थानीय नागरिक मौजूद रहे। यह प्रदर्शन शांतिपूर्ण रहा और किसी अप्रिय घटना की सूचना नहीं मिली। कार्यकताओं ने चेतावनी दी कि यदि बांग्लादेश में हिंदुओं पर अत्याचार नहीं रुके तो संगठन आंदोलन को और तेज करेगा। मौके पर पुलिस बल तैनात रहा और स्थिति पर नजर रखी।

न्याय न मिलने पर आत्महत्या की चेतावनी

दबंगों पर बंधक बनाकर मारपीट का आरोप, पीड़ित ने डीएम से लगाई गुहार

बागपत, बागपत जनपद के सिंघावली अहीर थाना क्षेत्र के बिलोजपुरा गांव निवासी अनिल स्वामी ने जिलाधिकारी कार्यालय पहुंचकर एक गंभीर शिकायत देते हुए बताया उन्होंने गांव के कुछ दबंग लोगों पर बंधक बनाकर मारपीट करने और लगातार प्रताड़ित करने का आरोप लगाया है। स्वामी के अनुसार, करीब एक महीने से उन्हें कुछ दबंग लोग परेशान कर रहे हैं। आरोप है कि इन लोगों ने उन्हें जबरन बंधक बनाया और उनके साथ मारपीट की, जिससे उन्हें शारीरिक और मानसिक क्षति पहुंची है। पीड़ित ने बताया कि इस मामले को लेकर वह कई बार थाना स्तर से लेकर उच्च अधिकारियों के कार्यालयों तक गुहार लगा चुके हैं, लेकिन अब तक उनकी शिकायत पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। लगातार न्याय न मिलने से वह बेहद परेशान और हताश हैं। अनिल स्वामी ने जिलाधिकारी को दिए शिकायती पत्र में यह भी बताया कि आरोपी उन्हें दोबारा मारपीट करने और झूठे मुकदमों में फंसाने की धमकी दे रहे हैं। दबंगों की धमकियों के कारण उनका परिवार भी दहशत में है और सामान्य जीवन जीना मुश्किल हो गया है।

जमीन और सुविधा के लिए संत-अफसर आमने-सामने

माघ मेला शुरू होने से पहले हंगामा, 800 हेक्टेयर में बसाया जा रहा मेला क्षेत्र

अमन लेखनी समाचार

प्रयागराज , महाकुंभ के बाद का संगम की रेती पर तीन जनवरी से माघ मेले की शुरूआत हो रही है। माघ मेले के शुरू होने में महज 5 से 6 दिन शेष बचे हैं लेकिन स्थिति यह है कि यहां अभी तक तमाम साधु-संतों व विभिन्न संस्थाओं को जमीन तक आवंटित नहीं हो पायी है। जिन्हें जमीन मिल गई है वह अपने शिविर में सुविधा पाने के लिए अफसरों का चक्कर काट रहे हैं। यही कारण है कि लगातार साधु संत व मेला प्राधिकरण के अफसर आमने-सामने दिख रहे हैं। सवाल यह उठता है जो माघ मेला 800 हेक्टेयर में बसने जा रहा है उसके बाद भी यहां जमीन के लिए मारामारी क्यों हो रही है? यहां सबसे पहले जमीन के लिए सतुआ बाबा धरने पर बैठे। उन्हें जमीन मिल गई। इसके बाद तीर्थ पुरोहित व अन्य साधु संत व विभिन्न संस्थाओं से जुड़े लोग आए दिन धरना प्रदर्शन करते रहे। शुक्रवार की रात को एक बार बवाल हो गया। रात में विभिन्न शहरों से आए साधु संत जमीन व सुविधा न मिलने से धरने पर बैठ गए थे। रात में ही 2 लोगों ने तो अपने ऊपर पेट्रोल तक छिड़क लिया। शनिवार को भी यही स्थिति रही। वहीं, अपर मेला अधिकारी दयानंद प्रसाद का कहना है कि जमीन आवंटन का कार्य पूरा हो चुका है। सुविधाओं के लिए संबंधित सेक्टर कार्यालय में संपर्क किया जा सकता है। कुल 4900 संस्थाओं को जमीन दी गई है।

2 दिसंबर से जमीन के लिए लगा रहा हूं चक्कर

वृंदावन से आए गोपाल नंद गिरि महाराज ने कहा, मैं 1998 से निरंजनी अखाड़े से यहां आ रहा हूं। मैं 2 दिसंबर से मेला प्राधिकरण कार्यालय पर आ रहा हूं, लेकिन जमीन और सुविधा के संबंध में किसी अधिकारी ने कुछ सुना। गोपाल नंद गिरि ने आरोप लगाया कि जमीन व सुविधा लेने के लिए रुपए डिमांड की जा रही है। क्या यही सनातन की सरकार है। संतों को लात मारकार भगाया जा रहा है। जहां जूता चप्पल रखा जाता है वहां हम जमीन पर बैठकर अफसरों के आने का इंतजार कर रहे हैं। पूरा सिस्टम भ्रष्ट है। ऐसे अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की जरूरत है।

46 संस्थाओं को पहले ही दी दी जमीन

निराश्रय फाउंडेशन से शिवसागर शुक्ला कहते हैं, हमारी संस्था की तरफ से इस बार के माघ मेले में पहली बार शिविर लगाने की तैयारी है। मेले में जमीन लेने के लिए बहुत कठिन प्रक्रिया है यहां। यहां पता चला कि जमीन चाहिए तो पेट्रोल छिड़कना होगा या धरना प्रदर्शन करना होगा। सामान्य तरीके से जमीन व सुविधाएं यहां नहीं मिल पा रही हैं।

गार्ड के सुसाइड का लाइव वीडियो

सल्फॉस पीकर बोला- पहले नौकरी से निकाला, फिर दोबारा रखने के पैसे लिए

अमन लेखनी समाचार

प्रयागराज , मोतीलाल नेहरू राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान के सुरक्षा गार्ड ने जहर पीकर जान दे दी। उसने सुसाइड का वीडियो भी बनाया है। जिसमें वह सल्फॉस का पैकेट निकालता है। उसे फाड़कर पानी भरे गिलास में डालता है। फिर पानी में घोलकर पी जाता है। इस दौरान उसने संस्थान के सीएसओ और कंपनी के 3 लोगों को अपनी मौत का जिम्मेदार ठहराया। गार्ड विपिन शुक्ला कहता है- इन लोगों ने मुझे खूब परेशान किया। पहले नौकरी से निकलवा दिया। इसके बाद नौकरी लगवाने के नाम पर रुपए लिए। मैंने कर्ज लेकर रुपए दिए, इसके बाद भी नौकरी नहीं मिली। इससे पहले बहन की शादी में 5-6 लाख रुपए का कर्ज हो गया था। इससे परेशान होकर जान दे रहा हूं। घटना 17 दिसंबर की नवाबगंज के कस्तूरीपुर की है। 18 दिसंबर को इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। सुसाइड का वीडियो 28 दिसंबर को सामने आया है।

26 दिसंबर को किसी तरह लॉक खुला

विपिन की पत्नी अंजली ने कहा- 26 दिसंबर को दुकान पर मोबाइल ले जाकर किसी तरह लॉक खुलवाया गया। लॉक खुलने के बाद मोबाइल में एक वीडियो मिला। जिससे पता चला कि अफसरों के टॉर्चर से तंग आकर विपिन ने जान दी। यह वीडियो खुद विपिन ने जहर खाने से पहले अपने मोबाइल से बनाया। मैंने इस वीडियो को पेन ड्राइव में सेव कर लिया है। 27 दिसंबर को नवाबगंज थाने पहुंचकर इसे पुलिस को सौंप दिया। मैंने पति को सुसाइड के लिए मजबूर करने वालों पर मुकदमा दर्ज करने की मांग की। इसके बाद भी पुलिस ने अब तक रिपोर्ट नहीं दर्ज की। वीडियो में विपिन कहता है- मैं सल्फास खाकर सुसाइड करने जा रहा हूं। मेरी मौत के जिम्मेदार एमपी सिंह, एमएनएनआईटी के सीएसओ, ट्रिपल एस सिक्योरिटी के एरिया मैनेजर जय सिंह, कंपनी के जीएम डीएल मिश्रा और कंपनी के मालिक कर्नल देवेंद्र प्रताप सिंह हैं।

मैंने एमएनएनआईटी में 12 साल नौकरी की। लेकिन पिछले छह महीने से मुझे लगातार परेशान किया जा रहा है। एरिया मैनेजर जय सिंह का भाई कंपनी में बोलेरो पायलट था, जो लड़कियों से छेड़छाड़ करता था। जब मैंने इसकी शिकायत की तो उसे कंपनी से निकाल दिया गया। इससे जय सिंह मुझसे नाराज हो गया। इसके बाद उसने भी मुझे नौकरी से निकलवा दिया।

शादी का झांसा देकर युवक 1 वर्ष से बनाता रहा शारीरिक संबंध

धमकी देकर अपराधी गायब थाने में दर्ज हुआ मुकदमा

अमन लेखनी समाचार

जहानाबाद, फतेहपुर। जनपद के जहानाबाद कस्बे अंतर्गत मोहल्ला मियां टोला निवासी 19 वर्षीय एक युवती से मोहल्ले के ही साहिल पुत्र जसीम से प्रेम प्रसंग हो गया प्रेम प्रसंग के चलते लगभग 1 वर्ष से साहिल अपनी प्रेमिका से निकाह करने का आश्वासन देते हुए शारीरिक संबंध बनाता रहा लगभग 1 वर्ष होने के पश्चात जब युवती ने विवाह की बात कही तो टालमटोल करने लगा वही युवती ने जब अपने घर में प्रेम प्रसंग की पूरी बात बताई तो युवती के पिता मोहल्ले में रहने वाले साहिल के घर जाकर विवाह करने के लिए निवेदन किया जहां युवक के पिता जसीम मां सन्नो चाचा यासीन शहाबान तथा साहिल समेत सभी ने धमकी देते हुए जान से मार देने की बात कही वहीं युवक ने धमकी देते हुए कहा कि यदि आगे कोई कार्रवाई करेंगे तो युवती की फोटोग्राफ सोशल कर दूंगा यह बात लिखित रूप में पीड़ित पिता ने नजदीकी थाना जहानाबाद में देते हुए अपना दुख दर्द बयां किया जहां थाना प्रभारी ने तत्काल मुकदमा पंजीकृत करते हुए आरोपी की तलाश जारी की

बिंदकी कस्बे में मासिक साहित्य संगोष्ठी का किया गया आयोजन

अमन लेखनी समाचार

बिंदकी, फतेहपुर। अबोध लोक परिष्करण संस्थान के द्वारा मासिक साहित्य संगोष्ठी का आयोजन शौर्य किड्स प्ले स्कूल जगदीश धाम महरहा रोड बिन्दकी में आयोजित किया गया आयोजक गौरव सिंह अबोध ने बताया कि यह गोष्ठी वीर बाल दिवस को समर्पित है। सह आयोजक अनिल सिंह शाश्वत ने सूचित किया कि इस गोष्ठी का उद्देश्य नवांकुरो को सार्थक मंच प्रदान करना है। कार्यक्रम का सफल संचालन आनंद प्रकाश तिवारी ने किया। कवि उमाशंकर ओमर जी ने देहज और लालच को रेखांकित करते हुए पढ़ा - जब आईएएस मा लरिका दिन रात फोरी अपनी आंखी, तो मम्मी के मन भन्न भन्न भनकी दहेज की माखी। राजकुमार गुप्त नलिन ने शीत और श्रृंगार को एकीकृत करके पढ़ा कि - जाड़ा आया बरजोर तन मन कपन लगे। गौरव सिंह अबोध ने भक्ति रस को व्याख्यायित करते हुए पढ़ा - हे विराट हे शून्य अगोचर ओमकार हे हर गंगाधर, कैवल्य प्रदाता शरण वंदना, हे हरि हे शिव चरण वंदना। अनिल सिंह शाश्वत ने बांग्लादेश में हुई नृशंस हत्या को रेखांकित करते हुए पढ़ा - शौर्य जगाओ रग-रग में, निज पौरुष का भान करो, काल खड़ा है द्वार तुम्हारे, शक्ति का संधान करो। आनंद प्रकाश तिवारी ने मातृभूमि को समर्पण को करते हुए पढ़ा - या तो लिपट तिरंगे में आऊंगा या तो सरहद पार तिरंगा लहराऊंगा। मनमोहन अवस्थी ने सामाजिक विसंगतियों पर कविता प्रस्तुत करते हुए पढ़ा - तुम मत सुनाओ यहां इंसानियत की कहानियां, बच्चों को मां बाप को छोड़ते देखा है। साहित्यकारों में आदरणीय उमाशंकर ओमर, राजकुमार गुप्त नलिन, अरुण द्विवेदी, सीमा मिश्रा, मनमोहन अवस्थी, विनय दीक्षित, आरती गुप्ता, स्वर्णिमा सिंह सुंदर, चंद्रशेखर बेदी एवं आकांक्षा आदि उपस्थित रहे।

शतचंडी महायज्ञ के अंतिम दिवस भक्तों की उमड़ी भीड़

रासलीला में माखन चोरी लीला देख दर्शक हुए भाव विभोर

अमन लेखनी समाचार

बिंदकी, फतेहपुर। जनपद के बिंदकी कस्बे हजरतपुर ठठराही स्थित मां काली जी के मंदिर प्रांगण में चल रही 11 दिवसीय शतचंडी महायज्ञ एवं मेले के आठवें दिवस श्रद्धालुओं की भारी भीड़ देखने को मिली मंदिर परिसर में दर्शन करने के पश्चात सभी भक्तों ने महाप्रसाद ग्रहण करते हुए मेले का लुफ्त उठाया शाम समय वृंदावन से पधारी सुविख्यात रासलीला मंडली के माध्यम से दर्शकों ने माखन चोरी लीला का दर्शन किया वहीं मेले में दर्शकों समेत पुरुष महिलाओं तथा बच्चों ने जमकर खरीदारी की

जनपद के संगठन ने युवा टीम का किया विस्तार

उत्तम उद्योग व्यापार मंडल के सदस्यों ने ग्रहण की शपथ

अमन लेखनी समाचार

फतेहपुर। जनपद में संचालित उत्तम उद्योग व्यापार मंडल उत्तर प्रदेश द्वारा युवा नगर इकाई का विस्तार किया गया कल दोपहर 2 बजे जनपद के लोधीगंज स्थित युवा जिला कार्यालय में टीम का विस्तार करते हुए जिला अध्यक्ष मनोज साहू एवं युवा जिला अध्यक्ष अधिवक्ता आकाश सिंह भदौरिया के मार्गदर्शन में नगर अध्यक्ष मोहम्मद कैफ खान ने युवा नगर महामंत्री पद पर तस्लीम आरिफ उपाध्यक्ष मोहम्मद शाहिद नगर मंत्री धर्मेंद्र कुमार संगठन मंत्री स्वतंत्र कुमार सोनी फैजान शाहरुख अनीश अभिषेक साहू आदि को प्रमाण पत्र प्रदान करते हुए पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई

रिटायर्ड फौजी की दिनदहाड़े हत्या

बाइक सवार बदमाशों ने सिर में मारी गोली, घर से टहलने निकले थे

अमन लेखनी समाचार

लोनी , गाजियाबाद। दिनदहाड़े एक रिटायर्ड फौजी की गोली मारकर हत्या कर दी गई। दोपहर करीब 12:30 बजे रिटायर्ड फौजी अपने घर से लगभग 500 मीटर दूर एक मैकेनिक की दुकान पर पहुंचे थे। इसी दौरान बाइक पर सवार दो युवक वहां आ गए। दोनों ने कुछ देर तक रिटायर्ड फौजी से बातचीत की और अचानक उनमें से एक बदमाश ने नजदीक से उनके सिर में गोली मार दी। गोली लगते ही रिटायर्ड फौजी लहूलुहान होकर नीचे गिर पड़े। इसके बाद दोनों बदमाश मौके से फरार हो गए। रिटायर्ड फौजी को गोली लगने से मौके पर अफरा-तफरी मच गई। फायरिंग की आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे। सूचना मिलने पर जब तक पुलिस घटनास्थल पर पहुंची, तब तक रिटायर्ड फौजी की मौत हो चुकी थी। पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। इसके साथ ही आसपास के लोगों से पूछताछ कर जांच-पड़ताल शुरू कर दी गई है। यह घटना लोनी थाना क्षेत्र की अशोक विहार कॉलोनी के की है। रिटायर्ड फौजी की पहचान योगेश कुमार (60) के रूप में हुई है। योगेश मूल रूप से प्रयागराज के रहने वाले थे। हालांकि वह वर्तमान में लोनी के अशोक विहार में रह रहे थे और दो महीने पहले ही भारतीय वायुसेना से रिटायर हुए थे। दोपहर योगेश खाना खाने के बाद टहलने के लिए घर से निकले थे। जब वह अपने घर से करीब 500 मीटर दूर 30 फीटा रोड पर स्थित एक मैकेनिक की दुकान के पास पहुंचे, तभी पहले से घात लगाए खड़े बाइक सवार बदमाश वहां आ गए और उनसे बातचीत करने लगे।

इसी दौरान एक बदमाश ने तमंचा निकालकर गोली चलाने की कोशिश की, जिस पर योगेश ने बचने का प्रयास किया। तभी दूसरे बदमाश ने उनके सिर में दो गोलियां मार दीं। गोली लगते ही योगेश घायल होकर जमीन पर गिर पड़े और उनके सिर से खून बहने लगा। घटना के समय दोनों बदमाशों ने हेलमेट पहन रखे थे। वारदात के बाद दोनों आरोपी बाइक तेज गति से दौड़ाते हुए फरार हो गए। गोली चलने की आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे

'श्रापित भूमि' वाले बयान पर दिनेश खटीक ने दी सफाई

कहा- हस्तिनापुर की पावन धरती मेरे लिए सदैव पूजनीय

अमन लेखनी समाचार

मेरठ , हस्तिनापुर सीट से भाजपा के राज्यमंत्री और विधायक दिनेश खटीक की सफाई का एक लेटर सामने आया है। इस लेटर में राज्यमंत्री ने अपने विवादित बयान पर सफाई दी है। यह लेटर पीएम नरेंद्र मोदी और यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को भी टैग किया गया है। जो लेटर सोशल मीडिया पर सामने आया है इसमें राज्यमंत्री दिनेश खटीक अपने बयान को लेकर सफाई देते दिख रहे हैं। लिखा- मेरे द्वारा कही गई कुछ बातों को मीडिया में संदर्भ से अलग और गलत रूप में प्रस्तुत किया जा रहा है, जो सत्य नहीं है। हस्तिनापुर मेरी कर्मभूमि है। दिनेश खटीक का 5.30 मिनट का वीडियो भी सामने आया है। वह बुधवार को एक स्कूल के समारोह में छात्रों को संबोधित कर रहे थे। मेरठ के खरखौदा क्षेत्र में पांची स्थित एमएस हेरिटेज स्कूल के 22वें वार्षिकोत्सव में मुख्य अतिथि कल्कि धाम के पीठाधीश्वर आचार्य प्रमोद कृष्णम, उत्तराखंड सरकार के राज्यमंत्री श्याम सिंह सैनी और मंत्री दिनेश खटीक पहुंचे थे।

दिनेश खटीक ने कहा- जो महाभारत का एक दृश्य दिखाया है वो अपने आप में अभिभूत है, मैं इसको अपने वाक्यों से नहीं बता सकता। ये भी एक संयोग है कि मुझे न गुरुजी, न आपने बुलाया। कल्कि अवतार जो भगवान हैं, जिनका मंदिर गुरुजी के हाथों बन रहा है। उन्होंने मुझे कहा कि हस्तिनापुर में जो वर्तमान विधायक हैं, उन्हें भी ये लीला दिखाने के लिए बुलाइए। ये जो लीला आपने दिखाई है, हस्तिनापुर का जो दृश्य आपने दिखाया है, मैं उसी हस्तिनापुर से विधायक हूं। परम पूज्य गुरुजी मन में एक बात आती रहती है। हस्तिनापुर सीट से एक बार कोई विधायक बनने के बाद दोबारा एमएलए नहीं बना। मीडिया पूछती थी कि आप दोबारा चुनाव लड़ते हैं तो जीतेंगे या नहीं। तो हमने भी कहा कि ये श्रापित भूमि हैं, जिस पर द्रौपदी का श्राप है।

दिनेश खटीक ने कहा- देश में मोदी और प्रदेश में योगी जैसे व्यक्तित्व थे, जिन्होंने मेरी नैया पार लगाई और मुझे दोबारा विधायक बनाया।

दिनेश खटीक ने स्वीकार किया कि हस्तिनापुर के उस पुराने 'मिथक' को तोड़ने में वह केवल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के प्रभाव के कारण सफल रहे। उन्होंने कहा, रजब यहां कोई दोबारा नहीं जीत पाया, तो दिनेश खटीक की क्या औकात थी?

3 महीने से 11वीं का छात्र लापता

सीआरपीएफ जवान पिता ने सीएम योगी से लगाई मदद की गुहार

संवाददाता

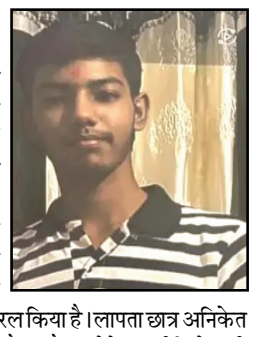

गौतम बुद्ध नगर , ग्रेटर नोएडा के दादरी कोतवाली क्षेत्र से 11वीं का एक छात्र पिछले तीन महीने से लापता है। छात्र के परीक्षा में कम अंक आने और पिता की डांट से आहत होकर घर से चले जाने की बात सामने आई है। तीन महीने बाद भी बेटे का सुराग न मिलने पर सीआरपीएफ में तैनात उसके पिता ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मदद की गुहार लगाई है और सोशल मीडिया पर एक वीडियो भी वायरल किया है। लापता छात्र अनिकेत (15) के पिता मनोज बिधूड़ी सीआरपीएफ में तैनात हैं। उन्होंने एक वीडियो जारी कर अपनी पीड़ा व्यक्त की और मुख्यमंत्री से मदद मांगी। मनोज बिधूड़ी ने बताया कि अनिकेत 30 सितंबर को कोचिंग जाने की बात कहकर घर से निकला था, लेकिन शाम तक वापस नहीं लौटा। शुरूआती तलाश के बाद 1 अक्टूबर को दादरी थाने में गुमशुदगी की शिकायत दर्ज कराई गई थी। पिता ने वीडियो में पुलिस पर भी आरोप लगाने का जिक्र करते हुए कहा कि बेटे के बिना उनका जीवन व्यर्थ हो गया है। दादरी कोतवाली प्रभारी ने बताया कि छात्र के पिता की शिकायत के आधार पर पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। उन्होंने पुष्टि की कि परीक्षा परिणाम में कम अंक आने के बाद छात्र तनाव में था और डांट पड़ने के बाद घर से चला गया था। पुलिस ने बताया कि मामला दर्ज होते ही गुमशुदा छात्र की तलाश के लिए तुरंत कार्रवाई शुरू कर दी गई थी। छात्र की तलाश के लिए सर्विलांस टीम और स्थानीय पुलिस की विशेष टीमें गठित की गई हैं। पुलिस अनिकेत के मोबाइल फोन, संभावित रास्तों और उसके संपर्कों की गहन जांच कर रही है।

नोएडा जिला अस्पताल पहुंची विशेष सचिव स्वास्थ्य

रजिस्ट्रेशन काउंटर बढ़ाने के निर्देश, मरीजों के लिए तैनात किए जाए वॉलंटियर

संवाददाता

नोएडा, जिला अस्पताल की स्वास्थ्य सेवाओं और व्यवस्थाओं की जमीनी हकीकत परखने के लिए विशेष सचिव स्वास्थ्य आर्यिका अखौरी ने सोमवार को जिला अस्पताल का अचानक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने अस्पताल परिसर में मौजूद विभिन्न व्यवस्थाओं का बारीकी से जायजा लिया और मरीजों व उनके तीमारदारों से सीधे संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं। निरीक्षण के दौरान बड़ी संख्या में लोगों ने विशेष सचिव को अपनी शिकायतें भी दर्ज कराईं। निरीक्षण के क्रम में विशेष सचिव ने ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन काउंटर, ऑफलाइन रजिस्ट्रेशन काउंटर, मेडिकल स्टोर रूम समेत अन्य महत्वपूर्ण विभागों का निरीक्षण किया। इस दौरान सबसे प्रमुख शिकायत रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया में हो रही देरी को लेकर सामने आई। मरीजों ने बताया कि सुबह से ही लंबी कतारें लग जाती हैं और रजिस्ट्रेशन में काफी समय लगने के कारण उन्हें डॉक्टर को दिखाने में परेशानी होती है।

3 से 4 हजार मरीज आते है रोजाना

जिला अस्पताल की ओपीडी में रोजाना लगभग 3 से 4 हजार मरीज इलाज के लिए पहुंचते हैं। इनमें से करीब 88 प्रतिशत रजिस्ट्रेशन ऑनलाइन माध्यम से हो रहे हैं। इसके बावजूद ग्राउंड लेवल पर व्यवस्थाओं में कमी के कारण लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। इस पर नाराजगी जाहिर करते हुए विशेष सचिव आर्यिका अखौरी ने रजिस्ट्रेशन काउंटरों की संख्या बढ़ाने के निर्देश दिए, ताकि मरीजों को लंबा इंतजार न करना पड़े।

स्कैन एवं शेयर काउंटर बढ़ाए जाएइसके साथ ही उन्होंने स्कैन एवं शेयर काउंटरों की संख्या बढ़ाने के भी निर्देश दिए, जिससे डिजिटल प्रक्रिया को और सुचारु बनाया जा सके। विशेष सचिव ने कहा कि सरकार का उद्देश्य स्वास्थ्य सेवाओं को डिजिटल और पारदर्शी बनाना है

थार ने पांच गाड़ियों में मारी टक्कर

गर्लफ्रेंड से मिलने के लिए किराए पर ली कार, परिजनों को देखकर भगाने पर हुआ एक्सीडेंट

संवाददाता

नोएडा, सेक्टर-24 थाना क्षेत्र में गुरुवार शाम नाबालिग स्टूडेंट्स ने किराए की थार से पांच गाड़ियों में टक्कर मार दी। उनकी चपेट में आए तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने स्टूडेंट्स को अभिरक्षा में लेकर घायलों को उपचार के लिए भर्ती कराया है। स्टूडेंट्स के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस के मुताबिक, दिल्ली के कोंडली निवासी एक स्टूडेंट्स बुधवार दोपहर से लापता था। उसके पिता घरों में इंटीरियर का काम करते हैं। बुधवार से परिजन उसे खोज रहे थे।

युवती से मिलने के लिए थार किराए पर ली

गुरुवार दोपहर उसने किराए पर यूपी नंबर की एक थार गाड़ी तीन से चार हजार रुपए में किराए पर ली। उसने एक दोस्त से संपर्क किया। दोस्त को थार में बैठाकर वह नोएडा के सेक्टर-22 में आ गया। यहां एक युवती से मिलने पहुंच गया। दोनों आपस में बातचीत कर रहे थे। इस दौरान परिजनों ने उसे देख लिया।

परिजन को देखते ही भगाई थार

शाम के समय ईएसआईसी अस्पताल के निकट जब वह युवती से मिल रहे थे, तो स्टूडेंट्स को उसके परिजन दिखाई दिए। यह देख वह घबरा गया और दोस्त को थार में बैठाकर भागने लगा। गाड़ी का पीछे करते समय दो गाड़ियों में टक्कर मार दी। इसके बाद एडोब चौराहे के निकट एक ई-स्कूटी में टक्कर मारते हुए अंडरपास की ओर जाने लगे। अंडरपास के पार मारी टक्कर अंडरपास पार करते ही बुलेट बाइक और एक अन्य बाइक में टक्कर मार दी। हादसे में स्कूटी और बाइक सवार लोग घायल हो गए। इनमें से दो लोगों को अस्पताल पहुंचाया गया।

अव्यवस्था की भेंट चढ़ा अंग्रेजी माध्यम विद्यालय का वार्षिकोत्सव, अभिभावक लौटने को मजबूर

अमन लेखनी समाचार

रेणुकूट, नगर स्थित एक अंग्रेजी माध्यम के विद्यालय में शनिवार की शाम आयोजित वार्षिकोत्सव कार्यक्रम अव्यवस्थाओं के कारण चर्चा का विषय बन गया। कार्यक्रम में आमंत्रित अभिभावकों और अतिथियों की संख्या के अनुरूप बैठने की समुचित व्यवस्था न होने से बड़ी संख्या में लोगों को बिना कार्यक्रम देखे ही वापस लौटना पड़ा। इस स्थिति से नाराज लोग आयोजकों को कोसते हुए नजर आए। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार विद्यालय प्रबंधन द्वारा वार्षिकोत्सव के लिए बड़ी संख्या में लोगों को आमंत्रण भेजे गए थे, लेकिन कार्यक्रम स्थल पर कुर्सियों की व्यवस्था बेहद कम थी। हालात यह रहे कि कार्यक्रम शुरू होने से पहले ही अधिकांश कुर्सियां भर गईं और बाद में पहुंचे अभिभावकों को खड़े रहना पड़ा। कुछ देर इंतजार के बाद जब बैठने की कोई व्यवस्था नहीं हुई तो कई लोग नाराज होकर कार्यक्रम स्थल से लौट गए। अभिभावकों का आरोप है कि कार्यक्रम में विद्यालय के बच्चों को ही अधिकांश कुर्सियों पर बैठा दिया गया, जबकि उनके माता-पिता और परिवार के सदस्य खड़े रहने को मजबूर रहे। लोगों का कहना था कि वार्षिकोत्सव जैसे महत्वपूर्ण आयोजन में बच्चों के साथ-साथ अभिभावकों के लिए भी पर्याप्त व्यवस्था की जानी चाहिए थी, लेकिन विद्यालय प्रबंधन ने इस ओर कोई ध्यान नहीं दिया। कार्यक्रम के दौरान अव्यवस्था को लेकर कई अभिभावकों ने नाराजगी जाहिर की और इसे विद्यालय प्रबंधन की लापरवाही बताया। उनका कहना था कि यदि आमंत्रित लोगों की संख्या के अनुसार पूर्व से ही योजना बनाई जाती तो ऐसी स्थिति उत्पन्न नहीं होती। हालांकि कार्यक्रम अपने तय समय पर शुरू हुआ और बच्चों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं, लेकिन अव्यवस्था के कारण कार्यक्रम की छवि धूमिल हो गई। अभिभावकों और स्थानीय लोगों ने विद्यालय प्रबंधन से भविष्य में इस तरह के आयोजनों में बेहतर व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने की मांग की है।

आश्रम परिसर में निःशुल्क चिकित्सा सेवा, मरीजों को मिला लाभ

अमन लेखनी समाचार

रेणुकूट। पिपरी स्थित श्री अनंत पद्मावती सेवा आश्रम परिसर में रविवार को निःशुल्क चिकित्सा सेवा का आयोजन किया गया। इस दौरान बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. आनंद पटेल ने मरीजों का स्वास्थ्य परीक्षण किया और उनकी समस्याओं का समाधान किया। पिपरी और रेणुकूट क्षेत्र सहित आसपास के इलाकों के लोगों ने इस सेवा का लाभ उठाया। डॉ. आनंद पटेल ने बताया कि बदलते मौसम में लोगों को सतर्क रहने की आवश्यकता है। इस समय वायरल फीवर तेजी से फैल रहा है, इसलिए सभी को स्वच्छता और खानपान पर विशेष ध्यान देना चाहिए। उन्होंने कहा कि समय पर इलाज और सावधानी से बीमारी को रोका जा सकता है। आश्रम संचालक पंडित वीर विक्रम नारायण पांडेय ने बताया कि प्रत्येक रविवार को आश्रम परिसर में निःशुल्क चिकित्सा सेवा का आयोजन किया जाता है। इस सेवा का विशेष लाभ नगर और आसपास के क्षेत्र में झुग्गी-झोपड़ी में रहने वाले गरीब एवं जरूरतमंद लोग उठाते हैं। स्थानीय लोगों ने इस सेवा की सराहना करते हुए कहा कि इससे उन मरीजों को राहत मिलती है जिन्हें आर्थिक तंगी के कारण उचित इलाज नहीं मिल पाता।

श्री डालसिंह मेमोरियल स्कूल का तीन दिवसीय वार्षिकोत्सव संपन्न

सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने दिया देशप्रेम व संस्कारों का संदेश

अमन लेखनी समाचार

हरदोई। श्री डालसिंह मेमोरियल स्कूल में आयोजित तीन दिवसीय वार्षिकोत्सव का भव्य समापन विविध सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के साथ हुआ। कार्यक्रमों के माध्यम से विद्यार्थियों ने देशप्रेम, भारतीय संस्कृति, नारी सशक्तिकरण, योग, हास्य और पौराणिक कथाओं को मंच पर जीवंत कर दिया। दर्शकों से खचाखच भरे सभागार में हर प्रस्तुति को खूब सराहना मिली और तालियों की गूंज ने बच्चों का उत्साह बढ़ाया। कार्यक्रम का शुभारंभ अपर पुलिस अधीक्षक पूर्वी सुबोध गौतम द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ हुआ, जबकि समापन अवसर पर मुख्य अतिथि भाजपा जिला अध्यक्ष अजीत सिंह बब्बन उपस्थित रहे। उन्होंने विद्यार्थियों की प्रस्तुतियों की प्रशंसा करते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रम बच्चों के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं और उनमें आत्मविश्वास के साथ-साथ संस्कार भी विकसित करते हैं। उन्होंने सभी बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

संस्कृति, संस्कार और सृजनात्मकता से सजा मंच

वार्षिकोत्सव के अंतिम दिन सांस्कृतिक कार्यक्रमों की श्रृंखला ने दर्शकों को भाव-विभोर कर दिया। कार्यक्रम की शुरूआत गणेश वंदना जय देव जय देव और सरस्वती वंदना मां सरस्वती मां भगवती से हुई। स्वागत गीत के बाद जिस देश में गंगा रहता है और चंदा चनके चम-चम जैसी प्रस्तुतियों ने देशप्रेम की भावना को प्रबल किया। छात्रों द्वारा प्रस्तुत स्टूडेंट लाइफ एक्ट (गलती से मिस्टेक) और पेट में दर्द हास्य नाटक ने दर्शकों को खूब हंसाया। वहीं बेटियाँ क्यों पराई हैं जैसी प्रस्तुति ने समाज में बेटियों की स्थिति पर सोचने को मजबूर किया। रामचरितमानस पर आधारित नाटक और महाभारत के चीर हरण प्रसंग ने भारतीय पौराणिक संस्कृति की गहराई को मंच पर उतारा।

लोक, योग और राष्ट्रभाव की सशक्त प्रस्तुति

कार्यक्रम में लोक और शास्त्रीय रंग भी देखने को मिले। अइजिरि नंदिनी, कजरी नृत्य कैसे खेलन जइबू सावन में कजरिया और वृन्दावन में हुकुम बले बरसाने वाली का ने दर्शकों को लोकसंस्कृति से जोड़ा। वो शक्ति है, आरम्भ है, प्रचण्ड है जैसी प्रस्तुति ने नारी शक्ति का प्रभावशाली संदेश दिया। योग प्रदर्शन ने बच्चों की शारीरिक व मानसिक जागरूकता को दर्शाया। इसके अलावा कॉमेडी कोर्ट रूम, कहाँ राजा भोज कहाँ गंगू तेली और देशभक्ति से ओतप्रोत ऑपरेशन सिंदूर ने कार्यक्रम को प्रभावी समापन की ओर ले गया। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से आरआर इंटर कॉलेज की प्रबंधक कीर्ति सिंह, प्रधानाचार्य के.पी. सिंह, नगर पंचायत गोपामऊ के अध्यक्ष वली मोहम्मद, स्वामी कल्याणानंद पीजी कॉलेज के संस्थापक हर्षवर्धन सिंह, ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन के जिला अध्यक्ष देवेंद्र सिंह बबलू, प्रवीण सिंह राजन, मुकुल सिंह आशा, प्रबंधक मुकेश सिंह, भूमिका सिंह लक्ष्मी देवी, मंशा वाजपेई लवी मिश्रा, शिवांगी गुप्ता विनीता त्रिवेदी, शैलजा, पूजा, सत्यम शुक्ला सहित बड़ी संख्या में अभिभावक एवं बच्चे उपस्थित रहे।

खास समाचार

कोन में कांग्रेस ने मनाया स्थापना दिवस: ब्लॉक स्तरीय कमेटी ने उत्साहपूर्वक किया आयोजन

अमन लेखनी समाचार

कोन/सोनभद्र में ब्लॉक स्तरीय कांग्रेस कमेटी ने रविवार को पार्टी का स्थापना दिवस मनाया। कार्यक्रम की अध्यक्षता ब्लॉक कांग्रेस कमेटी कोन के अध्यक्ष मदन गुप्ता ने की। कार्यक्रम की शुरूआत में वरिष्ठ कांग्रेसी नेता और पूर्व जिला महासचिव विनयकांत चतुर्वेदी ने महात्मा गांधी के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर माल्यार्पण किया। अपने संबोधन में उन्होंने देश की आजादी में कांग्रेस पार्टी और उसके नेताओं के योगदान को याद किया। चतुर्वेदी ने बताया कि देश 1947 से पहले अंग्रेजों का गुलाम था, जिसे महात्मा गांधी और पंडित जवाहरलाल नेहरू जैसे नेताओं के प्रयासों से 15 अगस्त 1947 को आजादी मिली। उन्होंने देशवासियों से देश के प्रति सच्ची श्रद्धा और समर्पण की भावना जागृत करने का आह्वान किया। इस अवसर पर जिला सचिव राजेश त्रिपाठी और रामकेश्वर कनौजिया ने भी गांधी जी के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित लोगों के बीच मिठाइयां बांटी गईं। कार्यक्रम में मुख्य रूप से विद्या पटेल गोपी, विश्वकर्मा तेजी, राम कन्हाई राम कन्नौजिया, दिनेश सिंह सहित क्षेत्र के कई कार्यकर्ता मौजूद रहे।

हिंदू सम्मेलन के उपलक्ष्य में पाली ब्लॉक में भव्य बाइक रैली, दिखा एकता और उत्साह

अमन लेखनी समाचार

घघसरा, पाली ब्लॉक के अंतर्गत आगामी हिंदू सम्मेलन के उपलक्ष्य में रविवार को एक भव्य बाइक रैली का आयोजन किया गया। रैली की शुरूआत राम जानकी मंदिर, रामडिहतोरनी से हुई, जो टिकरिया, मुजौली, माट, चढ़राव, जालेपार एवं शहरी क्षेत्र से होते हुए पुनः रामडिहतोरनी पहुंचकर शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुई। इस रैली में सैकड़ों की संख्या में बाइक सवारों ने भाग लिया, जिससे पूरे क्षेत्र में उत्साह और उमंग का माहौल देखने को मिला। कार्यक्रम की अध्यक्षता कालिका प्रसाद यादव ने की। रैली में ब्लॉक प्रमुख ई. शशी प्रताप सिंह, ग्राम प्रधान राम सिंह, ग्राम प्रधान अष्टभुजा सिंह, विजय प्रताप सिंह सहित बड़ी संख्या में ग्रामीणजन एवं युवा उपस्थित रहे। इस अवसर पर ब्लॉक प्रमुख ई. शशी प्रताप सिंह ने कहा कि 30 तारीख को राम जानकी मंदिर परिसर में आयोजित होने वाला हिंदू सम्मेलन समाज में एकता, संस्कार और सांस्कृतिक चेतना को मजबूत करने का कार्य करेगा।

ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन जिला झांसी कार्यकारिणी का हुआ गठन

अमन लेखनी समाचार

झांसी। रविवार को ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन की एक महत्वपूर्ण बैठक नगर मऊरानीपुर के मान्या रिसोर्ट में आयोजित की गई। जिसमें एसोसिएशन की जिला कार्यकारिणी के गठन की घोषणा की गई। इसी के साथ महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष एवं जिला उपाध्यक्ष मनोनीत किये गए। मंडल महामंत्री गिरवर सिंह, महेन्द्र सिंह सोलंकी, स्वस्ति कुमार घोष व जिला संरक्षक विनोद सोनी की मौजूदगी में जिलाध्यक्ष मुकेश राजपूत ने जिला कार्यकारिणी की घोषणा की। जिसमें जिला उपाध्यक्ष अनुज श्रोत्रिय रानीपुर, वीरेंद्र तिवारी टोडी फतेहपुर, अखिलेश राय मऊरानीपुर, जिला महामंत्री राजीव परमार गरौठा, सुनील जैन गुरसराय, नमन पाठक मऊरानीपुर, जिला मंत्री हेमंत यादव गरौठा, पवन कुमार श्रीवास मऊरानीपुर, कोषाध्यक्ष अनिल कुमार शर्मा गरौठा, संगठन मंत्री कल्लू वर्मा गरौठा, संप्रेक्षक राजकुमार मिश्रा गरौठा, सदस्य अमित अहिरवार मऊरानीपुर को बनाया गया। वहीं जिला महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष नेहा श्रीवास एवं जिला उपाध्यक्ष महिला मोर्चा अर्चना श्रीवास को मनोनीत किया गया। बैठक में सभी नव नियुक्त पदाधिकारियों का फूलमाला पहनाकर स्वागत किया गया। कार्यक्रम का सफल संचालन हेमन्त यादव ने किया। अंत में संगठन के जिलाध्यक्ष मुकेश राजपूत द्वारा सभी के प्रति आभार व्यक्त किया गया। बैठक में मंडल महामंत्री गिरवर सिंह, महेन्द्र सिंह सोलंकी, स्वस्ति कुमार घोष, जिला अध्यक्ष मुकेश राजपूत, जिला संरक्षक विनोद सोनी, कल्यान सिंह चौहान, नेहा श्रीवास, अर्चना श्रीवास, अनुज श्रोत्रिय, नमन पाठक, वीरेंद्र तिवारी, राजीव परमार, सुनील जैन, हेमंत यादव, अनिल शर्मा, कल्लू वर्मा, राजकुमार मिश्रा, विनीत सोनी, महादेव भास्कर, राघवेंद्र यादव, शैलू यादव, विपिन कुमार, संजू सिंह परिहार, अरविंद दांगी, महेंद्र नायक, प्रदीप कुमार, अमित कुमार, प्रेमप्रकाश सिंह, पुष्पेंद्र कुमार, पंकज श्रीवास, रिंकू सेन आदि पत्रकार मौजूद रहे।

ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन ने सात सूत्रीय मांगों को लेकर सांसद को सौंपा ज्ञापन

झांसी सांसद अनुराग शर्मा ने दिया समाधान का भरोसा

अमन लेखनी समाचार

मऊरानीपुर, झांसी। ग्रामीण पत्रकार एसोशिएशन जिला इकाई झाँसी के तत्वाधान में जिला अध्यक्ष मुकेश राजपूत के नेतृत्व में आज 7 सूत्रीय मांगों को लेकर झाँसी ललितपुर सांसद अनुराग शर्मा को एक ज्ञापन सौंपा। ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन के पदाधिकारी एवं कार्यकताओं ने नगर के एक पैलेस में आयोजित भाजपा के कार्यक्रम में शामिल होने आए झाँसी ललितपुर सांसद को ज्ञापन देकर अपनी मांगें रखी। जिस पर उन्होंने पत्रकारो की बात को सुना और आश्वस्त किया कि उक्त ज्ञापन के संबंध में माननीय मुख्यमंत्री को अवगत कराएंगे। उन्होंने भरोसा दिलाया कि पत्रकारों की समस्याओं के निराकरण का प्रयास किया जाएगा। ज्ञापन में बताया गया कि ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन उत्तर प्रदेश पत्रकारिता के क्षेत्र में कार्य कर रहे प्रिंट व इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के पत्रकारों का प्रदेश का सबसे बड़ा संगठन है। संगठन का पंजीकरण संख्या 1153/86 है। ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन उ. प्र. की शाखा उत्तर प्रदेश के 18 मंडलों, 75 जनपदों व 551 तहसीलों में गठित होकर सुचारु रूप से कार्य कर रही हैं। अत्यंत कठिन परिस्थितियों में कार्य कर रहे इन पत्रकारों को सरकार व संस्थान की तरफ से कोई सुविधा नहीं मिल पा रही है। पत्रकारिता के क्षेत्र में कार्य कर रहे ये पत्रकार अनेक कठिनाइयों से जूझ रहे हैं। अस्तु इनके जीवन स्तर को सुधारने के लिए आपसे निम्नलिखित निवेदन है। तहसील स्तर पर मान्यता प्रदान करने के लिए निदेशक सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग उत्तर प्रदेश लखनऊ द्वारा जारी पत्र संख्या - 1484/सू0एवं ज0स0 वि0(प्रेस)-36/2004 दिनांक 19-06-2008 को संशोधित करते हुए सभी दैनिक समाचार पत्रों के संवाददाताओं के मान्यता प्रदान करने हेतु आदेश निर्गत किया जाय। पत्रकार हितों की रक्षा के लिए जिला स्तरीय स्थाई समिति की नियमित बैठके कराई जाय और मण्डल मुख्यालय पर मण्डलायुक्त की अध्यक्षता में और तहसील स्तर पर उपजिलाधिकारी की अध्यक्षता में स्थाई समिति का गठन किया जाय और उसमे ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन के अध्यक्ष को विशेष आमंत्रित सदस्य के रूप में सम्मिलित किया जाय। ग्रामीण पत्रकारों को स्वास्थ सुविधा से आच्छादित करने के लिए उन्हें आयुष्मान कार्ड की सुविधा प्रदान की जाय और उत्तर प्रदेश परिवहन निगम की बसों में निःशुल्क सुविधा प्रदान की जाय। प्रदेश स्तर पर गठित पत्रकार मान्यता समिति एवं विज्ञापन मान्यता समिति में ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन उत्तर प्रदेश के 02 प्रतिनिधियों को सदस्य के रूप में सम्मिलित किया जाय। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन के कार्यालय हेतु दारुलशफा में निःशुल्क भवन उपलब्ध कराया जाए। ग्रामीण पत्रकारों के समस्याओं का अध्ययन व समाधान करने हेतु ग्रामीण पत्रकार आयोग का गठन किया जाय। पत्रकारिता के दायित्व का निर्वहन करते समय परिस्थितियों वश होने वाले विवाद के प्रकरण में पत्रकारों पर प्राथमिकी दर्ज कराने से पहले किसी सक्षम राजपत्रित अधिकारी से जांच कराने का आदेश निर्गत किया जाय। इस मौके पर मंडल महामंत्री गिरवर सिंह, महेन्द्र सिंह सोलंकी, स्वस्ति कुमार घोष, जिला संरक्षक विनोद सोनी, कल्यान सिंह चौहान, नेहा श्रीवास, अर्चना श्रीवास, अनुज श्रोत्रिय, नमन पाठक, वीरेंद्र तिवारी, राजीव परमार, सुनील जैन, हेमंत यादव, अनिल शर्मा, प्रदीप शर्मा, आनंद मोहन पाठक, कल्लू वर्मा, राजकुमार मिश्रा, विनीत सोनी, सुनील तिवारी, महादेव भास्कर, राघवेंद्र यादव, शैलू यादव, विपिन कुमार, योगेश मिश्रा, अरविंद दांगी, महेंद्र नायक, प्रदीप कुमार, अमित कुमार, प्रेमप्रकाश सिंह, पुष्पेंद्र कुमार, संजू सिंह, पंकज श्रीवास, रिंकू सेन सहित बड़ी संख्या में पत्रकार मौजूद रहे।

नगर पालिका अध्यक्ष श्यामसुंदर केशरी ने रोडवेज परिसर में यात्रियों हेतु रैन बसेरा का किया उद्घाटन

अमन लेखनी समाचार

मीरजापुर। नगर पालिका अध्यक्ष श्यामसुंदर केशरी ने इस भीषण शीतलहर के मौसम को देखते हुए रोडवेज परिसर में यात्रियों और राहगीरों की सुविधाओ के लिए नवनिर्मित अस्थाई रैन बसेरा का फीता काटकर उदघाटन किया। इस मौके पर नगर पालिका अध्यक्ष ने कहा कि रोडवेज में यात्रियों की सुविधाओं के लिए पहले से रैन बसेरा की सुविधा दी जा रही थी लेकिन पालिका द्वारा इस ठंड के प्रकोप से राहत के लिए यात्रियों और राहगीरों को कई और मूलभूत सुविधाओं को रैन बसेरे में बढ़ाया गया है। जिसमें यात्रियों के लिए ,कंबल, रजाई, गद्दे, हीटर, अलाव, पीने के पानी की व्यवस्था दी जा जाएंगी। इस रैन बसेरा में चालीस लोगों के रुकने की व्यवस्था की गई, जिसमें महिलाओं के लिए अलग व्यवस्था दी गई है। इसी तरह नगर के विंध्याचल और घंटाघर में ही रैन बसेरा की व्यवस्था करवाई गई है। रात्रि में लंच के पैकेट का वितरण भी यात्रियों को किया गया है। मेरे द्वारा यह भी प्रयास किया जा रहा है अपने स्तर से यात्रियों के लिए लंच का पैकेट और चाय की व्यवस्था हो जायेगा। जिससे इस कड़के ठंड में लोगों को राहत मिल सकें। इस कार्यक्रम में सभासद हुकुम मौर्य जी, सेक्टर संयोजक विभूति नारायण मिश्रा जी , जसविंदर सिंह सरना जी , मृत्युंजय सिंह जी , बूथ अध्यक्ष शंकर लाला मौर्य, हरिशंका प्रजापति, बूथ अध्यक्ष अभिषेक बरनवाल, जी उपस्थित रहे ।

अज्ञात चोरों ने गुमटी का ताला तोड़कर उड़ाया सामान व नगदी

अमन लेखनी समाचार

मल्लावां, हरदोई। अज्ञात चोरों ने एक पान की गुमटी के ताले तोड़कर मसाला, सिगरेट और पांच हजार की नगदी चोरी कर ले गए। कस्बे के चुंगी नबंर दो पर अवधेश सैनी पुत्र गुरु प्रसाद सैनी निवासी मोहिउद्दीनपुर दरगाह जो पान की गुमटी चलाता है। 27/28 की रात्रि अज्ञात चोर गुमटी में लगे चारों ताले तोड़कर उसमें से 5 पैकट मसाला, 26 सौ सिगरेट और लगभग पांच हजार रुपए की नगदी चोरी कर ले गए। चोरी की सूचना डायल 112 को दी जिस पर जाँच पड़ताल की। पीड़ित ने कोतवाली में तहरीर देकर घटना बताई। कोतवाल शिवाकांत पांडेय ने बताया चोरी की जांच पड़ताल की जा रही है।

ऑटो चालकों से ट्रैफिक पुलिस की वसूली के आरोप की यातायात सीओ ने की जाँच

मल्लावां, हरदोई। कस्बे में सीएनजी ऑटो चालकों से ट्रैफिक पुलिस द्वारा वसूली के आरोप में ट्रैफिक सीओ ने ऑटो चालकों के बयान दर्ज किये। मल्लावां में ट्रैफिक पुलिस द्वारा ऑटो चालकों से अवैध रूप से वसूली के आरोप में चार दिन से चल रही ऑटो चालक स्ट्राइक के बाद ट्रैफिक पुलिस सीओ अनुज मिश्रा ने कोतवाली पहुंचकर ऑटो चालकों के बयान दर्ज की कर रिपोर्ट तैयार की। ट्रैफिक सीओ अनुज मिश्रा ने बताया मामले की जांच उनके द्वारा की गई सभी चालकों के बयान दर्ज किए गए हैं। उन्होंने कहा कि किसी भी तरह से अवैध रूप से वसूली बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इसके आलावा उन्होंने अवैध रूप से चलने वाले डग्गामार वाहनों पर सख्त कार्यवाही करने के निर्देश कोतवाल शिवाकांत पाण्डेय को दिए। ताकि यातायात नियम बना रहे।

योगी की जीरो टॉलरेंस सरकार में सपा नेता रावेंद्र यादव के व्याप्त आतंक से तहसील प्रशासन मूक

दबंग नेता ने सरकारी जमीन पर 20 बीघा बोई गई गन्ने की फसल काटी

अमन लेखनी समाचार

शाहाबाद, हरदोई। प्रदेश की की योगी सरकार जहां एक ओर भू माफियाओ पर बुलडोजर कार्रवाई कर रही है। वही तहसील के भ्रष्ट प्रशासनिक अधिकारियो के संरक्षण में दबंग योगी सरकार के आदेशों को धूलधूसरित करने से बाज नहीं आ रहे है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार शाहाबाद तहसील के अंतर्गत गांव सुहागपुर में तहसील प्रशासन की भ्रष्टनीति व अधिकारियों के संरक्षण के फलित सपा नेता रावेंद्र यादव खुला संरक्षण प्राप्त होने के चलते सैकड़ों बीघा सरकारी जमीन पर कब्जा जमाकर बोई गई गन्ना की फसल को काट कर प्रदेश सरकार के बुलडोजर राज का मजाक उड़ाता बताया जा रहा है। बताया जाता है कि शाहाबाद तहसील के ग्राम सुहागपुर निवासी सपा नेता रावेंद्र यादव ने 20 बीघा सरकारी जमीन पर दबंगई के चलते गन्ने की फसल बोई और काटकर बेंच भी दी। वहीं तहसील प्रशासन टुक टुक दी दम दम न कसी दमड़ की कहावत के अधिकारी गांधी जी के तीन बंदर की भांति मूर्तिवत हो सरकारी भूमि का तियां पांचा होते देखती रही। मजाल है कि उन्हें योगी बाबा के बुलडोजर का तनिक भी भय रहा हो, न ही कोई दंडात्मक कारवाई की गई, और दबंगों द्वारा काटी गई फसल का कितना बंदरबांट किया गया होगा यह तो तहसील के कर्ताधर्ताओं को ज्ञातव्य होगा फिलहाल ग्राम सुहागपुर निवासी रावेंद्र कठेरिया ने उक्त मामले की जानकारी जिलाधिकारी हरदोई अनुनय झा की अध्यक्षता में आयोजित सम्पूर्ण समाधान में 07 अक्टूबर 2025 को शिकायत दर्ज करते हुए उक्त सरकारी जमीन को कब्जा मुक्त करने की मांग की थी। जिसमें यह आरोप लगाया गया कि सपा नेता रावेंद्र यादव व ओमप्रकाश नेता निवासी सुहागपुर ने 17.2090 हेक्टेयर ,लगभग 200 बीघा जमीन पर अवैध कब्जा करके फसलें बोई हैं। जिस पर जिलाधिकारी ने सरकारी जमीन पर अतिक्रमण व अवैध कब्जा की गई भूमि का जांच कर जमीन को कब्जामुक्त करने का आदेश संबंधित क्षेत्रीय उपजिलाधिकारी अंकित तिवारी को दिए थे।

तहसील शाहाबाद के उपजिलाधिकारी अंकित तिवारी ने दिनांक 14 अक्टूबर 2025 को नायब तहसीलदार शाहाबाद संतोष कुशवाहा के नेतृत्व में पांच सदस्यीय टीम गठित करके जमीनों की जांच का आदेश दिया गया। लेकिन इसके बाद भी रावेंद्र यादव ने गन्ने की फसल काट कर बेंच दी। जिले के आला अधिकारी के आदेश के बाबजूद सरकारी जमीन पर अवैध कब्जेधारियों द्वारा अपना पावर दिखाते हुए जिलाधिकारी को बौना साबित करने में सफलता प्राप्त कर अपना प्रभाव दर्शा कर सरकारी सिस्टम की कलई खोलकर रख दी। दबंग सपा नेता के प्रभाव के आगे शाहाबाद तहसील के अधिकारी कार्रवाई करने से भयभीत नजर आ रहे हैं?

जिस व्यक्ति पर दंडात्मक कार्यवाही होनी चाहिए उसी दबंग व्यक्ति के आगे तहसील प्रशासन के नियम कानून धूल फांकते नजर आ रहे है और सपा नेता वर्तमान सरकार के मंत्री के लिए भी अहम चुनौती भी बनने की चुनौती से कम प्रतीत नहीं हो रहा है।

जागरूकता अभियान एवं सामाजिक सरोकार-थाना अनपरा में महिलाओं व बुजुर्गों को मिला संरक्षण व सहयोग

मिशन शक्ति अभियान के अंतर्गत थाना अनपरा में महिला जागरूकता कार्यक्रम एवं कंबल वितरण।

मिशन शक्ति: जागरूकता, सुरक्षा और संवेदनशील पुलिसिंग का संदेश-

अमन लेखनी समाचार

सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक सोनभद्र के निर्देश में तथा क्षेत्राधिकारी/मिशन शक्ति नोडल अधिकारी के मार्गदर्शन में आज दिनांक 28.12.2025 को थाना अनपरा, जनपद सोनभद्र में थाना प्रभारी अनपरा के नेतृत्व में मिशन शक्ति अभियान के अंतर्गत एक विशेष जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान मिशन शक्ति टीम द्वारा उपस्थित महिलाओं को महिला सुरक्षा, आत्मरक्षा, घरेलू हिंसा से बचाव, साइबर अपराधों से सतर्कता तथा शासन द्वारा संचालित विभिन्न हेल्पलाइन सेवाओं की जानकारी सरल, प्रभावी एवं संवादात्मक माध्यम से प्रदान की गई। महिलाओं को यह विश्वास दिलाया गया कि किसी भी प्रकार की समस्या अथवा उत्पीड़न की स्थिति में पुलिस द्वारा त्वरित एवं निष्पक्ष सहायता प्रदान की जाएगी। कार्यक्रम के उपरांत थाना क्षेत्र से आई गरीब, असहाय महिलाओं एवं बुजुर्गों को ठंड से राहत प्रदान करने के उद्देश्य से कंबल वितरण किया गया। इस अवसर पर पुलिस द्वारा सामाजिक संवेदनशीलता एवं मानवीय सरोकार का परिचय देते हुए जरूरतमंदों को सहयोग प्रदान किया गया।

अमन लेखनी
(हिन्दी दैनिक)

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती अखिलेश सिंह द्वारा अवध एक्सप्रेस प्रकाशन, 434, सिविल लाइन, जेल रोड, उन्नाव, उत्तर प्रदेश से मुद्रित और ग्राम व पोस्ट-बनी, थाना- बन्थरा, लखनऊ-226401 (उ.प्र.) से प्रकाशित।

सम्पादक –
श्रीमती अखिलेश सिंह

समाचार सम्पादक –
रुद्र प्रताप सिंह

समाचार से संबंधित सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र लखनऊ होगा।

मो. - 9838159555, 9935457982

E-mail address
amanlekhaninews@gmail.com

नवारंभ का संदेश लेकर नववर्ष द्वार पर खड़ा है। उसका स्वागत हम पूरे उत्साह-उमंग के साथ अवश्य करें। साथ ही आगामी नववर्ष में न केवल अपने जीवन को, अपने से जुड़े लोगों, समाज और पर्यावरण को बेहतर बनाने का संकल्प भी जरूर लें। न केवल संकल्प लें, उसे क्रियान्वित करने के लिए भी समग्र ऊर्जा से सक्रिय रहें। तभी आगामी वर्ष में चहुंओर नवचेतना का संचार होगा।

आवरण कथा

कुमार राधारमण

नववर्ष में हम करें नवचेतना का संचार

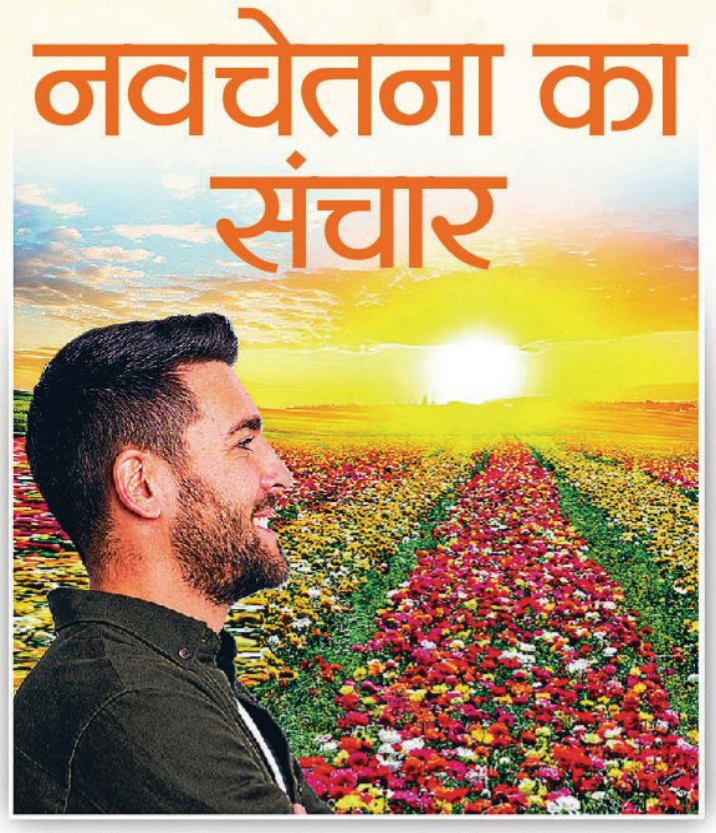

वर्तमान साल बीत रहा है। नए साल ने दस्तक दे दी है। नया साल सिर्फ कैलेंडर का बदल जाना नहीं होता है। यह बीत रहे साल की समीक्षा का अवसर भी है। हम सबकी कुछ अच्छी और कुछ कड़वी यादें इससे जुड़ी होंगी। नया साल विगत की अनुकूल स्मृतियों को सहेजने, उसे नए साल में नई ऊंचाइयां देने का अवसर है। यह प्रतिकूलताओं से सबक लेने का मौका है। जीवन की हर घटना सीखने का अवसर भी होती है। हम सब कई बार चूकते हैं। हमारी चूक निराशा का कारण न बने, हम अपनी गलतियों से सीखें। इसी में वर्तमान का उल्लास भी है और भविष्य का सुनहरा स्वप्न भी।

बनाए रखेंगे सकारात्मक दृष्टिकोण: नया साल, नए उत्साह, नई संभावनाओं, नए सपनों और नए संकल्पों को नए पंख देने का अवसर है। जीवन में हमेशा एक नई शुरुआत संभव है। बीत रहा साल चाहे जैसा रहा हो, नए साल में हम अपनी कहानी फिर से लिख सकते हैं। हर नए दिन का उपयोग हम अपने लक्ष्य के करीब जाने के लिए कर सकते हैं। यह सकारात्मक सोच से ही संभव होगा, क्योंकि चुनौतियों को अवसर में बदलने की क्षमता तभी विकसित होती है। हर समस्या, अपना समाधान भी लिए होती है। इसलिए,

बीता साल जैसा भी रहा, उसे धन्यवाद दें कि हमारे जीवन में एक महत्वपूर्ण प्रसंग उपस्थित हुआ। धन्यवाद इसलिए कि बीते साल की सफलताओं ने हमको आत्मविश्वास दिया, खुशियां दीं और असफलताओं ने हमको मजबूत, संवेदनशील और समझदार बनाया।

प्रकृति नित नूतन है। यह नूतनता पुराने के प्रति आग्रह छोड़ने का निमंत्रण है। विगत चाहे स्वर्णकाल रहा हो, हमारी आज की चुनौतियां नई हैं और हमें आज की परिस्थितियों में निखरने के लिए हमेशा अपने मन के द्वार नए के लिए खुले रखने होंगे। विकास की यही परिभाषा है। सिर्फ व्यापार को ही नहीं, मन को भी मुक्त करने की जरूरत है। सभी समस्याओं की जड़ भूत और भविष्य से बंधा हमारा मन ही है, जबकि चुनौतियां वर्तमान की हैं। मुक्त मन समावेशी तो होता ही है, दूसरों की मुक्ति के द्वार भी खोलता है।

सीखेंगे नित नए कौशल: तेजी से बदलती इस दुनिया में निरंतर सीखना और अपना कौशल विकास करते रहना जरूरी है। व्यस्तता हमें अनचाहे ही अकसर अपने प्रियजनों से दूर कर देती है। वास्तविक दुनिया के लोगों के साथ गुणवत्तापूर्ण समय बिताना भी हमारा संकल्प हो। इससे क्षमाभाव मजबूत होगा, पुरानी कड़वाहट दूर होगी, संबंधों में प्रगाढ़ता आएगी, मन हल्का और खुश रहेगा। अपने लिए यथार्थवादी लक्ष्य निर्धारित करें। बड़े सपने देखें, बशर्ते उसे कार्यरूप देने का सामर्थ्य भी हम में हो।

तन-मन का रखेंगे ध्यान: स्वास्थ्य से बढ़कर कुछ भी नहीं। संतुलित आहार और पर्याप्त नींद भी हमारे संकल्प का हिस्सा हो। मौजूदा उन्मादी दौर में मानसिक स्वास्थ्य का ध्यान रखना भी जरूरी है। तनाव प्रबंधन सीखना और सकारात्मक मानसिकता विकसित करना आधुनिक जीवन की आवश्यकता है। हर हाल में अच्छाई खोजना और आशावादी रहना जीवन को रूपांतरित कर देता है। हम सक्षम हैं और सफल होने के योग्य हैं, यह विश्वास सदा बना रहे। विंस्टन चर्चिल का प्रसिद्ध कथन है कि न तो सफलता अंतिम होती है, न असफलता घातक होती है, असली बात यह है कि आपमें जारी रखने का साहस है या नहीं।

धनार्जन भी है जरूरी: धन भी महत्वपूर्ण है। गरीब रखने वाली विचारधारा से दूर रहें। वित्तीय लक्ष्य तय करें। बचत और निवेश बुद्धिमत्तापूर्वक करें। अनावश्यक खर्चे कम करना भी धन अर्जित करना ही है। लेकिन भविष्य की सुरक्षा के लिए किए जा रहे प्रयास वर्तमान को जाया न कर दें। भविष्य

अनिश्चितताओं से भरा है। अगली पीढ़ी के लिए सब सोचना आपका ही दायित्व नहीं है, अगली पीढ़ी खुद भी अपने लिए करेगी ही। आप अपने वर्तमान को स्वर्णिम बनाएं। जब आप खूब धन कमा लेंगे, एक दिन वही धन ऊब पैदा करने लगेगा। भौतिक धन परमधन को पाने का साधन मात्र रहे। पावर ऑफ मेनिफेस्टेशन का उपयोग केवल धन को आकर्षित करने के लिए न करें। हमारे पास जो कुछ भी है, उसके प्रति कृतज्ञता से जीवन में अच्छाई को आकर्षित करना भी सीखें।

रहेंगे खुद के करीब: समय धन से भी अधिक कीमती है। इसका सदुपयोग करें। आलस्य छोड़ें, तभी हम अधिक उत्पादक और सफल बन पाएंगे। आलस्य छोड़ने का मतलब हर समय व्यस्त रहना नहीं है। आराम और मनोरंजन भी महत्वपूर्ण हैं। संतुलन चाहिए। आत्म-प्रेम समग्र विकास के लिए जरूरी है। अपनी रचनात्मक अभिव्यक्ति के लिए समय निकालना हमारे जीवन को समृद्ध बनाता है। लिहाजा, रोजमर्रा के जीवन में कुछ पल ऐसे जरूर हों, जो नितांत निजी हों, जिसमें मोबाइल की भी दखल न हो। अपने लिए समय निकालना जरूरी है। लेकिन यह औरों के बनाए रील्स देखने के लिए न हो। यह समय अपनी पसंद के काम करने, किताबें पढ़ने, संगीत सुनने, ध्यान करने या प्रकृति से जुड़ने का हो जो हमको तरोताजा कर दे।

समाज-पर्यावरण का रखेंगे ध्यान: सभ्य नागरिक अपने समाज और पर्यावरण के प्रति भी जिम्मेदार होता है। हमारी पृथ्वी रहने लायक बनी रहे, आने वाली पीढ़ियों के लिए हम आदर्श बनें, नया साल इस संकल्प से भरने का समय भी है। जरूरतमंदों की मदद और सामाजिक कार्यों में भागीदारी आंतरिक संतुष्टि देती है। अपने कंफर्ट जोन से बाहर निकलें और नई चीजें आजमाने का साहस रखें। जीवन एक साहसिक यात्रा है और नए अनुभव हमें जीवंत और उत्साहित रखते हैं। सच्ची खुशी और संतुष्टि अनुभव, रिश्ते और भीतरी शांति ही देती है।

शांति के लिए करेंगे प्रयास: इस समय दुनिया भर में राजनीतिक और आर्थिक कारणों से अस्थिरता, अनिश्चितता का माहौल है। भय और चिंता के इस परिदृश्य में, अंतर्मंथन की जितनी जरूरत आज है, पिछले कुछ दशकों में शायद ही रही हो। युद्धों की आहट अनेक आशंकाएं पैदा कर रही हैं। हमारी वास्तविक जरूरत शांति है। शांत मन ही गहरी से गहरी समस्या का सम्यक समाधान तलाश सकता है और एक बेहतर जीवन की ठोस आधारशिला तैयार कर सकता है। विश्व शांति किसी धर्म या हथियार से नहीं, बल्कि जागरूकता से, हृदय से आ सकती है और उसका मार्ग ध्यान है। इसी से मनुष्य, मनुष्य से जुड़ा महसूस करेगा। प्रतिकूल समय में ही ज्ञान, धर्म, साहस और ऊर्जा की परीक्षा होती है। असली ज्ञान, ऊर्जा, धर्म और पराक्रम यह है कि हम जहां भी हों, वहां के आस-पास की प्रकृति कोमल हो जाए। हम जिनके बीच रहें, उनकी भलाई स्वतः प्रकट होने लगे। हमारे भीतर इतनी गहरी शांति उतर आए कि सबके प्रति एक स्वीकार भाव हो। हम इसके लिए अपने स्तर पर अवश्य प्रयास करेंगे, ऐसा संकल्प जरूर लें। तब निश्चय ही आगामी वर्ष खुशहाली से भरपूर होगा। *

विशेष : वैश्विक परिवार दिवस, 1 जनवरी

वर्ष का पहला दिन यानी 1 जनवरी को पूरी दुनिया में ग्लोबल फैमिली-डे मनाया जाता है। इस दिन को मनाने का उद्देश्य परिवार की महत्ता को समझना और पारिवारिक प्रेम-सौहार्द की भावना को व्यक्तिगत जीवन से लेकर समाज, देश ही नहीं पूरे विश्व में प्रसारित करना है।

व्यक्तिगत से वैश्विक कुटुंब तक बना रहे प्रेम-सौहार्द-शांति

आह्वान / शिखर चंद जैन

हर वर्ष 1 जनवरी को ग्लोबल फैमिली-डे यानी वैश्विक परिवार दिवस मनाया जाता है। यह दिन दुनिया भर के लोगों को एक बड़े वैश्विक परिवार के रूप में जोड़ने के साथ ही उनमें शांति, एकता, प्रेम और सौहार्द के मूल्यों को बढ़ावा देने के लिए प्रेरित करता है।

भारत की प्राचीन अवधारणा: हमारे देश में तो प्राचीन काल से ही 'वसुधैव कुटुंबकम' की अवधारणा को महत्व दिया जाता रहा है। लेकिन आधुनिक विश्व में ग्लोबल फैमिली-डे मनाने की शुरुआत, संयुक्त राष्ट्र के 'शांति के एक दिन' की विचारधारा से हुई थी। इसे देश, धर्म या नस्ल की सीमाओं से परे सभी लोगों द्वारा मिलकर मनाया जाता है। इस प्रकार यह दिन प्रेम और सद्भाव फैलाने पर जोर देता है। यह दिन हमें याद दिलाता है कि हम सब एक वैश्विक गांव के ही सदस्य हैं और हमें सभी मतभेदों को भुलाकर एक परिवार की तरह रहना चाहिए। इसके तहत सभी को प्रेम, शांति और सौहार्द के साथ रहना सिखाया जाता है। दुनिया में शांति और सद्भाव को बढ़ावा देना और युद्ध-हिंसा से बचाना इसका मूल उद्देश्य है।

कब-कैसे हुई शुरुआत: वैश्विक परिवार दिवस मनाने का विचार पिछली सदी में एक किताब से आया था। इसकी शुरुआत 1990 के दशक के अंत में हुई, जब 1997 में संयुक्त राष्ट्र महासभा ने वर्ष 2000 को 'शांति की संस्कृति के लिए अंतरराष्ट्रीय दशक और विश्व के बच्चों के लिए अहिंसा' के रूप में घोषित किया। इस अवधारणा को स्टीव डायमंड और एलन सिल्वरस्टीन द्वारा लिखित बच्चों की एक किताब 'वन डे इन पीस, जनवरी 01, 2000' से प्रेरणा मिली। इस कहानी में एक ऐसी दुनिया की कल्पना की गई थी, जहां लोग 1 जनवरी को अपने सभी मतभेदों को एक तरफ रख देते हैं और भाईचारे की भावना का जश्न मनाते हैं। इसने 'शांति का एक दिन' समारोह की शुरुआत की। 1999 में, संयुक्त राष्ट्र के सदस्यों को शांति लाने के लिए वर्ष का पहला दिन समर्पित करने का औपचारिक निमंत्रण मिला। 2001 में, संयुक्त राष्ट्र ने आधिकारिक तौर पर इस दिन को मान्यता दी, और तब से हर साल 1 जनवरी को यह दिवस मनाया जाता है।

मनाती है पूरी दुनिया: वैश्विक परिवार दिवस का उत्सव भौगोलिक सीमाओं से बंधा नहीं है, बल्कि यह एक वैचारिक उत्सव है। इसे किसी एक देश का पर्व मानने के बजाय, मानवता के प्रति एक वैश्विक दृष्टिकोण के रूप में मनाया जाता है। वैश्विक परिवार दिवस सरल, सार्थक कार्यों के बारे में ध्यान आकर्षित करता है, जो घर परिवार से लेकर वैश्विक एकता की भावना को दर्शाता है।

परिवार के संग मनाएं यह दिन: यह दिन संघर्षों को भूलकर, एक-दूसरे के प्रति आभार व्यक्त करने और प्रेम फैलाने पर जोर देता है। इस पूरे दिन आप अपने परिवार के साथ समय बिता सकते हैं। इसके लिए परिवार के सदस्य एक साथ भोजन कर सकते हैं, कोई सामूहिक खेल, खेल सकते हैं या एक-दूसरे से बात करते हुए अच्छा समय गुजार सकते हैं। आप चाहें तो इस दिन को सामुदायिक सेवा के लिए स्वयंसेवा करके या वैश्विक स्तर पर शांति के लिए काम करने वाली संस्थाओं के लिए श्रमदान करके भी मना सकते हैं। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर अपने ग्लोबल मित्रों की विभिन्न संस्कृतियों, उनकी परंपराओं, व्यंजनों या कहानियों को साझा करके वैश्विक विविधता की भावना को मजबूत किया जा सकता है।

अंतरराष्ट्रीय परिवार दिवस से अलग: हालांकि इस दिन को मनाने की शुरुआत मुख्य रूप से संयुक्त राज्य अमेरिका में हुई, लेकिन इसे अब दुनिया भर के लगभग हर देश के परिवारों द्वारा मनाया जाता है, जिसमें हर देश और संस्कृति के लोग शामिल होते हैं। इससे मिलता-जुलता एक और महत्वपूर्ण दिवस अंतरराष्ट्रीय परिवार दिवस (इंटरनेशनल डे ऑफ फैमिलीज) भी है, जो हर साल 15 मई को मनाया जाता है, इसे भी संयुक्त राष्ट्र ने ही घोषित किया था और यह भी परिवार के महत्व पर केंद्रित है। *

कविता

राजेंद्र श्रीवास्तव

एक वर्ष फिर बीत गया

बीते वर्षों जैसा ही कुछ, एक वर्ष फिर बीत गया।
कभी हृदय खिल उठा पुष्प-सा,
और कभी गुपचुप रोया।
कभी सफलता स्वयं आ गई,
कभी स्वर्ण-अवसर खोया।
आता-जाता रहा वक्त भी
अपने ही रथ पर चढ़कर,
कालचक्र की उथल-पुथल में यह जीवनघट रीत गया।
हर्ष, शोक, संघर्ष, समन्वय,
सुख-दुख, धूप-छांव जैसे।
कुछ दिन बीते खुशहाली में,
बीते कुछ जैसे-तैसे।
दांव-पेंच षडयंत्रों का भी
खेल सीखने विवश हुआ,
जीता कभी किसी से मैं या, कोई मुझसे जीत गया।
जब-जब स्वर गीतों-गजलों के
मेरे होंठों पर आए।
लय तब कहीं अधूरी पाई
वाद्ययंत्र बिगड़े पाए।
लय नहीं आत्मबल लेकिन
कोई जतन सफल होगा,
बिगड़े साजों से रच दूंगा, मैं कोई संगीत नया।

व्यंग्य / अंशुमाली रस्तोगी

ठंड में चोरी करना आसान काम नहीं। जब लोग अपनी-अपनी रजाइयों में छिपे-दुबके बैठे होते हैं, तब चोर उनके घरों में चोरी करने उतरते हैं। एक तरफ ठंड का सितम, दूसरी तरफ पकड़े जाने का डर। फिर भी, वे अपने कर्म पथ पर डटे रहते हैं।

ठंड और चोर

इन दिनों ठंड आतंक मचाए हुए है। रजाई से बाहर निकलने का मन नहीं करता। न नहाने का दिल करता है। जी करता है, पूरे टाइम रजाई में सिकुड़े पड़े रहो। लेकिन मैं दाद देता हूं उन चोरों को, जो भीषण ठंड में भी चोरी कर रहे हैं। ठंड में चोरी करना आसान काम नहीं। जब लोग अपनी-अपनी रजाइयों में छिपे-दुबके बैठे होते हैं, तब चोर उनके घरों में चोरी करने उतरते हैं। एक तरफ ठंड का सितम, दूसरी तरफ पकड़े जाने का डर। फिर भी, वे अपने कर्म पथ पर डटे रहते हैं। पापी पेट क्या-क्या नहीं करवा लेता। आज के जमाने में चोरी करना पाप कैसे कहा जा सकता है!

बदलते समय के साथ चोरी के तरीके भी काफी बदल गए हैं। कुछ चोरियां अब ऐसी भी हैं, जिनके लिए घर से बाहर निकलना ही नहीं पड़ता। वे घर बैठे-बैठे ही हो जाती हैं। ऑनलाइन ठगी (चोरी) में कहीं जाने की जरूरत नहीं। कहीं से भी बैठकर किसी के भी बैंक खाते से रुपए उड़ाए जा सकते हैं। ये चोर बेहद शातिर होते हैं। बातें बनाकर फंसाने में माहिर होते हैं। इधर सावधानी घटी, उधर काम तमाम हुआ। लेकिन ऑनलाइन चोर पारंपरिक चोरों की तरह मेहनती नहीं होते। माना कि ऑनलाइन चोरी में मुनाफा अधिक है किंतु जमीनी अनुभव न के बराबर है। ऐसी चोरी भला किस काम की, जिसमें हाथ-पैर न हिलाने पड़ें।

अब तो पारंपरिक चोरों ने भी ऑनलाइन चोरी का रास्ता पकड़ लिया है। वे भी अधिक मेहनत करने से कतराने लगे हैं। चोरी की लाइन में नई पीढ़ी जो आ रही है, उसका झुकाव ऑनलाइन ठगी की तरफ ज्यादा है। चोरी के नए-नए तरीके उसने ईजाद कर लिए हैं। फोन पर लोगों को उल्लू बनाकर खाते से पलभर में रुपया सफा-चट कर रहे हैं।

लेकिन मुझे तो जमीन से जुड़े पारंपरिक चोर ही अधिक पसंद हैं। वे चोरी करते हैं तो लगता है कि वास्तविक चोरी हुई है। चोरी की रपट लिखी जाती है। पुलिस मौका-ए-वारदात पर पहुंचती है। चोरी गई चीजों का हिसाब-किताब लगाया जाता है। ध्यान रहे, चोरी में गहने जरूर चुराते हैं। नकदी पर भी हाथ साफ किया जाता है। घर वालों, आस-पड़ोस, नौकर-चाकर से पूछताछ होती है। खबर अखबारों में छपती है। चार जन चाय और पान के खोके पर चर्चा करते हैं। मोहल्ले में दहशत का सा माहौल बनता है। चोरी होने वाले घर का दूर-दूर तक नाम होता है। कुछ भी कहिए, सीन पारंपरिक चोरी में ही बनता है।

विकट ठंड में चोरी कंपकंपी छुड़ा देती है। मगर पापी पेट की खातिर उन्हें यह करना पड़ता है। आखिर उनका भी परिवार है। उन्हें भी अपने शौक पूरे करने हैं। बीवी की पसंद और बच्चों की पढ़ाई-लिखाई का भी ध्यान रखना है। चोरों का भी दिल होता है। मैंने कहानियों में कई ऐसे चोरों के बारे में सुन रखा है, जो चोरी की कमाई गरीबों में बांट दिया करते थे। कभी निम्न वर्ग को परेशान नहीं करते थे। उनके टारगेट पर हमेशा धन्नासेठ ही रहा करते थे। कितने दयावान चोर थे वे। मेरा मानना है कि चोरी करना, कविता या व्यंग्य लिखने से कहीं कठिन काम है। जितनी अक्ल चोरी करने में लगानी पड़ती है न, उतनी गणित के सवाल हल करने में नहीं। लेकिन लोग हैं कि चोरों को हमेशा बद-दुआएं देते हैं। कभी उनका आदर-सम्मान नहीं करते। चोर हैं तो क्या, इंसान तो वे भी हैं। इतना तय है कि धरती से जैसे भ्रष्टाचार कभी नहीं मिट सकता, वैसे ही चोरी भी कभी खत्म नहीं हो सकती। चोरों में भी नई-नई नस्लें आती रहेंगी। नए-नए तरीके चोरी के ईजाद किए जाते रहेंगे परंतु चोरियां खत्म कभी न होंगी। ठंड के मौसम में चोरी करना निश्चित ही कर्रा काम है। मेरे विचार में ऐसे वीर चोरों को कोई न कोई पुरस्कार भी जरूर मिलना चाहिए! नहीं क्या...! *

ये किनकी सांसों के सौदे

लड़ाई के योद्धा न डाक्टरों की हड़ताल और न ही किसी डाक्टर की बर्खास्तगी से तय हुए, मगर पूरे प्रदेश की पूरी-पूरी जनता आहत हुई हर बार। इस बीमारी के लक्षण केवल आईजीएमसी में ही मिले हों, सही नहीं होगा। बीमारी के लक्षण सरकारी इलाज के तरीकों या सरकार के फायदों को भुनाती जनता में ही हैं। हम काबिल डाक्टर की खोज में बीमार होते हैं या मरीजों की शुमारी में खुद डाक्टर परेशान होते हैं। परेशानियों का सबब यह कि अस्पतालों की गुंडई में जोर जबरदस्ती का नारा है। करीब तीन हजार सरकारी डाक्टर इसलिए अस्पतालों से गैर हाजिर हैं, क्योंकि उनके सहयोगी डाक्टर के खिलाफ सख्त कार्रवाई हुई है। यह किस्सा इतना भी नर्म नहीं है कि सरकार सख्त न होती और इतना भी स्वाभाविक नहीं कि किसी एक पक्ष को कमजोर आंक लें। ताकत डाक्टरी पेशे ने उस वक्त दिखाई होगी, जब एक मरीज को दुश्मन माना गया होगा। जब अस्पताल की चटाई या बिस्तर की लंबाई में मरीज छोटा हो जाए, तो डाक्टरी का प्रोफेशन खुदा से भी ऊपर अपनी ताकत बताता है। इसी ताकत के आगे आए दिन मेडिकल कालेजों तक में व्यवस्था हारती है, लेकिन डाक्टर एक कैबिन है-पिंजरा नहीं। उसकी क्षमता और दक्षता में अंतर है। यही अंतर चिकित्सा सेवाओं का अंतर्विरोध बन जाता है। फर्ज के लिखित संदेश व्यावहारिक नहीं होते, क्योंकि दुनिया बीमार है। हमने डिस्पेंसरी छोड़ी, ताकि सिविल अस्पताल बेहतर साबित हो। नागरिक अस्पताल छोड़ा ताकि जोनल या क्षेत्रीय अस्पताल में दक्षता मिल जाए और अब सारा हिमाचल गिन रहा है मेडिकल कालेज। शायद इसीलिए आईजीएमसी के बिस्तर पर लेटा मरीज अपने जीने के अरमानों को मेडिकल कालेज के दर पर ले आया था। इसमें दो राय नहीं कि मरीज का आचरण आक्रोश नहीं, लेकिन हर मरीज बेहोश नहीं होता। मामला डाक्टर और मरीज बन जाए, तो इस जीत-हार में सिर्फ विश्वास हारता है।

डाक्टर मरीजों पर नजर रखेंगे कि कहीं कोई बिगड़ा मरीज या उसका तीमारदार न निकल आए और मरीज डरेगा कि कहीं डाक्टर का हाथ न उठ जाए। यह भी एक विडंबना है कि पहले डाक्टर अपने तौर पर मरीज का मनोविज्ञान और चिकित्सा विज्ञान हाथ से टटोलते थे, लेकिन अब बीमारी की सारी अर्जियां इतनी मेहनत कराती हैं कि चिकित्सा पद्धति, यातना की मजदूर बना देती है। आईजीएमसी के घटनाक्रम में न तो मरीज याचक था और न ही डाक्टर शरीफ था। जो अस्पताल परिसर में घूंसे चला सकता है, उसे रिंग में होना चाहिए और जिस मरीज की जुबान कर्कश हो, उसे सुधारने की जरूरत है। क्या वक्त आ गया है जब डाक्टरों को मार्शल मिलने चाहिए या मरीजों के साथ पुलिस के सिपाही चलने चाहिएं। ऐसे में सरकार की नर्म कर्मचारी नीतियां दोषी हैं या प्रदेश में प्रोफेशनलिज्म अभी आया ही नहीं। कल अगर ट्रैफिक नियंत्रित करने वाले सिपाहियों को वाहन चालक सरेआम पीटना शुरू कर दें या प्रशासन के आदेशों के खिलाफ मुहिम खूंखार होने लगे, तो सरकार कैसे फैसले लेगी। इसके विपरीत अगर हर विभाग और विभागीय ओहदे आम जनता के प्रति आक्रामक हो जाएं, तो तब सरकार क्या करेगी। यह एक अवांछित छूट का अधिकार है, जो सरकारें कर्मचारियों और अधिकारियों को सिर पर बैठा कर व्यवस्था को पुचकारती रही हैं। इस प्रदेश में पनपते हर जोखिम के छोर पर जनता की मजबूरियां बैठी हैं। प्रदेश कितना शक्तिशाली या व्यवस्था पसंद है, उसकी हवा डाक्टर निकाल चुके हैं। अगर तीन हजार डाक्टर तमाम सरकारी अस्पतालों का भट्ठा बिठा सकते हैं, तो ऐसी परिस्थितियों में स्कूल-कालेजों और कानून व्यवस्था का क्या होगा। कितने दर्द में तेरे एहसास घायल कर गए, ये सिर्फ तेरी बगावत नहीं शेखियां ही थीं। एक दिन के लिए किसी मेडिकल कालेज के आपरेशन थियेटर का बंद होना, कितनी सांसों का सौदा है। मरीजों की कतारों में बच्चे, महिलाएं, बूढ़े, अपाहिज और असहाय भी होंगे, मगर डाक्टरों की बादशाहत में अस्पताल लुट गया। सजा किसे मिली। डाक्टर या मरीज को या उस व्यवस्था को जिसके भरोसे जनता सांस लेना चाहती है। ऐसे में जनता के अविश्वास से सरकार के प्रयास हर सरकारी अस्पताल में फेल होंगे, क्योंकि तालेबंदी जैसी स्थिति में डाक्टर ही पेशे के हुक्मरान हैं। फिर न कहना कि हिमाचल में निजी अस्पताल लूट रहे हैं।